शुभम संदेश

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शनिवार 10 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 06 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 123 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

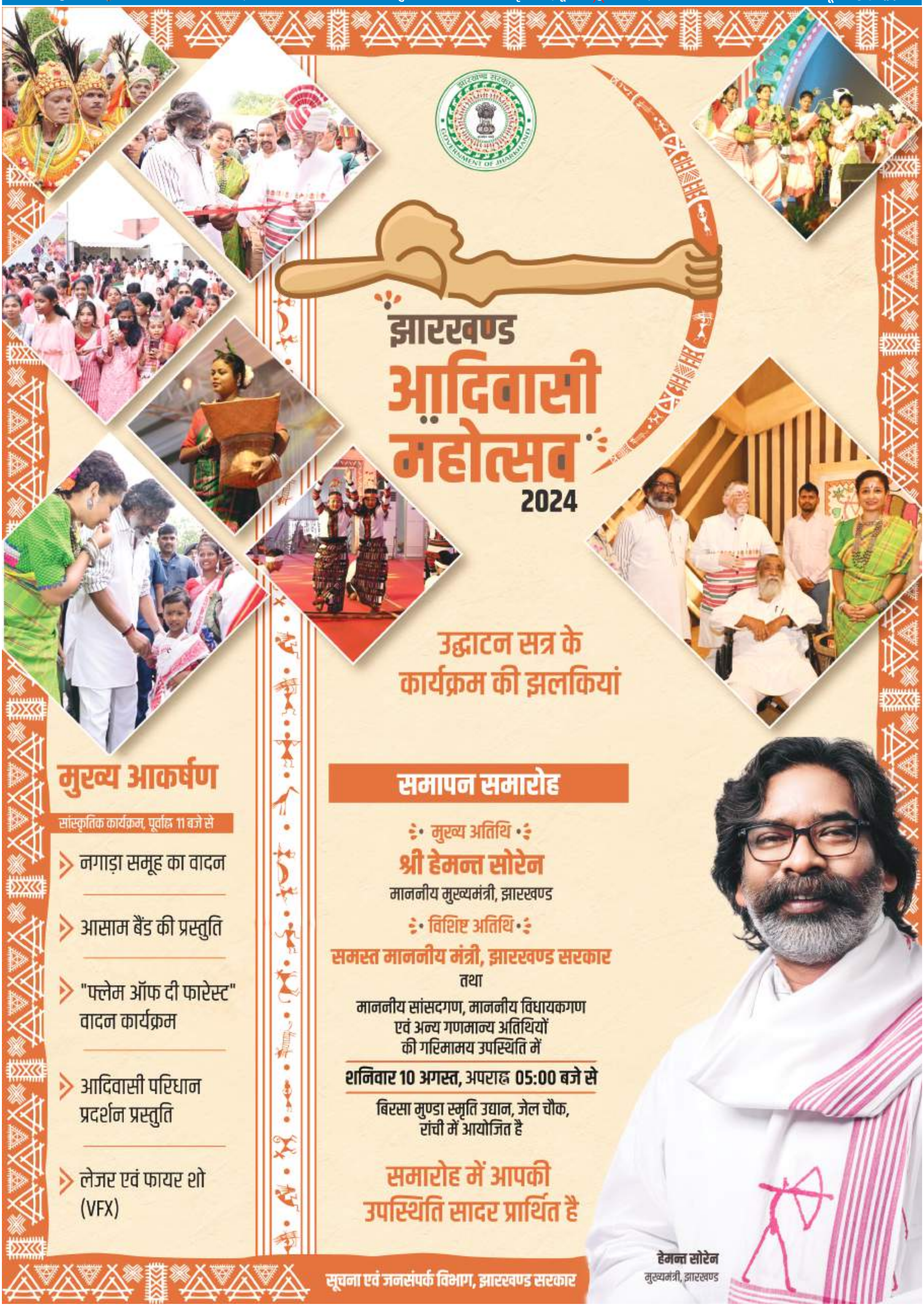

दो दिवसीय राज्यस्तरीय ग्रामीण व स्वदेशी जनजातीय खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन

गुलेल, पारंपरिक तीरंदाजी, सिखौर, गेड़ी दौड़, फुटबॉल, हॉकी प्रतियोगिताएं होंगी

फुटबॉल को किक मारकर प्रतियोगिता का उद्घाटन करते खेल निदेशक व अन्य.

खेल संवाददाता । रांची

झारखंड पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के तत्वावधान में शुक्रवार को दो दिवसीय झारखंड राज्य स्तरीय ग्रामीण तथा स्वदेशी जनजातीय खेलकूद प्रतियोगिता 2024 का बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम मोरहाबादी में उद्घाटन किया गया. उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि खेल निदेशक संदीप कुमार, विशिष्ट अतिथि झारखंड के आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा, संयुक्त निदेशक साझा के राज किशोर खाखा, विभागीय खेल उपनिदेशक मनीष कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन किया. इस दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में गुलेल, पारंपरिक तीरंदाजी, सिखौर, गेड़ी दौड़, फुटबॉल, हॉकी की प्रतियोगिता आयोजित की गई है.

इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी संदीप कुमार, रूपा रानी तिर्की, उपवन बाड़ा, मारकस हेमरोम, उमेश लोहरा एवं शिवेंद्र कुमार को प्रतीक चिह्न एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया. इस प्रतियोगिता को सफल संचालन में विभागीय प्रशिक्षक भरत कुमार शाह, गोपाल तिर्की, सुनील महली, अनमोल टोप्पो,काली चरण महतो, अंगद हंसराज,राजू साहू, हरीश कुमार, प्रेम पूर्ति, अख्तर हुसैन, बलराम,मोहन कुमार,जोलेन केरकेट्टा, संदीप उरांव, रेमंड मिंज, सुदीप कुजूर एवं कई गणमान्य प्रशिक्षक ने अहम भूमिका निभाई.

प्रतियोगिता में राज्यभर से आये खिलाड़ियों के साथ अतिथिगण.

भाजपा इसी माह करेगी आदिवासी सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा

ब्यूरो । रांची

झारखंड में अगस्त के आखिरी सप्ताह से विधानसभा चुनाव 2024 की तैयारी की रफ्तार तेज हो जाएगी. सत्ताधारी झामुमो-कांग्रेस, राजद सहित भाजपा ने अभी से ही चुनावी तैयारी शुरू कर दी है. चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी का दौरा बढ़ने लगेगा, तो कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के बारे में भी फैसला हो जाएगा. सत्ता पक्ष जहां नई-नई लोकलुभावन योजनाएं शुरू कर दो-तीन महीने में अपना वोट बैंक पुख्ता करने में जुटा है, वहीं विपक्षी पार्टी भाजपा सत्ता पक्ष की बखिया उधेड़ने में जुटी है. सत्ता पक्ष के साथ ही साथ भाजपा ने भी आदिवासी सुरक्षित सीटों पर फोकस कर रखा है.

दोनों पक्षों की चुनावी रणनीति के केंद्र में फिलहाल जनजातियों के लिए सुरक्षित 28 सीटें हैं. इसे देखते हुए भाजपा ने भी रणनीति तैयार की है. भाजपा इसा माह के अंत तक आदिवासी सीटों के लिए उम्मीदवारो की घोषणा कर सकती है. उधर सत्ता पक्ष में सीटों का बंटवारा होने के बाद ही प्रत्याशियों की घोषणा हो सकती है.

झामुमो लगातार ललकार रहा है भाजपा को

झारखंड मुक्ति मोर्चा भी तैयारी तेज करेगा. संगठान की मजबूती के लिए प्रखंड से लेकर जिला स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी के वरीय पदाधिकारी बैठक कर चुके हैं. उन बैठकों को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन वचुर्अल माध्यम से संबोधित भी करते रहे हैं. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कार्यकर्ताओं से चुनाव के लिए तैयार रहने का निर्देश भी दे चुके हैं. कार्यकर्ताओं को अपने संबोधन में कह चुके है कि भाजपा को कल चुनाव करना हो, तो आज ही करा ले. इस बार असलियत का पता चल जाएगा.

खास बातें

- अगस्त के आखिरी सप्ताह से चुनाव की तैयारी तेज होगी
- सभी राजनीतिक दल अपनी चुनावी रणनीति बनाने में जुटे

भाजपा जल्द कर सकती है उम्मीदवारों की घोषणा

भाजपा इस बार झारखंड को लेकर पूरी तरह से सीरियस है. सूत्रों के अनुसार चुनाव तिथि घोषित होने से पहले ही आदिवासी रिजर्व सीटों और कम अंतर से हारी हुई सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा कर सकती है .यह घोषणा इसी महीने के अंत में हो सकती है. भाजपा के टारगेट में 28 आरक्षित आदिवासी सीटें और 9 एससी सीटें है. इस बार भाजपा 28 में से आधी से अधिक सीटों पर जीत के लिए काम कर रही है. वही उत्तरी छोटानगपुर और पलामू प्रमडंल में भाजपा खुद को मजबूत मान रही है.

कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष बदले जाने की चर्चा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को बदलेंगे की बात भी कांग्रेस खेमे में उठी है. इस पर भी मंथन चल रहा है. दिल्ली में इसके लिए विचार- विमर्श चल रहा है. जानकारी के अनुसार कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव के सी वेणुगोपाल ने प्रदेश के 20 चुनिंदा नेताओं को दिल्ली बुलाया था. पार्टी के नेताओं से एक-एक कर मुलाकात की. केंद्रीय महासचिव से मिलने वाले कुछ ऐसे नेता भी थे, जो खुद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद के दावेदार हैं. कांग्रेस के नेता प्रदेश में आदिवासी चेहरा देने की भी मांग कर रहे हैं, तो कोई ओबीसी कार्ड खेलने का सुझाव दे रहा है.

14 अगस्त को बलिदान दिवस मनाएगा राष्ट्रीय पंजाबी महासंघ

रांची। देश विभाजन का दर्द सबसे ज्यादा पंजाबियों ने ही झेला है. इसलिए पंजाबियों की शीर्ष संस्था राष्ट्रीय पंजाबी महासंघ ने हर वर्ष 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने का निर्णय लिया है. यह जानकारी महासंघ के झारखंड शाखा के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी अरुण चावला ने दी. बताया कि विभाजन की नफरत और हिंसा के कारण लाखों परिवारों को विस्थापित होना पड़ा. विभाजन की विभीषिका की वजह से पंजाबी अपने ही देश में शरणार्थी बनकर भटकते रहे. महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश सेठ ने पंजाबी परिवार के कठिनतम संघर्ष व बलिदान की याद में 14 अगस्त को बलिदान दिवस के रूप में मनाने की अपील की है. उन्होंने देश भर के तमाम पंजाबी संस्थानों से शांतिपूर्वक बलिदान दिवस मनाते हुए शाम सात बजे एक मोमबत्ती या दीया जलाकर आदरांजलि देने की अपील की है.

कोर्ट की खबरें

आलमगीर आलम को झटका, कोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

संवाददाता । रांची

शुक्रवार को टेंडर घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक आलमगीर आलम की बेल पर रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई. कोर्ट ने आलमगीर की बेल खारिज कर दी है. इससे पहले बुधवार को बचाव पक्ष यानी आलमगीर आलम की ओर से बहस पूरी कर ली गई थी. इसके बाद शुक्रवार को ईडी की ओर से बहस की गई. बहस के दौरान विशेष लोक अभियोजक ने आलमगीर आलम को पूरे घोटाले का मास्टरमाइंड बताते हुए जमानत याचिका का पुरजोर विरोध किया था. दोनों पक्षों की बहस पूरी सुनने के बाद अदालत ने जमानत याचिका पर पहले फैसला सुरक्षित रख लिया है. लेकिन फिर बेल याचिका को खारिज कर दिया. बता दें कि आलमगीर आलम को ईडी ने पूछताछ के बाद 15 मई को गिरफ्तार किया था. वहीं ईडी इसी केस में राज्य के वरीय आईएएस अधिकारी मनीष रंजन से पूछताछ भी कर चुकी है. इस केस में आलमगीर आलम के ओएसडी रहे संजीव लाल और उसके सहयोगी जहांगीर आलम की भी गिरफ़्तारी हो चुकी है.

कमलेश से और चार दिन पूछताछ जारी रखेगी ईडी, कोर्ट ने दी अनुमति

रांची। पत्रकार से जमीन कारोबारी बने कमलेश कुमार की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद एजेंसी ने उसे कड़ी सुरक्षा के बीच रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ़ मनी लाउंड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में उसे पेश किया. इसके बाद एजेंसी की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने कोर्ट से यह आग्रह किया कि कमलेश से पूछताछ के लिए रिमांड अवधि को विस्तार दिया जाए, जिसके बाद कोर्ट ने ईडी को कमलेश को 4 दिनों तक रिमांड पर लेकर पूछताछ के लिए अनुमति दी है. बता दें कि लैंड स्कैम से जुड़े केस में ईडी ने पिछले महीने कमलेश के घर पर छापेमारी की थी. जिसमें उसके घर से एक करोड़ रुपये कैश और 100 कारतूस बरामद हुए थे.

सरकार ने निःशक्तता आयुक्त के पद के लिए 20 तक आवेदन मांगे

रांची। राज्य सरकार ने राज्य निःशक्तता आयुक्त के पद के लिए फिर से नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की है. इस पद के लिए 20 अगस्त तक आवेदन मंगाए गये हैं. इस पद के लिए पूर्व में भी विज्ञापन (पीआर नं 303322, 27-7-24) जारी किया गया था और आवेदन मंगाए गये थे. इसे निरस्त करते फिर से योग्य कैंडिडेट से आवेदन करने को कहा गया है. समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, झारखंड की ओर से इसके लिए विज्ञापन जारी किया गया है. इसके अनुसार, आयुक्त के पद पर नियुक्ति के लिए इच्छुक और योग्यता रखने वाले सरकारी सेवा में कार्यरत पदाधिकारी, रिटायर्ड अफसर एवं गैर सरकारी व्यक्ति भी आवेदन कर सकते हैं. जारी विज्ञापन के मुताबिक, राज्य निःशक्तता आयुक्त को पूर्णकालिक आधार पर तीन सालों की अवधि के लिए नियुक्त किया जायेगा. जरूरत पड़ने पर 1-1 साल की अवधि के लिए कुल दो बार अवधि विस्तार दिया जा सकता है. इस पद के लिए अधिकतम आयु 65 वर्ष की होनी चाहिये. आयुक्त पद के लिए कार्यरत सरकारी सेवक के मामले में नियुक्ति के समय उन्हें प्राप्त हो रहा वेतनमान ही देय होगा. रिटायर्ड अफसरों के मामले में राज्य सरकार द्वारा निर्धारित शर्तों के अनुसार गणना कर वेतनमान देय होगा. गैर सरकारी व्यक्ति के मामले में 60 हजार रुपये प्रतिमाह मिलेंगे. साथ ही सरकार द्वारा निर्धारित अन्य भत्ते भी उन्हें मिलेंगे.

कृषि मंत्री से मिले राजद नेता, किया आग्रह

किसानों को समय पर खाद और बीज उपलब्ध कराया जाए

संवाददाता । रांची

प्रदेश राजद ने राज्य सरकार द्वारा किसानों के दो लाख रुपये तक के ऋण माफ करने के फैसले का स्वागत किया है. प्रदेश राजद अध्यक्ष संजय सिंह यादव व महासचिव कैलाश यादव के नेतृत्व में राजद नेताओं ने कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से उनके धुर्वा स्थित सरकारी आवास पर मुलाकात कर बधाई दी. साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों, डेयरी और मछलीपालन करनेवालों की सब्सिडी के संबंध में बातचीत की. कृषि मंत्री को बताया गया कि फसल से पूर्व सही समय पर किसानों को खाद -बीज का वितरण किया जाना चाहिए, ताकि समय से रोपनी का काम पूर्ण हो जाए. किसानों को हर हाल में समय पर खाद-बीच उपलब्ध कराने को कहा गया.

प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने बताया कि पूर्व में सरकार द्वारा महज 50 हजार रु ऋण माफी की योजना थी, लेकिन जब दीपिका पांडेय सिंह ने कृषि मंत्री का पदभार संभाला, तो उन्होंने पहला फैसला राज्य के किसानों का दो लाख रु तक ऋण माफी का लिया था. उनके इस फैसले से लगभग 4.75 लाख किसानों को लाभ मिलेगा. कृषि मंत्री ने निश्चिच तौर पर ऐतिहासिक काम किया है.यादव ने कहा कि कृषि मंत्री को बताया गया कि फसल से पूर्व सही समय पर किसानों को खाद -बीज का वितरण किया जाना चाहिए, ताकि समय से रोपनी का काम पूर्ण हो जाए. पर मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने आश्वस्त किया कि निश्चित रूप से ऐसा हीं होगा और अब शिकायत का मौका नहीं मिलेगा .प्रतिनिधिमंडल में रामकुमार यादव, शब्बर फातमी, चंद्रशेखर भगत, महादेव ठाकुर, उमेश निषाद भी शामिल थे.

कृषि मंत्री से मिलते राजद अध्यक्ष संजय यादव, कैलाश यादव व अन्य.

कल्याण मंत्री दीपक बिरुआ ने राज्यपाल से भेंट की

अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री दीपक बिरुआ ने शुक्रवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राजभवन में मुलाकात की. राज्यपाल को उन्होंने बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान, रांची में "विश्व आदिवासी दिवस" के अवसर पर आयोजित झारखंड आदिवासी महोत्सव 2024 समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया. मौके पर विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे.

कार्रवाई | अमन साहू गिरोह के अपराधी के पास से मोबाइल बरामद

सिमडेगा जेल में एटीएस की छापेमारी

संवाददाता । रांची

झारखंड एटीएस ने सिमडेगा जेल में गुरुवार को छापेमारी कर जेल में बंद अमन साहू गिरोह के अपराधी आकाश राय उर्फ मोनू के पास से मोबाइल और सिम कार्ड बरामद किया. एटीएस को सूचना मिली थी कि अपराधी जेल में रहते हुए मोबाइल का उपयोग कर जेल से ही आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिला रहे हैं. इस खबर के बाद एटीएस एसपी ऋषभ कुमार झा ने सिमडेगा पुलिस की मदद से जेल में करीब पांच घंटे तक छापेमारी की. इसके बाद एक निर्माणाधीन बैरक के पास से मेटल डिटेक्टर की मदद से जमीन के नीचे छुपा कर रखा गया एक स्मार्ट फोन बरामद किया.

साल 2021 में आकाश राय हुआ था गिरफ्तार

पुलिस ने साल 2021 में अवैध हथियारों के साथ आकाश राय को गिरफ्तार किया था. तब से ही वह जेल में बंद है. लेकिन जेल से ही वर्चस्व कायम रखे हुए है. पिछले दो सालों से वह सिमडेगा जेल में बंद है. जेल कर्मियों की मिलीभगत से आकाश राय जेल में मोबाइल उपलब्ध करवा लेता है और फिर उसी से कारोबारियों को धमकी देता है. इसके बाद अपने गुर्गों को आपराधिक कांडों को अंजाम देने का निर्देश देता है.

गढ़वा और छत्तीसगढ़ में जेल से कराया कांड

जानकारी के मुताबिक जेल से जो मोबाइल बरामद हुआ है, उसी के माध्यम से आकाश राय अपने बॉस गैंगस्टर अमन साव और कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई से संपर्क करता था. आकाश राय के कहने पर ही गढ़वा और छत्तीसगढ़ में गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया था. एटीएस की टीम अब आकाश राय के मोबाइल का कॉल डिटेल्स खंगाल रही है. आकाश के मोबाइल में कई तरह के चौंकाने वाली जानकारियां भी मिली हैं, जो एटीएस की जांच की दिशा को और बेहतर करेगी.

क्लासिफाइड

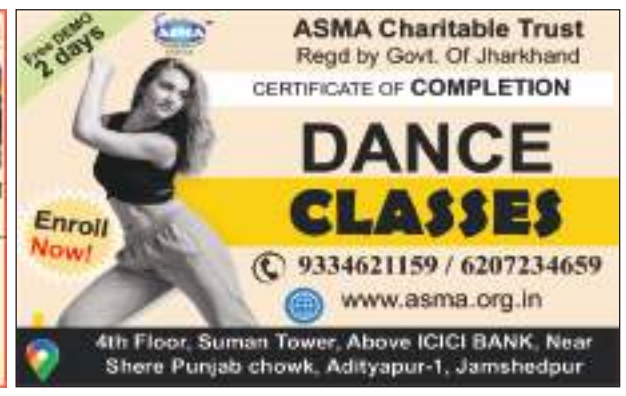

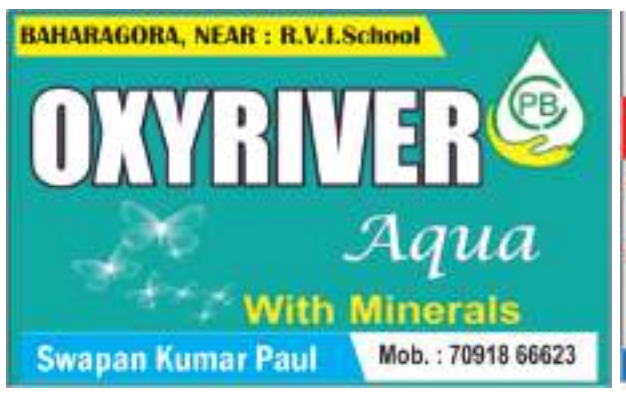

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.9	26.3
जमशेदपुर	34.3	24.7
डालटनगंज	32.0	26.0

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शनिवार 10 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 06 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 3 ● वर्ष : 2, अंक : 123 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

आदिवासी समाज को आगे बढ़ाने के लिए सभी को मिल कर प्रयास करना होगा

हमें विरासत में मिला है संघर्ष: मुख्यमंत्री

रांची के बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान में दो दिवसीय आदिवासी महोत्सव का रंगारंग शुभारंभ, उमड़ी भारी भीड़

राज्यपाल संतोष गंगवार, सांसद शिबू सोरेन व सीएम हेमंत ने किया उद्घाटन, कल्पना भी रहीं मौजूद

प्रवीण कुमार। रांची

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान, रांची में दो दिवसीय झारखंड आदिवासी महोत्सव- 2024 का शुक्रवार को भव्य शुभारंभ हुआ. उद्घाटन समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्य अतिथि एवं राज्य समन्वय समिति के अध्यक्ष - सह- राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन, विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे. कार्यक्रमकी अध्यक्षता कर रहे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर राज्य में तीसरी बार झारखंड आदिवासी महोत्सव का भव्य आयोजन हो रहा है. यह सिर्फ एक महोत्सव मात्र नहीं है, बल्कि यह अपनी प्राचीन और समृद्ध जनजातीय सभ्यता-संस्कृति और विरासत को संजोने, संवारने और देश -दुनिया में पहचान दिलाने का एक प्रयास है. मुख्यमंत्री ने कहा कि आज राज्यभर में हर्ष, उल्लास और उत्साह के साथ आदिवासी दिवस मनाया जा रहा है. इस अवसर पर आयोजित हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए आदिवासी अपनी सभ्यता और संस्कृति की चमक बिखेर रहे हैं. उन्होंने कहा कि आदिवासी महोत्सव आदिवासी जीवन दर्शन और कला-संस्कृति को अलग पहचान देने का एक बड़ा माध्यम बनता जा रहा है. यहां आयोजित हो रहे आदिवासी महोत्सव में हमें आदिवासियों की कला -संस्कृति, परंपरा, गीत- नृत्य और उनकी वेशभूषा से रूबरू होने का मौका मिल रहा है.

आदिवासी महोत्सव समारोह में राज्यपाल, सांसद शिबू सोरेन और मुख्यमंत्री मंच पर. फोटो- रमीज

जनजातीय सभ्यता सबसे प्राचीन सभ्यता

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय सभ्यता दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यता है. आदि काल से ही आदिवासियों की सभ्यता -संस्कृति और परंपरा काफी समृद्ध रही है. दुनिया में अलग-अलग हिस्सों में आदिवासी समुदाय वास करते हैं, लेकिन उनके सभ्यता -संस्कृति में कहीं न कहीं एकरूपता देखने को मिलती रहती है. जनजातीय कला- संस्कृति और परंपरा को सुरक्षित करने के साथ समृद्ध करने की जरूरत है, ताकि आने वाली पीढ़ी के लिए एक प्रेरणास्रोत हमेशा बना रहे. मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के आदिवासियों को विरासत में संघर्ष मिला है. यहां के आदिवासियों ने अपनी सभ्यता- संस्कृति और मान-सम्मान के साथ कभी समझौता नहीं किया. जल- जंगल -जमीन की रक्षा की खातिर लंबा संघर्ष किया. हमें गर्व है अपने उन वीरों पर, जिन्होंने अन्याय, शोषण एवं देश-राज्य के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया.

वीरों और शहीदों की धरती रही है झारखंड

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड सदियों से वीरों और शहीदों की धरती रही है. चाहे आजादी के पहले की बात हो या आजादी के बाद अथवा अलग राज्य के लिए चली लंबी लड़ाई. बिरसा मुंडा, सिदो कान्हू, भैरव- चांद, फूलो झानो, नीलाम्बर पीताम्बर, तिलका मांझी, शेख भिखारी, बुधु भगत, टाना भगत, निर्मल महतो और विनोद बिहारी महतो जैसे अनेक वीर हुए हैं, जिन्होंने अन्याय -शोषण, आदिवासी-मूलवासी के हक-अधिकार, और जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए अपनी कुर्बानी दे दी. अपने इन वीर शहीदों को नमन है. मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासियों को बहुत संघर्ष के बाद मुकाम हासिल होता है. इसके लिए उन्हें एक लम्बी लड़ाई लड़नी होती है. ऐसे में आदिवासी समाज कैसे आगे बढ़े, इसके लिए सरकार तो प्रयास कर ही रही है. आपको भी अपनी भूमिका निभानी होगी. आप आगे बढ़ें, सरकार आपके साथ है.

12 पुस्तकों का विमोचन, 257 लोगों को मिला वन पट्टा

इस महोत्सव में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, अध्यक्ष राज समन्वय समिति शिबू सोरेन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और मंच पर मौजूद अन्य गणमान्यों ने डॉ. राम दयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान द्वारा प्रकाशित 12 पुस्तकों का विमोचन किया. वहीं, 257 हीं लोगों के बीच 73 हज़ार 5 सौ 83 एकड़ सामुदायिक वन पट्टा का वितरण किया गया. इस महोत्सव में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री दीपक बिरुआ, राज्य सभा सांसद महुआ माजी, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक राजेश कच्छप, मुख्य सचिव एल. खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता, राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के सचिव कृपानंद झा एवं आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा सहित कई वरीय अधिकारी एवं गणमान्य मौजूद रहे.

झारखंड में पेसा कानून शीघ्र लागू करे सरकार : राज्यपाल

ब्यूरो। रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राज्य में पेसा नियमावली नहीं बनाये जाने पर चिंता जताते हुए कहा कि जनजातीय समुदाय की पारंपरिक शासन व्यवस्था को राज्य में लागू करना जरूरी है. वर्तमान में देश में झारखंड ही एक मात्र ऐसा राज्य है, जहां पेसा कानून लागू नहीं है. मैं मुख्यमंत्री से अनुरोध करता हूं कि वे शीघ्र इस कानून को राज्य में लागू करायें. उन्होंने कहा कि झारखंड में आदिवासी समुदाय की आबादी लगभग 27 प्रतिशत है. यहां 32 अनुसूचित जनजातियां रहती हैं. जनजाति समाज हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा है. जिन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान और संस्कृति के माध्यम से हमारे देश की विविधता को और भी समृद्ध किया है. हालांकि, आज भी हमारे आदिवासी समुदाय को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों पर हमें और अधिक काम करने की आवश्यकता है. हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ लोगों को मिले. वे शुक्रवार को झारखंड आदिवासी महोत्सव-2024 के उद्घाटन के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे.

आदिवासी समुदाय की संस्कृति को संरक्षित करने का संकल्प लें

राज्यपाल ने कहा कि हमें आदिवासी समुदाय की संस्कृति पर गर्व होना चाहिए और इसे संरक्षित रखने का संकल्प लेना चाहिए. मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि आदिवासी समाज में दहेज-प्रथा जैसी

- शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के मुद्दों पर राज्य में काम करने की जरूरत

कुरीतियां नहीं हैं, लेकिन डायन-प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियां आज भी मौजूद हैं, जिसे जागरूक होकर हम सबको दूर करना होगा. सरकार छात्रवृत्ति योजनाएं चला रही हैं. हमारे छात्रों को समय पर छात्रवृत्ति का लाभ मिले, यह सुनिश्चित करना जरूरी है. उन्होंने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा केवल झारखंड के ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं. उन्होंने अल्पायु में ही इतिहास रच दिया और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया. मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट करता हूं, जिन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को पूरे देश में "जनजातीय गौरव दिवस" के रूप में मनाने का निर्णय लिया.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	65,800
चांदी (किलो)	84,000

ब्रीफ खबरें

मालगाड़ी फिर बेपटरी हुई, कोई हताहत नहीं

गुवाहाटी/कटिहार। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में कुमेदपुर रेलवे स्टेशन के पास एक मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतर गए.पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बताया कि घटना पूर्वाह्न करीब 10:45 बजे हुई. मालगाड़ी के कुल पांच डिब्बे पटरी से उतर गए, और किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है.

अब बैंक खाते में दर्ज करा सकेंगे चार नॉमिनी

नयी दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को लोकसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) बिल, 2024 पेश किया. इसमें प्रावधान है कि हरेक बैंक खाताधारक एक खाते के लिए चार नॉमिनी तक दर्ज करा सकेगा. अभी तक एक ही नॉमिनी होता था. अगर यह बिल संसद से पारित होता है, तो अब नॉमिनी को बढ़ा कर चार तक किया जा सकेगा.

बड़े फैसलों का दिन: सुप्रीम कोर्ट ने एक ही दिन दिए तीन बड़े आदेश

मनीष सिसोदिया को सशर्त मिली जमानत, जेल से निकले बाहर

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को आबकारी नीति से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया को रिहा करने का आदेश जारी कर दिया. विशेष जज कावेरी बावेजा ने सिसोदिया के अधिवक्ताओं की ओर से मुचलकों और जमानत राशियों के भुगतान को स्वीकार करते हुए यह आदेश दिया. देर शाम सिसोदिया जेल से बाहर आ गए. आम आदमी पार्टी के नेताओं -कार्यकर्ताओं ने सिसोदिया का जोरदार स्वागत किया. इससे पूर्व कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट से शुक्रवार को जमानत दे दी गई. सिसोदिया 17 महीने से तिहाड़ जेल में बंद थे. कथित शराब घोटाले में ट्रायल शुरू होने में हुई देरी को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई और ईडी दोनों मामलों में जमानत दे दी है. इसके बाद आम आदमी पार्टी ने जश्न मनाना शुरू कर दिया है और कहा कि सत्य की जीत हुई है. सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बीआर गवई और

- 10 लाख का मुचलका, हफ्ते में दो दिन थाने में हाजिरी, इन शर्तों पर मिली जमानत

जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने सिसोदिया की जमानत याचिका पर 6 अगस्त को फैसला सुरक्षित रख लिया था. शुक्रवार को इस पर फैसला देते हुए जस्टिस गवई ने कहा कि 17 महीने की लंबी कैद और मुकदमा शुरू न होने के कारण उन्हें सुनवाई के अधिकार से वंचित किया गया है. सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि 400 से ज्यादा गवाहों को देखते हुए जल्द ही इसका ट्रायल पूरा होने की संभावना भी नहीं दिखती.

इन शर्तों पर मिली है जमानत : मनीष सिसोदिया को जमानत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वो समाज के सम्मानित व्यक्ति हैं और उनके भागने की आशंका भी नहीं है. -शेष पेज 11 पर

नहीं टलेगी नीट यूजी की परीक्षा

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 11 अगस्त को होने वाली नीट-पीजी परीक्षा को स्थगित करने की मांग से संबंधित याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी. इसमें दावा किया गया था कि अभ्यर्थियों को ऐसे शहर आवंटित किए गए हैं, जहां पहुंचना उनके लिए बेहद असुविधाजनक है. चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि वह पांच छात्रों के लिए दो लाख छात्रों के करियर को खतरे में नहीं डाल सकते. पीठ ने कहा, हम ऐसी परीक्षा को कैसे स्थगित कर सकते हैं. संजय हेगड़े, आजकल लोग बस परीक्षा स्थगित करने के लिए कहते हैं. यह एक आदर्श दुनिया नहीं है. हम अकादमिक विशेषज्ञ नहीं हैं. याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने कहा कि नीट-पीजी को पुनर्निर्धारित करने की आवश्यकता है, क्योंकि एक परीक्षा सुबह और एक दोपहर बाद होनी है. याचिका में कहा गया कि अनेक अभ्यर्थियों को ऐसे शहर आवंटित किए गए हैं, जहां पहुंचना उनके लिए बेहद असुविधाजनक है.

हिजाब पर ही बैन क्यों? तिलक और बिंदी पर भी क्यों न लगे...

एजेंसी। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण आदेश में मुंबई के एक कॉलेज द्वारा जारी सर्कुलर पर रोक लगा दी, जिसमें कॉलेज परिसर में हिजाब, नकाब, बुर्का, टोपी पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया गया था. न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने इस आदेश पर सवाल उठाया और धार्मिक प्रतीकों पर चुनिंदा प्रतिबंध लगाने के कॉलेज के निर्णय की आलोचना की. लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने कॉलेज के इस निर्देश पर सवाल उठाते हुए पूछा कि यदि इरादा एक समान ड्रेस कोड लागू करने का था, तो केवल हिजाब, नकाब और बुर्का जैसे इस्लामी परिधानों पर ही प्रतिबंध क्यों लगाया गया? जस्टिस संजय कुमार ने यह भी पूछा कि यदि कॉलेज वास्तव में एक निष्पक्ष और समान नीति लागू करना चाहता था तो क्या तिलक और बिंदी जैसे अन्य धार्मिक चिह्नों पर भी प्रतिबंध नहीं लगाया जाना चाहिए था?

क्या है मामला : यह मामला उस समय सामने आया जब विज्ञान डिग्री के दूसरे और तीसरे वर्ष की नौ

- सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई के एक कॉलेज के आदेश पर जताया कड़ा एतराज

छात्राओं ने कॉलेज के इस निर्देश को चुनौती दी. उन्होंने इसेअपने मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के रूप में देखा, जिसमें धर्म का पालन करने का अधिकार, निजता का अधिकार और पसंद का अधिकार शामिल है. छात्राओं का तर्क था कि कॉलेज का यह निर्णय न केवल संविधान द्वारा प्रदत्त उनके अधिकारों का हनन करता है, बल्कि उनकी धार्मिक स्वतंत्रता पर भी अंकुश लगाता है. इससे पहले, बॉम्बे हाईकोर्ट ने कॉलेज के इस प्रतिबंध के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था. लेकिन सुप्रीम कोर्ट नेइस फैसलेको चुनौती देनेवाली याचिका पर सुनवाई करते हुए कॉलेज के सर्कुलर पर रोक लगा दी. -शेष पेज 11 पर

बांग्लादेश में हिंदुओं के हालात पर एक्शन

शाह ने बनाई कमेटी

एजेंसी। नयी दिल्ली

बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर शुरू हुए बवाल ने प्रधानमंत्री शेख हसीना से उनकी कुर्सी छीन ली. इसके बाद से ही बांग्लादेश में हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं. बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों (हिंदू, ईसाई समेत अन्य) के खिलाफ हिंसा भड़क गई है. इस मामले पर अब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के निर्देश पर एक कमेटी का गठन किया गया है. ये कमेटी बांग्लादेश में हिंदुओं समेत अन्य अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार और मौजूदा हालात का जायजा लेगी. इसके साथ ही गृहमंत्री अमित शाह बांग्लादेश सरकार के साथ बातचीत करके वहां के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और उनकी संपत्ति का संरक्षण सुनिश्चित कराएंगे. इस समिति में विभिन्न विशेषज्ञ, सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधि और कूटनीतिक अधिकारी शामिल हैं, जो बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर काम करेंगे.समिति का मुख्य उद्देश्य बांग्लादेश में हिंदू समुदाय की स्थिति का विश्लेषण करना, उनके सामने आने वाली चुनौतियों की पहचान करना और उनकी सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाना है.

-शेष पेज 11 पर

बांग्लादेश सरकार से वन टू वन बातचीत करेगी सरकार

इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्रालय बांग्लादेश में रह रहे भारतीय हिंदू समुदाय और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए वहां की अंतरिम सरकार से वन टू वन बातचीत करेगी. साथ ही गृह मंत्रालय की ये कमेटी

भारत-बांग्लादेश के बॉर्डर पर हालात का भी नजर बनाए रखेगी. गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ''एक्स'' पर पोस्ट करते हुए लिखा, बांग्लादेश में जारी हालात के मद्देनजर मोदी सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर मौजूदा हालात पर नजर रखने के लिए एक समिति गठित की है. ये समिति बांग्लादेश में अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ संवाद बनाए रखेगी, जिससे वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके. इस समिति की अध्यक्षता एडीजी, सीमा सुरक्षा बल, पूर्वी कमान करेंगे.

बढ़ी तकरार सभापति जगदीप धनकड़ से आर-पार के मूड में पूरा विपक्ष, पक्षपात का लगाया आरोप

पद से हटाने के लिए आ सकता है महाभियोग प्रस्ताव

एजेंसी। नयी दिल्ली

संपूर्ण विपक्ष राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अनुच्छेद 67 के तहत महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है. राज्यसभा में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने सभापति जगदीप धनखड़ की टोन पर सवाल उठाए.

सभापति जगदीप धनखड़ भड़के और उन्हें मर्यादित आचरण की नसीहत दे डाली. इसके बाद विपक्षी सदस्यों ने दादागीरी नहीं चलेगी के नारे लगाते हुए वॉकआउट कर दिया. राज्यसभा में विपक्ष के आचरण को अमर्यादित बताते हुए जेपी नड्डा द्वारा लाया गया निंदा प्रस्ताव भी पारित हुआ. हंगामे और

निंदा प्रस्ताव के बाद राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई.

क्या कहता है अनुच्छेद 67? : अनुच्छेद 67 (बी) कहता है कि उपराष्ट्रपति को राज्यसभा के सभी तत्कालीन सदस्यों के बहुमत द्वारा पारित और लोकसभा द्वारा सहमत एक प्रस्ताव द्वारा उनके कार्यालय से हटाया जा सकता है. इसके लिए 14 दिन का नोटिस दिया जाना चाहिए. -शेष पेज 11 पर

कहां से शुरू हुआ विवाद

दरअसल राज्यसभा में शून्यकाल की कार्यवाही पूरी होने के बाद प्रश्नकाल शुरू होने से पहले विपक्ष ने मल्लिकार्जुन खरगे को लेकर घनश्याम तिवाड़ी की ओर से की गई टिप्पणी का मुद्दा उठा दिया. कांग्रेस के जयराम रमेश ने कहा कि कुछ आपत्तिजनक बातें कही गई थीं. इस पर आपने कहा था कि रूलिंग देंगे. उन्होंने सवाल किया कि वह रूलिंग क्या है? इसके जवाब में सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे और घनश्याम तिवाड़ी, दोनों ही मेरे चैंबर में आए थे. एक-एक चीज पर नजर डाली गई.

जयराम रमेश ने उठाई माफी की मांग

उन्होंने कहा कि घनश्याम तिवाड़ी ने कहा था कि अगर कुछ भी आपत्तिजनक हो तो मैं सदन में माफी मांगने के लिए तैयार हूं. खरगे जी भी इस पर सहमत थे कि कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है, उस समय समझ नहीं आया. उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे की प्रशंसा में घनश्याम तिवाड़ी ने श्रेष्ठतम बातें कही थीं. कुछ भी आपत्तिजनक नहीं था. इस पर मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यह बातें सदन को भी जाननी चाहिए. सभापति ने कहा कि घनश्याम तिवाड़ी ने संसदीय भाषा में अपनी बातें कहीं. जयराम रमेश ने माफी मांगने की मांग की. इस पर सभापति ने कहा कि प्रशंसा के लिए कोई माफी नहीं मांगता. वे माफी नहीं मांगेंगे. प्रमोद तिवारी ने कहा कि जो शब्द कहे थे, वह दोहराना नहीं चाहता. जो टोन थी, वह विपक्ष के नेता के लिए ठीक नहीं थी. जयराम रमेश ने कहा कि परिवारवाद का आरोप था, परिवारवाद की बात थी.

शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के अंतिम दिन सौंपनी है रिपोर्ट

वक्फ बिल पर जेपीसी गठित, 31 सदस्य नामित

एजेंसी। नयी दिल्ली

संसद ने वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार करने के लिए दोनों सदनों की संयुक्त समिति (जेपीसी) के गठन की खातिर लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्यों को नामित करने के प्रस्ताव को शुक्रवार को मंजूरी दे दी.

इस जेपीसी में लोस से जिन 21 सदस्यों को शामिल किया गया है. उनमें भाजपा के 8 व कांग्रेस के 3 सांसद शामिल हैं. रास से शामिल सदस्यों में से 4 भाजपा के व 1-1 सदस्य कांग्रेस, टीएमसी, द्रमुक, वाईएसआर कांग्रेस व आम आदमी पार्टी के हैं. एक मनोनीत सदस्य को भी समिति में रखा गया है. इस प्रकार इस समिति के कुल सदस्यों की संख्या 31 हो गई.

संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने सदन में यह प्रस्ताव रखा जिसे ध्वनिमत से मंजूरी दे

- संसद की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित की गई

दी गई. समिति को शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के अंतिम दिन तक रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है. सरकार ने वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन बिल गुरुवार को लोकसभा में पेश किया था जिसे सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक एवं चर्चा के बाद जेपीसी के पास भेजने का फैसला हुआ था. रिजीजू ने सदन में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया और विभिन्न दलों की मांग के अनुसार विधेयक को संसद की संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का प्रस्ताव किया था. इस बीच, शुक्रवार को लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई.

ये हैं समिति में शामिल

लोकसभा सदस्यों में भाजपा से जगदंबिका पाल, निशिकांत दुबे, तेजस्वी सूर्या, अपराजिता सारंगी, संजय जायसवाल, दिलीप सैकिया, अभिजीत गंगोपाध्याय और डीके अरुणा को इस समिति में शामिल किया गया है, जबकि कांग्रेस से गौरव गोगाई, इमरान मसूद और मोहम्मद जावेद को इसका सदस्य बनाया गया है. सपा के सदस्य मौलाना मोहिबुल्ला नदवी, टीएमसी के कल्याण बनर्जी, द्रमुक के ए. राजा, तेदेपा के लावू श्रीकृष्णा, जदयू के दिलेश्वर कामत, शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत, एनसीपी (एसपी) के सुरेश गोपीनाथ महत्रे, शिवसेना के नरेश गणपत म्हास्के, लोजपा (आर) के अरुण भारती और एआईएमआईएम के असदुद्दीन औवैसी भी इस समिति में शामिल हैं. - शेष पेज 11 पर

दामोदर नदी में बह गए वनरक्षी

अंतिम संस्कार में शामिल होने गए थे नारायण महतो

खास बातें

- बागड़ा स्थित दामोदर नदी में हादसा
- अंधेरा होने के कारण खोजबीन बंद

संवाददाता । महुदा

महुदा थाना क्षेत्र के बागड़ा स्थित दामोदर नदी में शुक्रवार संध्या शव का अंतिम संस्कार के दौरान नहाने के क्रम में चरकीटांड़ निवासी सह वनरक्षी नारायण महतो तेज धार में बह गए. मौके पर मौजूद लोगों ने नदी में जाकर काफी खोजबीन की. परन्तु कहीं उनका पता नहीं चला. रात होने के कारण लोगों ने खोजबीन बंद कर दी. जानकारी के अनुसार नारायण महतो अपने ही गांव के एक दाह संस्कार में दामोदर नदी के बागड़ा स्थित शमशान घाट में गए हुए थे. इसी दौरान नहाने के क्रम में वे नदी के तेज बहाव में बह गए. उन्हें बहता देख कई ग्रामीणों ने भी उनके पीछे छलांग लगाई और उन्हें बचाने की भरपूर कोशिश की, परन्तु बहाव इतनी तेज थी कि कोई भी ग्रामीण उन तक नहीं पहुँच पाया. घटना की सूचना पाकर जिला फोरेस्ट विभाग की टीम एवं महुदा थाना प्रभारी धीरज कुमार नदी किनारे पहुंचे एवं घटनास्थल का जायजा लिया. नारायण महतो डीएफओ कार्यालय में कार्यरत थे, वह पिछले वर्ष ही विवाह बंधन में बंधे थे. एक माह एक पुत्री है और नारायण अपने माता पिता का इकलौता पुत्र है.

लोगों को यहां से शिफ्ट करने की कवायद में जुटे जमसं महामंत्री सिद्धार्थ

अग्नि व भू धंसान प्रभावित गोधर छह नंबर का दौरा

संवाददाता । केंदुआ

जमसं के महामंत्री सिद्धार्थ गौतम ने शुक्रवार को अग्नि व भू धंसान प्रभावित गोधर छह नंबर का दौराकर स्थिति का जायजा लिया. उन्होंने भू धसान से बने गोफ का भी निरीक्षण किया. गोफ स्थल के निकटवर्ती व प्रभावित घरों को देखने गए. बताते चलें कि गोधर छह नम्बर में करीब 125 घर गोफ से निकल रहे जहरीली गैस से प्रभवित है. महामंत्री ने प्रभावित परिवारों को आश्वस्त किया कि जल्द ही प्रभावित परिवार को सुरक्षित स्थन पर शिफ्ट कराने का प्रयास किया जाएगा. गोधर 6 नंबर मे लगातार भू धसान की घटना हो रही है. इधर लगातार वर्षा से दुर्धटना की आशंका बढ़ गयी है. बीसीसीएल ने गोधर को डेंजर जोन घोषित कर रखा है लेकिन इन जगहों पर रहनेवालों को अन्यत्र सुरक्षित जगह पर शिफ्ट करने के लिए कोई भी योजना पर काम शुरू नहीं की गई है. है।भू धंसान से लोग दहशतजदा हैं. ग्रामीणों का कहना था कि करीब 50 वर्षों से परिवार समेत रह कर जीवन गुजार रहे हैं. लगातार भू धंसान से जीवन संकट में फंस गया है. बीसीसीएल या जिला प्रशासन कोई भी कारगर कदम नहीं उठा रहा.मौके पर संजय पासवान, नगीना पासवान, राम पासवान सनोज पासवान, अजय कुमार नोनिया, दिनेश धारी, प्रिया झा, उषा देवी, शिल्पी घोष ,बिलनी देवी, सोनी खातून, रोशनी खातून, अनीता देवी, अंजली देवी, उमेश पासवान, सुरेश पासवान ,सुधीर पासवान, सावन चौधरी, टिंकू यादव, मनोज पासवान, छोटेलाल पासवान, सुभाष पासवान ,सुनील चौहान, अरुण चौबे ,पवन पासवान आदि मौजूद थे.

बीसीसीएल : प्रतिदिन उत्पादन रिपोर्ट

एरिया		कोल		ट्रांसपोर्ट	
बरोरा	-	15,001	टन	11,255	टन
ब्लॉक-2	-	14,509	-	15,318	-
गोविंदपुर	-	1,522	-	4,120	-
कतरास	-	6,500	-	6,793	-
सिजुवा	-	10,013	-	7,837	-
कुसुंडा	-	12,005	-	6,448	-
पंजाब	-	522	-	0	-
बस्ताकोला	-	10,016	-	7,560	-
लोदना	-	14,015	-	12,605	-
ईजे	-	6,510	-	0	-
सीवी	-	1,440	-	0	-
डब्ल्यू जे	-	1,000	-	0	-
कुल		93,053		71,936	

कॉरपोरेट घराने देश को बना रहे गुलाम : अरूप

- मासस कार्यालय में क्रांति दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन

संवाददाता । निरसा

मासस की ओर से 9 अगस्त को मासस कार्यालय में क्रांति दिवस मनाया गया. प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित शहीद भगत सिंह व सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया. तत्पश्चात मासस कार्यालय में 9 अगस्त क्रांति दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया. इस दौरान पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई. गोष्ठी को संबोधित करते हुए मासस के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व विधायक अरुप चटर्जी ने कहा कि 9 अगस्त 1942 को पूरे देश में नारा दिया गया था कि अंग्रेजों भारत छोड़ो और करो या मरो का, जो कि आजादी की लड़ाई में मील पत्थर साबित हुआ. उन्होंने कहा कि पूंजीवादी, साम्राज्यवाद तथा कॉरपोरेट घरानों की तिकड़ी से लड़ने के लिए देश में वामपंथी शक्तियों की एकता बहुत ही जरूरी है. उन्होंने कहा कि आज देश फासीवाद की तरफ बढ़ रहा है. कॉरपोरेट घराने देश को चला रहे हैं. सार्वजनिक संस्थाओं को औने-पौने दाम पर बेचा जा रहा है. एक समय ईस्ट इंडिया कंपनी ने देश को गुलाम बना दिया था, आज कॉरपोरेट घराने देश को गुलाम बना रहे हैं. हमें शोषण मुक्त समाज तथा फासीवाद के खिलाफ दूसरी आजादी की लड़ाई लड़ने की जरूरत है. चटर्जी ने कहा कि 9 सितंबर को गोल्फ ग्राउंड धनबाद में मासस और भाकपा माले की संयुक्त सभा होगी. जिसमें पर पूरे राज्य से करीब 50000 हजार लोग भाग लेंगे. विचार गोष्ठी को आगम राम, वृंदा पासवान, बदलचंद्र बाउरी, टुटून मुखर्जी, पवन महतो, सुभाष चटर्जी, राणा चतराज, सुभाष सिंह, रामजी यादव, गोपाल दास, विजय कुमार पासवान, मनोज रावत, इत्यादि ने संबोधित किया. संचालन मुमताज अंसारी ने किया. मौके पर अमरेश चक्रवर्ती, निरंजन गोराई, सतीश बाउरी, लालू ओझा, मनोज सिंह, दिनेश सिंह, मनीशंकर सेन, बंसी सिंह, पवन सिंह, बपिन घोष, चीनू घोष, शिवानी दास, अंजू चटर्जी, आशा कुंभकार, जमुना दास, हरे राम, मदन डे सपन गोराई, भीम गोराई, राजेंद्र यादव, संजय बाउरी, श्यामल दास, गणेश बाउरी, सुरेश दास, अमल खान, नूर मोहम्मद, कृष्ण रजक, कार्तिक मंडल, प्रभास महतो आदि उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

स्टेशनों पर अनारक्षित टिकट अब यूटीएस एप्लीकेशन पर

धनबाद. धनबाद रेल मंडल के सभी स्टेशनों पर अब अनारक्षित रेलवे टिकटउपलब्ध होंगे. इस सुविधा के जरिए यूटीएस मोबाइल एप्लीकेशन डाउनोड कर यात्री इसका लाभ ले सकते हैं. रेलवे द्वारा दी जाने वाली इस नई व्यवस्था से एक बार फिर आम यात्रियों को आसानी से घर बैठे अनारक्षित टिकट मिल सकता है. जिसमे मेल ,एक्सप्रेस और सुपरफास्ट की अनारक्षित टिकट यूटीएस एप्लीकेशन से मोबाइल से लिया जा सकता है.

एसएसपी ने धनबाद थाना का किया निरीक्षण

धनबाद : एसएसपी ने शुक्रवार को धनबाद थाना और महिला थाना का निरीक्षण किया. पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को विधानसभा चुनाव के लेकर एक्टिव मोड में रहने का निर्देश दिया. पेंडिंग मामले को मिशन मोड में निष्पादित करने की बात कही. हत्या, छिनतई और लूट-चोरी में संलिप्त अपराधियों की सूची तैयार कर कार्रवाई करने को कहा. इसके महिला थाना का भी निरीक्षण किया. आगामी विधान सभा चुनाव के लिए हर थाना का निरीक्षण करने की बात कर रहे हैं. मालखान व हाजत भी देखा. एसएसपी ने कहा कि विधान सभा चुनाव की तैयारी पूरी कर ली है. विधि व्यवस्था, क्राइम कंट्रोल के साथ-साथ आगामी चुनाव को देखते हुए निरीक्षण किया जा रहा है.

मेडिकेंट सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का केबल ट्रे गिरा

बोकारो । सेक्टर 12 एनएच स्थित मेडिकेंट सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में केबल ट्रे गिर गया. जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात आठ बजे के आसपास हॉस्पिटल में लगे केबल ट्रे गिर गया. केबल ट्रे गिरने से नीचे लगे गैस पाइप फट गया और गैस लीक होने लगा. हॉस्पिटल प्रबंधन ने एहतियातन पूरे हॉस्पिटल की बिजली को ऑफ कर दिया. गैस की बदबू से आसपास के दुकानदारों ने भी दुकानें बंद कर दीं और यहां के निवासी घरों में बंद हो गए. देर रात तक हॉस्पिटल कर्मचारी समस्या का समाधान करने में जुटे हैं.

तिरंगा यात्रा को सफल बनाने को ले भाजपा की बैठक

चिरकुंडा। भाजपा चिरकुंडा मंडल की बैठक शुक्रवार को कुमाधुबी कोलियरी स्थित सामुदायिक भवन में नव निर्वाचित अध्यक्ष अरविंद सिन्हा की अध्यक्षता में हुई. बैठक में चिरकुंडा मंडल के प्रभारी अखिलेश तिवारी मुख्य रूप से उपस्थित थे.

धनबाद में आदिवासी दिवस का जश्न

पूरे जिले में निकला जुलूस, संगीत-नृत्य का आयोजन, कई स्थानों पर पौधरोपण

संवाददाता । धनबाद

विश्व आदिवासी दिवस का धनबाद में धूमधाम से जश्न मनाया गया. इस दौरान आदिवासी समाज ने जुलूस निकाला, लोक नृत्य प्रस्तुत किया. गाने गाए. कई स्थानों पर पौधरोपण किया गया. आदिवासी समाज की कई संस्थाओं ने अपने भविष्य को लेकर चिंताएं भी की. कहीं समाज की राजनीतिक हालात पर चर्चा हुई. शहर के रणधीर वर्मा चौक पर जुलूस निकाला गया और शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण किया.

शिबू सोरेन डिग्री कॉलेज में पौधरोपण

टुंडी : टुंडी मुख्यालय स्थित शिबू सोरेन डिग्री कॉलेज में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया. भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्पार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई, मौके पर बतौर मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री सह विधायक टुंडी मथुरा प्रसाद महतो उपस्थित थे. उन्होंने उपस्थित सभी लोग एवं छात्र-छात्राओं को प्रकृति को संभाल कर रखने की बात कही. इस अवसर पर उन्होंने पौधरोपण भी किया .सभी छात्र-छात्राओं को 10-10 पेड़ लगाने की हिदायत दी. प्राचार्य डॉ. गौरांग भारद्वाज ने आदिवासी जीवन शैली को अपनाकर एवं वृक्ष लगाकर पर्यावरण को बचाने की बात कही. मंच संचालन प्राचार्य डॉ. गौरांग भारद्वाज ने किया. श्याम सुंदर पांडे, फूलचंद किस्कू ,बबलू सिंह, शिक्षक में डॉ. निशा कुमारी, प्रो. राजा ठाकुर, स्वाती कुमारी, खुर्शीदा खातून, प्रो. गौरी कुमारी, शुभम कुमार, मनोज कुमार महतो, संतोष कुमार टुडू , मंगोली हंसदा , रीता कुमारी, शंभू प्रसाद महतो, भुनेश्वर सिंह, बेबी देवी आदि उपस्थित थे.

पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ कार्यक्रम

मैथन : "सेवा का एक प्रयास" ट्रस्ट द्वारा संचालित विद्यालय आदर्श विद्या निकेतन केशारकुरल, मैथन में विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा "पेड़ लगाओ- पेड़ बचाओ" विषय पर जीवंत नाटक और शानदार नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया. मौके पर बच्चों द्वारा विद्यालय प्रागंण में पौधरोपण भी किया गया. मंच संचालन काजल सिंह ने की. विद्यालय के प्रधानाचार्य आनंद कुमार मिश्र ने आदिवासी दिवस पर विस्तार से प्रकाश डाला. कहा कि आदिवासियों के उत्थान के लिए 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है. आदिवासी समुदाय के लोगों की भाषाएं, संस्कृति, त्योहार, रीति-रिवाज और पहनावा सबकुछ अन्य समाज के लोगों से अलग होता है. यही वजह है कि ये लोग समाज की मुख्यधारा से नहीं जुड़ पाए हैं. आज इनकी संख्या घटती जा रही है. आज भी आदिवासी समाज के लोगों को अपना अस्तित्व, संस्कृति और सम्मान बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है. इसकी एक मुख्य वजह यह है कि ये लोग प्रकृति से समीप रहना ज्यादा पसंद करते हैं और जंगलों में रहते हैं, जिसकी वजह से ये मुख्यधारा से कटे रहते हैं. आज जंगल घटते जा रहे हैं जिसकी वजह से इनकी संख्या भी कम होती जा रही है. कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के गौरी सिंह, श्रावनी वासु, सोमेन भट्टाचार्य, शशांक शेखर दत्त, तरूण अधिकारी, अचीन चक्रवर्ती, कंचन कुमार सिंह थे.

विरासत में मिली संस्कृति को बचाना हमारी जिम्मेवारी

मैथन : आसेका संस्था द्वारा शुक्रवार को मैथन में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया. मौके पर पंडित रघुनाथ मुर्मू विद्यालय, मेनगेट से पोस्ट ऑफिस चौक तक आदिवासी नृत्य करते हुए रैली निकाली गई. पोस्ट ऑफिस चौक पर स्थित सिद्धू-कान्हू, बिरसा मुंडा एवं अन्य महापुरुषों के प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर रैली वापस विद्यालय लौट आई, जहां एक सभा और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ. सभा में वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी संस्कृति संकट में है. आदिवासी समाज के लोग अपनी भाषा व संस्कृति को भूल रहे हैं और शहरी संस्कृति की ओर जा रहे हैं. कहा कि आदिवासी संस्कृति व भाषा को हमारे पूर्वजों ने विरासत में दिया है, उसे किसी भी हालत में बचाये रखना है. आदिवासी भाषा संथाली आठवीं अनुसूची में शामिल है और उसे झारखंड की राज्य भाषा बनेगी तभी आदिवासी भाषा बचाई जा सकती हे. कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं आसपास के ग्रामीण शामिल हुए. मौके पर आसेका संस्था के बाबूराम मुर्मू, वकील टुडू थे.

निगम का बैरिकेड्स हटा कर कांग्रेसियों ने लगवाई दुकानें

संवाददाता । धनबाद

धनबाद के कांग्रेसियों के किस्से भी हमेशा चर्चा में रहते हैं. इस बार कुछ कांग्रेसियों द्वारा नगर निगम के बैरिकेड्स को हटा कर फुटपाथ पर दुकानें लगवाने को लेकर चर्चा है. चर्चा इस बात की भी हो रही कि सरकारी विभाग बड़ा या सत्ता रूढ़ गठबंधन में शामिल पार्टी के नेता. अभय सुंदरी स्कूल से झारखंड मैदान तक सड़क के एक किनारे लगे बैरिकेड्स को कुछ कांग्रेसियों ने गुरुवार की रात हटा दिया. बैरिकेड्स हटा कर सड़क किनारे जगह-जगह कांग्रेस का झंडा लगा दिया गया है. बैरिकेड्स हटाने के बाद एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न भी मनाया गया. अब सड़क किनारे फुटपाथ पर ठेले खोमचे भी लग चुके है. मालूम हो कि नगर निगम ने तीन दिनों तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर अभय सुंदरी स्कूल से लेकर झारखंड मैदान तक सड़क को खाली कराया था. आगे दुकानें न लगे इसके लिए बैरिकेड्स भी लगाए गए थे. जिसे गुरुवार की रात हटा दिया गया. शुक्रवार की सुबह से ठेले खोमचे लगने शुरू हो गए हैं. बता दें कि आये दिन इस सड़क में लगने वाली जाम की समस्या की मिल रही शिकायतों के बाद नगर आयुक्त ने यह अभियान चलाया था. इसके बाद बीस सूत्री उपाध्यक्ष ब्रजेन्द्र प्रसाद सिंह के नेतृत्व में एक अगस्त को एक प्रतिनिधिमंडल नगर आयुक्त से मिलकर गुहार लगाई थी कि फिर से वहाँ दुकानें लगाने दी जाए. इधर नगर आयुक्त रविराज शर्मा ने कहा कि मामले की जानकारी नहीं है. पूरे मामले की जांच कराकर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

भूमिगत खदान से लौटने के क्रम में मजदूर की मौत

- पुत्र को तत्काल नियोजन देने के बाद शांत हुए मजदूर व यूनियन नेता

संवाददाता । मैथन

ईसीएल मुगमा क्षेत्र अंतर्गत हरियाजाम कोलियरी के 27 नंबर भूमिगत खदान से प्रथम पाली में काम पर गए 56 वर्षीय केबल मैन के पद पर कार्यरत नवगोपाल बाउरी की खदान से निकलने के क्रम में चक्कर आया. चक्कर आने के क्रम में वह खदान में गिर गया, अन्य मजदूर उसे उठाकर स्ट्रक्चर पर बाहर ले तब तक उसकी मौत हो चुकी थी. मजदूर की मौत की सूचना पाकर यूनियन के नेता कोलियरी पहुंचे तथा प्रबंधन पर मृतक के आश्रित को तत्काल नियोजन एवं मुआवजा देने की मांग करने लगे. मामले की सूचना पाकर सीबीएस ग्रुप के अभिकर्ता सतानंद शर्मा एवं कार्मिक प्रबंधक रति मोहन शर्मा ईसीएल के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सुनील कुमार पहुंचे. मृतक के पुत्र भारत चंद्र बाउरी को प्रबंधन द्वारा तत्काल नियुक्ति पत्र देने के बाद मजदूरों ने मृतक के शव को उठने दिया. नवगोपाल कलियासोल प्रखंड के जयपुर गांव का रहने वाला था. सूचना पाकर मृतक की पत्नी माधुरी देवी पुत्र भारत चंद्र बाउरी एवं अन्य स्वजन पहुंचे. स्वजनों के करुण क्रंदन से वहां उपस्थित मजदूरों की आंखें भी नाम हो गई. मजदूरों ने बताया कि शुक्रवार को प्रथम पाली में नवगोपाल की ड्यूटी थी.

3 दिन पहले ज्वाइन की थी ड्यूटी : मजदूरों ने बताया कि नव गोपाल बाउरी पहले चापापुर कोलियरी में कार्यरत थे. एक अगस्त को उनका तबादला हरियाजाम कोलियरी में हुआ था. तीन दिन पहले ही उन्होंने ड्यूटी ज्वाइन की थी. शुक्रवार को ड्यूटी समाप्त कर खदान से निकालने के क्रम में उनकी मौत हो गई.

नवगोपाल की चार पुत्रियां एवं एक पुत्र

मृतक नव गोपाल की चार पुत्रियां एवं एक पुत्र है। चारों पुत्रियों की शादी हो चुकी है। मृतक की पत्नी ने पिता के बदले पुत्र को नौकरी देने पर सहमति दी उसके बाद प्रबंधन ने मृतक के पुत्र को नियुक्ति पत्र सौंपा।

हेमंत सरकार के कार्यकाल में आदिवासियों की हालत दयनीय : राज सिन्हा

भाजपा ने बनाई सीएम को घेरने की रणनीति

संवाददाता । धनबाद

भारतीय जनता पार्टी धनबाद विधानसभा स्तरीय बैठक आगामी कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर हुई .सर्वप्रथम डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण किया गया. आज विश्व आदिवासी दिवस पर झारखंड के वीर सपूतों बिरसा मुंडा, सिद्धू -कान्हू के बलिदान को याद किया गया.बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला महानगर उपाध्यक्ष मानस प्रसून ने की एवं संचालन जिला महामंत्री रवि सिन्हा ने की. आगामी स्वतंत्रता दिवस 2024 के पूर्व 12 अगस्त को भारतीय जनता युवा मोर्चा के तत्वाधान में धनबाद द्वारा पूरे शहर में विशाल तिरंगा यात्रा निकाले जाने, पूरे विधानसभा क्षेत्र में शहीदों की वेदी को साफ-सफाई कर माल्यार्पण किए जाने,हर घर तिरंगा अभियान,आगामी 13 अगस्त को भाजपा महिला मोर्चा के द्वारा महिला विरोधी झारखंड सरकार के खिलाफ आक्रोश प्रदर्शन एवं जिला समाहरणालय का घेराव, आगामी 14 अगस्त कोर विभाजन विभीषिका स्मृति दिवसर के अवसर पर मौन जुलूस एवं आगामी 23 अगस्त को झारखंड की राजधानी रांची में मुख्यमंत्री सचिवालय घेराव व प्रदर्शन आदी सभी कार्यक्रमों की रूपरेखा सभी मंडल अध्यक्षों, जिला पदाधिकारी सभी मंच मोर्चा के अध्यक्ष एवं उनकी समिति के तमाम सदस्यों से चर्चा तय की गई .आगामी सभी कार्यक्रमों की सफलता के लिए एवं रिकॉर्ड संख्या बल की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए विशेष रणनीति बनाई गई.धनबाद विधायक राज सिन्हा ने संबोधित करते हुए कहा कि,आज पूरा विश्व, विश्व आदिवासी दिवस मना रहा है, परंतु अपने आप को आदिवासियों की हितैषी बताने वाली झारखंड की हेमंत सरकार के कार्यकाल में आदिवासी स्थिति दयनीय होती जा रही है, उनके विकास के लिए विशेष योजनाएं लाने की आवश्यकता पर बल दिया. युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष नित्यानंद मण्डल, रवि सिन्हा, चंद्रशेखर सिंह, महेंद्र शर्मा, निर्मल प्रधान, अनिल सिन्हा, अमलेश सिंह, जीतेन्द्र कुमार, सुमन सिंह, राजकुमार मण्डल, मौषम सिंह, शिवेंद्र सिंह, आनंद खंडेलवाल, गुड्डू वर्मा, उमाह सिंह, राजा राम दत्ता, रिंकू सिन्हा, रितेश बहादुर सिंह, दिपक झा, रंजय सिंह, मेघनाथ वर्मा, अभिमन्यु कुमार, मुकेश सिंह, अरुण सिंह, तमाल राय, जयंत चौधरी, अमरजीत कुमार, मनोज भवानी, नरेंद्र सिंह, विकास सिन्हा, विशाल सिन्हा, श्रवण झा, दिपक सिंह, दिलीप सिंह, जेपीएन सिंह, इंद्रकांत झा, बालमुकुंद राम, विभा सिंह, बसंती देवी, संतोषी आनंद, किरण सिंह, मुकेश सिंह, संतोष सिंह, बबलू सिंह, पंकज सिन्हा, दिलीप सिंह, मनोज गुप्ता, पंकज सिन्हा, सरोज शुक्ला, धीरज तिवारी थे.

बीसीसीएल के कई एरिया के जीएम बदले

संवाददाता । धनबाद

बीसीसीएल मुख्यालय ने शुक्रवार को आधा दर्जन से अधिक जीएम माइनिंग का तबादला किया. तबादले की जारी नई सूची में जेके महापत्रा कतरास जीएम को जीएम रिवेन्यू मुख्यालय बनाया गया. वहीं जेसी रॉय को सिजुआ एरिया का नया जीएम बनाया गया,सिजवा एरिया में हाल में ही आए चितरंजन कुमार को मुख्यालय में क्वालिटी विभाग में स्थानांतरण किया गया.

ईजी एरिया के जीएम डी मित्तल को पीबी एरिया का जीएम बनाया गया .इसके साथ पीबी एरिया के जीएम एमएस दूत को मुख्यालय में जीएम साइडिंग बनाया गया.

पदाधिकारी	कहां थे	कहां गए
जेसी महापत्रा	- कतरास जीएम	- जीएम रिवेन्यू मुख्यालय
जेसी रॉय	- बस्ताकोला	- सिजुआ
डी मित्तल	- ईजे एरिया	- पीबी एरिया
एमएस दूत	- पीबी एरिया	- जीएम साइडिंग मुख्यालय
राज कुमार	- इसीएल	- कतरास एरिया
अनिल कुमार सिन्हा	- ईसीएल	- जीएम बस्ताकोला
एसबी कुमार	- ब्लॉक टू	- जीएम मुख्यालय
राजीव चौपड़ा	- प्रोजेक्ट प्लानिंग	- जीएम मुख्यालय
कुमार राजीव	- हेडक्वार्टर	- एजीएम ब्लॉक टू

चूल्हा चौकी, नावाडीह (असर्फी अस्पताल के समीप, धनबाद)

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

धनबाद, शनिवार 10 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 06 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 123

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

धौड़ा सुपरवाइजर पर पैसा मांगने का आरोप

तेतुलमारी। बीसीसीएल कतरास क्षेत्र संख्या चार के वेस्ट मोदीडीह वर्कशॉप के समीप रहने वाले सुरेश भुइंया ने कतरास क्षेत्र के महाप्रबंधक को शुक्रवार को पत्र देकर सुरक्षित स्थान पर आवास दिलाने की मांग की है. उन्होंने धौड़ा सुपरवाइजर पर आवास के नाम पर पैसे मांगे जाने की बात कही है.पत्र में लिखा है कि चार दिनों पूर्व वर्कशॉप की दीवार गिर जाने से उनका 12 वर्षीय नाती साजन कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गया था, इसके बाद परियोजना पदाधिकारी मोहन मुरारी व प्रबंधक संजय कुमार के साथ एक जनप्रतिनिधी पहुंचे थे. घटनास्थल का जायजा लेने पहुंचे थे. सुरक्षित स्थान पर आवास दिलाने की बात कही थी. दूसरे दिन प्रबंधक ने आवास उपलब्ध कराया लेकिन वह काफी जर्जर था.

12 साल पुरानी डकैती में आरोपी दोषी करार

धनबाद : 12 वर्ष पुराने डकैती के एक मामले में धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश पारस कुमार सिन्हा की अदालत ने अपर लोक अभियोजक सोनी कुमारी की दलील सुनने के बाद बख्तियारपुर पटना निवासी रवि कुमार डोम को दोषी करार दिया है. अदालत ने सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए 16 अगस्त की तारीख निर्धारित की है. वारदात की प्राथमिकी धैया निवासी श्याम कुमार पसारी की लिखित शिकायत पर धनबाद थाने में 29 जून 2011 को दर्ज की गई थी. प्राथमिकी के मुताबिक 28 जून 2011 की रात्रि वह खाना खाकर घर में परिवार के साथ सो रहे थे. तभी रात के एक बजे उसका दरवाजा तोड़कर आठ लोग घर के अंदर घुस गए. हथियार के बल पर सबको कब्जे में ले लिया और घर से हीरे, सोने, चांदी के जेवरात, नगद, मोबाइल लूट लिए. अनुसंधान के क्रम में पुलिस ने 1 जुलाई 2011 को गश्ती के दौरान बिशनपुर के पास से रवि कुमार डोम को गिरफ्तार किया. उसकी निशानदेही पर लूटे गए सामान की बरामदगी हुई थी.

नाबालिग से दुष्कर्म में दोषी करार, 12 को सजा

धनबाद : नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के एक मामले में शुक्रवार को पोक्सो के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने अपना फैसला सुनाया. अदालत ने मामले के नामजद आरोपी महुदा निवासी कार्तिक राजपूत को दोषी करार दिया है. अदालत ने सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए 12 अगस्त की तारीख निर्धारित की है. आरोपी इस मामले में फरार चल रहा है, उसकी अनुपस्थिति में अदालत ने अपना फैसला सुनाया है. प्राथमिकी पीड़िता के पिता की शिकायत पर 2 अगस्त 2021को महुदा थाने में दर्ज की गई थी. प्राथमिकी के मुताबिक 27 जुलाई 2021को साढ़े नौ बजे दिन में पीड़िता ट्यूशन पढ़ने निकली और घर वापस नहीं लौटी. परिजनों ने खोजबीन शुरू की तो पता चला कि कार्तिक राजपूत उसे लेकर बोकारो भाग गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया.

कार्रवाई : शूटरों को मदद पहुंचाने के आरोपी संजय सिंह के हनुमान नगर आवास में छापा

शंकर रवानी हत्याकांड : फॉरच्यूनर-थार से ढोई जाती है शराब

खास बातें

- फॉरच्यूनर, थार और अर्टिगा जब्त
- एक वाहन से तीन पेटी शराब जब्त

संवाददाता। बोकारो

शंकर रवानी हत्याकांड में फरार चल रहे हनुमान नगर निवासी व बीएमपी मोड़ में भोजपुर स्टोर का संचालक संजय सिंह के गोदाम से एक अर्टिगा गाड़ी और उसमें तीन पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की गई. इसके अलावा एक फॉर्च्यूनर व एक महेंद्रा थार गाड़ी भी पकड़ी गई है. उक्त वाहनों का प्रयोग शराब के कारोबार में किया जा रहा था. लग्जरी वाहनों से न सिर्फ झारखंड बल्कि बिहार तक शराब सप्लाई किए जाने की बात पुलिस कह रही है. संजय ने ही शंकर रवानी कांड में शामिल शूटरों के रहने, खाने, ठहरने आदि की व्यवस्था की थी. अनुसंधान में खुलासा होने के बाद से पुलिस उसकी तलाश में जुटी है, हालांकि अभी तक वो फरार है.

सेक्टर बारह थाने में आयोजित प्रेस वार्ता पुलिस डीएसपी आलोक रंजन ने बताया कि हरला थाना कांड सं0-78/24 में गिरफ्तार अप्राथमिकी अभियुक्त वीरेंद्र प्रसाद उर्फ वीरू का दिनांक 08.08.2024 को स्वीकारोक्ति बयान लिया गया. वीरेंद्र की दी गई जानकारी के बाद सेक्टर 12 थाना अंतर्गत हनुमान नगर स्थित संजय सिंह के गोदाम में छापामारी की गई. यहां से सुजूकी अर्टिगा माही सं०-8101 से 04 पेटी अवैध शराब बरामद किया गया. साथ ही शराब को विभिन्न राज्यों एवं शहरों में पहुंचाने के लिए इस्तेमाल की जानी वाली दो अन्य गाड़ियों को भी जब्त किया गया. एक टोयोटा फॉरच्यूनर तथा एक महेंद्रा थार शामिल है. पुलिस ने जानकारी दी कि संजय सिंह अवैध शराब के कारोबार से काफी संपत्ति कर रखी है. अवैध शराब के पैसे से ही 6-7 गाड़ियाँ खरीदी है.

पुलिस का दावा

- बिहार तक भेजी जा रही थी शराब
- कमाई से संजय ने खरीदी थी 6-7 गाड़ियां व बनाया है सतनपुर में आलीशान मकान

ग्राम सतनपुर में आलीशान मकान बनाया है. संजय सिंह ने लग्जरी गाडियां का उपयोग अवैध शराब धोने वाली गाड़ियों को एस्कॉर्ट करने में इस्तेमाल करता था. इसके अलावा इन गाड़ियों से भी अवैध शराब की ढुलाई होती थी.अमूमन लग्जरी गाड़ियों की चेकिंग नहीं की जाती है, इसी का लाभ लेने की मंशा से संजय ने लग्जरी गाड़ी ली थी. गाड़ी अलग-अलग जिलों से दूसरों के नाम पर खरीदी गई थी. अवैध शराब के खरीद बिक्री से अर्जित आय को आपराधिक कार्यों में लगाता था और संगठित अपराध में भी संजय संलिप्त है. प्रेस वार्ता में सेक्टर 12 व हरला थाना प्रभारी उपस्थित थे.

गांजा तस्करी के आरोपी के आवास पर इश्तेहार

महुदा । अवैध गांजा तस्करी मामले में फरार चल रहे कंचनपुर निवासी पुरन कुमार रवानी के आवास में शुक्रवार को महुदा पुलिस ने ढोल बजाकर इश्तहार चिपकाकर जल्द से जल्द हाजिर होने का चेतावनी दी है. महुदा थाना के एसआई प्रदीप कुमार ने थाना प्रभारी के निर्देश पर उक्त कार्रवाई की. पुलिस ने इश्तेहार चिपकाते हुए आरोपित को सरेंडर करने के लिए दबाव बनाया. मामले को लेकर एसआई प्रदीप कुमार ने बताया कि कंचनपुर निवासी पुरन कुमार रवानी अवैध गांजा तस्करी मामले में चार महीने से फरार चल रहा है. घटना 21 अपैल की है. जांच अभियान के दौरान थाना प्रभारी ने कतरी पुल के पास मोटरसाईकिल में गांजा लाते हुए पकड़ा था. इसका एक साथी गोरांग रवानी 8 किलो गांजा के साथ पकड़ा गया था. उस दौरान पुरन कुमार रवानी मोटरसाइकिल से फरार हो गया था.

बाघमारा अंचल कार्यालय में भ्रष्टाचार के खिलाफ ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

दर्जनों ग्रामीण अंचल कार्यालय परिसर में अनिश्चितकालीन के लिए धरना पर बैठे

- कहा – बिना रिश्वत नहीं होता अंचल कार्यालय में कोई काम

संवाददाता। बाघमारा (कतरास)

बाघमारा अंचल कार्यालय में बिचौलिया तंत्र हावी रहने व व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ ग्राम स्वराज अभियान के बैनर तले सामाजिक कार्यकर्ता और आरटीआई एक्टिविस्ट जगत महतो के नेतृत्व में ग्रामीणों ने मोर्चा खोल दिया है. दर्जनों ग्रामीण शुक्रवार से प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में अनिश्चितकालीन धरना पर बैठ गए हैं. धरना को संबोधित करते हुए जगत महतो ने कहा कि बाघमारा अंचल के रैयत जमीन संबंधी ऑनलाइन प्रविष्टि, रसीद काटने, सुधार, जमीन विवाद में नापी आदि समस्या से जूझ रहे हैं. लोगों का काम सुगमता से नहीं हो रहा है.अंचल कार्यालय में बिचौलिया तंत्र हावी है. चाहे लोग इसके लिए अंचल कार्यालय में शिकायत दर्ज कराए हों या सरकार के निर्देशानुसार शिविर में शिकायत आवेदन जमा किए हों, उनके आवेदन पर विभागीय अधिकारियों द्वारा निष्पादन नहीं किया जा रहा है.लोग दो-तीन वर्ष से छोटे-मोटे मामले को लेकर अंचल कार्यालय का चक्कर काटकर परेशान हो रहे हैं.आरटीआई के तहत भी लोगों को उनके दिए आवेदन पर विभागीय कार्रवाई से संबंधित सूचना उपलब्ध नहीं कराई जाती है.राज्य सरकार का म्यूटेशन, जमीन को ऑनलाइन करने की सर्कुलर से भी लोगों को अवगत नहीं कराया जाता है.

धरना में शामिल ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व अंचल अधिकारयों ने जिन जमीन का म्यूटेशन, दाखिल खारिज कर दिया और लोगों का ऑफलाइन जमीन का राशिद कटता आ रहा है, बंदोबस्ती हो चुकी खाते की जमीन का ऑनलाइन रसीद काटने में भी लोगों को विभाग द्वारा अनावश्यक परेशान किया जाता है. ऐसे ही रैयत धरना पर बैठ गए हैं. वहीं धरनार्थियों से मिल कर सीओ ने धरना देने से मनाकर सभी का काम शीघ्र करने का दिया आश्वासन दिया परंतु लोगों ने सीओ से कहा जब तक हमलोगों की जमीन संबंधी समस्या का निदान नहीं होगा. तब तक धरना जारी रहेगा. धरना में जोगीडीह के कमल महतो, जय राम प्रसाद साव, बरोरा के सुकर महतो, तिता कुमारी, मणिलाल साव, लौहापीटी के दिलीप कुमार महतो, राम प्रसाद महतो, हरिना के विकास रजवार, खानूड़ीह के गुरुचरण महतो, अजय कु महतो, खोनाटी के प्रदीप रजवार, मन सिंह कुर्वा की सुमित्रा देवी, धर्माबांध के विशाल महतो सहित अन्य मौजूद थे. इधर मामले को लेकर अंचलाधिकारी रवि भूषण प्रसाद से जानकारी लेने का प्रयास किया गया लेकिन फोन की घंटी बजती रही, बावजूद अंचलाधिकारी ने फोन रिसीव नहीं किया. उल्लेखनीय है कि अंचल कार्यालय में लगातार आम लोगों से अवैध वसूली व अंचलाधिकारी के कंप्यूटर ऑपरेटर द्वारा लोगों से भयादोहन का मामला सामने आया रहा है. बावजूद अंचलाधिकारी द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती है.

कस्तूरबा गांधी स्कूल में विधिक जागरूकता शिविर

- बच्चों को दी गई विभिन्न कानून के विषय में जानकारी

संवाददाता। धनबाद

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार धनबाद राम शर्मा के निर्देश पर दिव्यांगों के लिए 45 दिनों का जिला स्तरीय जागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को कस्तूरबा गांधी बालिका हाई स्कूल गोविंदपुर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार राकेश रोशन, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट ने बच्चों को विभिन्न तरह के कानून की जानकारी दी. दिव्यांग बच्चों के लिए चलाई जा रहीए विभिन्न स्कीमों के विषय में बताया गया. अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा राकेश रोशन ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार धनबाद द्वारा दिनांक 15 जुलाई से 26 अगस्त 2024 तक प्रखंड स्तरीय विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है. जिसमें डालसा धनबाद द्वारा एलएडीसीएस, पैनल अधिवक्ता , पिएलबी की टीम बनाकर दिव्यांगों को चिन्हित कर उन सभी को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का काम किया जा रहा है.

दिव्यांग शिविर के तीसरे दिन 130 आवेदन स्वीकृत

धनबाद । डालसा की ओर से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार धनबाद के अध्यक्ष राम शर्मा के निर्देश पर सदर अस्पताल में चार दिवसीय विशेष दिव्यांग शिविर लगाया गया है .शिविर के तीसरे दिन शुक्रवार को 135 लोगों लोग जांच करने पहुंचे. जांच के बाद 130 आवेदकों को दिव्यांग प्रमाण पत्र के लिए स्वीकृत किया गया. पांच आवेदनों को रिजेक्ट कर दिया गया. ईएनटी में 33, ऑर्थो में 27, मेंटल में 49 और आई से संबंधित 21 आवेदन आए. ईएनटी से एक, ऑर्थो से एक और आई से तीन बच्चों के आवेदन को रिजेक्ट कर दिया गया.

शहीद रणधीर वर्मा स्टेडियम में परेड का पूर्वाभ्यास

संवाददाता। धनबाद

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को शहीद रणधीर वर्मा स्टेडियम में परेड का पूर्वाभ्यास किया गया. इस मौके पर डीएपी व एनसीसी के दो- दो प्लाटून तथा सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, जेएपी, होमगार्ड, आरपीएसएफ व भारतीय स्काउट एंड गाइड के एक-एक प्लाटून ने परेड में हिस्सा लिया. 13 अगस्त तक परेड का पूर्वाभ्यास किया जाएगा. कोलफील्ड स्कूल, सरायढेला के छात्रों द्वारा राष्ट्रगान गाया गया. 13 अगस्त को उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक रणधीर वर्मा स्टेडियम में परेड के पूर्वाभ्यास व समारोह की तैयारियों का निरीक्षण करेंगे. स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहीद रणधीर वर्मा स्टेडियम में मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा. यहां सुबह 9:05 बजे झंडोत्तोलन किया जाएगा. इसके बाद धनबाद समाहरणालय में 10:00 बजे सुबह, अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय में 10:20 बजे, मिश्रित भवन में 10:30 बजे, गांधी सेवा सदन 10:45 बजे, रेड क्रॉस सोसाइटी में 11:00 बजे तथा पुलिस लाइन धनबाद में 11:10 बजे झंडोत्तोलन किया जाएगा.

मुनिडीह खदान में गिरी कोयले की दीवार

केंदुआ। वेस्टर्न झरिया एरिया के निर्माणाधीन मुनिडीह 15 नंबर सीम भूमिगत खदान में शुक्रवार की सुबह साढ़े नौ बजे कोयला की दीवार ढहने से सिराज खान नामक 42 वर्षीय मजदूर घायल हो गया. घायल मजदूर को तत्काल बीसीसीएल में मुनिडीह अस्पताल ले जाया गया. जहां डॉक्टरों ने उसे धनबाद रेफर कर दिया. घटना 15 नम्बर सीम के डीटू-आरएच 4 के नाइंथ लेवल में हुई. उस समय करीब 10 मजदूर रूफ़ बोल्टिंग का काम कर रहे थे. तभी कोयला का ढेर साइड से गिर पड़ा.जिसकी चपेट में सिराज आ गया.उसके छाती व पैर में गम्भीर चोट लगी है. मजदूर सीम का निर्माण करनेवाली इंदु कम्पनी के पेटी कॉन्ट्रेक्टर रॉक माइनिंग (रांची) के अधीन काम करता है. लगातार हो रही साइड फॉल : मुनिडीह के 15 नम्बर सीम में लगातार रूफ़ व साइड फॉल की घटनाएं हो रही है. डीजीएमएस ने प्रबन्धन को कई उपाय सुझाये हैं.

धनबाद में 74,606 आवेदनों की ऑनलाइन इंट्री

संवाददाता। धनबाद

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत जिले के बाघमारा, बलियापुर, गोविंदपुर, कलियासोल, निरसा, पूर्वी टुंडी, तोपचांची, टुंडी, धनबाद, झरिया, पुटकी के साथ-साथ धनबाद नगर निगम एवं चिरकुंडा नगर परिषद में शिविरों का आयोजन किया गया. शिविरों में बड़ी संख्या में महिलाओं ने पहुंचकर आवेदन जमा किए. आवेदनों को ऑफलाइन लेकर वीएलई द्वारा पोर्टल पर उसकी ऑनलाइन इंट्री की गई.शुक्रवार संध्या साढ़े पांच बजे तक धनबाद जिले में 74606 आवेदनों की ऑनलाइन इंट्री की गई. उल्लेखनीय है कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को रोजमर्रा की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रतिमाह एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। प्रत्येक माह की 15 तारीख तक सरकार उनके एकल लिंक्ड बैंक खाते में राशि क्रेडिट करेगी.

मंईयां सम्मान योजना में हंगामा, महिलाओं में मारपीट

- बीच-बचाव में महिला पुलिस कर्मी भी चोटिल

धनबाद : धनबाद जिला सीएम एक्सलेंस स्कूल परिसर में मंईयां सम्मान योजना के तहत लगाए गए कैंप में शुक्रवार को महिलाओं में मारपीट हो गई. हो-हंगामा और मारपीट की खबर पाकर धनबाद थाने से पुलिस मौके पर पहुंची. इस दौरान मारपीट कर रही महिलाओं को रोकने में एक महिला एएसआई को भी मामूली चोट लगी है. बताते चलें कि मंईयां सम्मान योजना के तहत भरे फार्म का ऑनलाइन शुरू हो गया है. ऑन लाइन फार्म भरे जाने की सूचना पर महिलाओं की काफी भीड़ कैंपों में पहुंचने लगी है. इसी में पहले ऑन लाइन कराने के चक्कर में दो महिलाओं के बीच विवाद हो गया. दो महिलाओं के आपस में उलझते ही हो-हंगामा शुरू हो गया. इधर किसी ने पुलिस को मामले की खबर दे दी. पुलिस कुछ मिनटों में ही मौके पर पहुंचीं, तब तक महिलाओं का विवाद जारी था. पुलिस बल ने उन्हें रोकने का प्रयास किया. इसी क्रम में महिलाएं एएसआई से भी उलझ गई. हालांकि बाद में मामले को किसी तरह शांत कराया गया. विवाद करने वाली महिलाओं को बाहर कर दिया गया. इसके अलाजा भी कई सेंटरों से विवाद की सूचनाएं हैं.

राजनीति

निरसा व टुंडी में भी उपेक्षा का आरोप, सांसद ढुल्लू के करीबियों को तरजीह

महतो बहुल सिन्दरी विस में एक भी मंडल अध्यक्ष महतो नहीं

- भाजपा ग्रामीण जिला कमिटी गठन के खिलाफ उठने लगे विरोध के स्वर

संवाददाता। धनबाद

भाजपा ग्रामीण जिला कमिटी की घोषणा के बाद से विरोध शुरू हो गया, सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर भाजपा में महतो वर्ग को तरजीह नहीं देने संबंधी आरोप लगने लगे हैं. विरोध का कारण सिन्दरी विधानसभा है, जहां महतो कुर्मी की संख्या सबसे अधिक है. इसके बावजूद इस विधानसभा के छह मंडल में से एक भी मंडल अध्यक्ष महतो को नहीं बनाया गया है. इस बात की चर्चा राजनीतिक गलियारों से लेकर सोशल मीडिया पर शुरू हो गई है. लोग अपने-अपने अंदाज में इस बात को बता रहे हैं. विवाद में पार्टी के लोग भी दबी जुबान में सांसद ढुल्लू महतो के करीबियों को तरजीह मिलने की बात कह रहे हैं. कुछ पक्के भाजपाई इस बात का खंडन भी कर रहे हैं. ये सब सोशल मीडिया में सरेआम चल रहा है.

किस चेहरे के साथ भाजपा मांगेगी वोट : सोशल मीडिया पर राहुल मोदक ने लिखा है कि सिन्दरी विधानसभा में महतो वोटर निर्णायक है. चुनाव में महतो वोटरों की मुख्य भूमिका रहती है. इसके बावजूद किसी महतो को मंडल अध्यक्ष नहीं बनाया गया. आगे लिखा है कि क्षेत्र से महतो विधायक हैं, साथ ही पूरे विधानसभा में उनकी पत्नी काफी सक्रिय है. आखिर भाजपा किस चेहरे को लेकर महतो से वोट मांगने जाएगी. इधर सिन्दरी विधायक प्रतिनिधि कुमार महतो ने कहा कि यह निर्णय पार्टी का है. इसपर वह कुछ नहीं कहेंगे लेकिन इतना जरूर कहा कि जब पार्टी ने क्षेत्र का विधायक ही महतो को बना दिया है तो फिर ऐसी शिकायतों में दम नहीं है. मालूम हो कि दिनेश मंडल को गोबिन्दपुर पश्चिम, तालेश्वर साव को गोबिन्दपुर पूर्वी, सुजीत चौधरी को बरवाअड्डा, अरबिन्द पाठक को सिन्दरी नगर, विश्वजीत मुखर्जी कोबलियापुर पूर्वी एवं विरन्ची सिंह को बलियापुर पश्चिम का मंडल अध्यक्ष बनाया गया है.

निरसा-टुंडी विधानसभा से भी विरोध

निरसा और टुंडी विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को उनकी क्षमता के अनुसार जिम्मेवारी नहीं मिली है. 23 सदस्य वाली धनबाद भाजपा ग्रामीण जिला कमेटी में सिर्फ सिंदरी विधानसभा क्षेत्र से 11 पदाधिकारी हैं. इनमें जिला अध्यक्ष के अलावा दो महामंत्री तथा चार उपाध्यक्ष शामिल है. भाजपा के ग्रामीण जिला अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर ने गुरुवार को सूची जारी की. इसके बाद से ही विरोध के स्वर उठने लगे हैं. भाजपा के ही लोग बताते हैं कि नई कमेटी में लगभग 50 फीसदी पदाधिकारी सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के हैं जबकि टुंडी और निरसा विधानसभा से आधे पदाधिकारी हैं. इसलिए इन दोनों विधानसभा के साथ न्याय नहीं हुआ है .अभी महानगर कमेटी की घोषणा होनी बाकी है. उम्मीद की जा रही है कि दो-तीन दिनों में महानगर कमेटी का भी गठन हो जाएगा. यह अलग बात है कि धनबाद भाजपा में अभी खींचतान चल रही है. महानगर कमिटी की घोषणा के बाद भी विरोध उठना लाजिमी है. ढुल्लू महतो के सांसद बनने के बाद उनके लोगों को ही ज्यादा तरजीह मिल रही है.

सदर अस्पताल के एजिलस लैब की व्यवस्था से भड़के सीएस

संवाददाता। धनबाद

- 10 साल से बिजली बिल बकाया,
- 6 महीने से बिजली नहीं
- मरीजों को जांच रिपोर्ट में होती है देरी

सदर अस्पताल के पास पीपीपी मोड पर संचालित एजिलस लैब में अव्यस्था देखकर सिविल सर्जन चंद्रभान प्रताप पर भड़क उठे. लैब में पिछले 6 महीने से बिजली नहीं है. यहां की पूरी व्यवस्था जनरेटर के भरोसे है. लैब में नियमित बिजली न होने के कारण मरीजों को जांच रिपोर्ट समय पर नहीं मिलती है. इस कारण विवश होकर मरीज के परिजन निजी लैब का रूख कर रहते हैं. निजी लैब में जांच के लिए उन्हें अधिक कीमत भी चुकानी पड़ रही है. हर दिन औसतन यहां 150 से 200 मरीज जांच के लिए पहुंचते हैं. लैब के इंचार्ज डॉ. आलोक कुमार ने बताया कि 30 दिसंबर 2023 को लैब के अंदर आग लगी थी. इसके बाद विभाग द्वारा बिजली का कनेक्शन काट दिया गया था. विभाग द्वारा दस साल से बिजली बिल बकाया होने की बात कही गई. दस साल के बिजली भुगतान के बाद ही कनेक्शन मिलेगा.

हालांकि लैब में सब मीटर लगवाया गया है, बिजली कनेक्शन के लिए एनओसी दी गई है. बिल भुगतान के बाद ही विभाग कनेक्शन देगी. फिलहाल यह प्रोसेस में है. सिविल सर्जन सीवी प्रतापण ने मीडिया को बताया कि कंगाल संस्था लैब को चला रहे हैं, कंगाल संस्था ने सरकार से आखिर एग्रीमेंट कैसे कर लिया.लैब में आग लगना घटना थी या आग लगाई गयी थी. इनके पास बकाया बिजली की रसीद नहीं है, वे पहले रसीद दें, हम बिजली विभाग से बात करके कनेक्शन लगवाते हैं.

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ हिंदू जागरण मंच ने निकाली रैली

बांग्लादेश में जिहादी कट्टरपंथियों ने हिंदुओं का किया नरसंहार , पांच सौ हिंदुओं को मौत के घाट उतारा : अमित सरकार

खास बातें

- आसनसोल में पांच हजार लोग सड़क पर उतरे

संवाददाता। आसनसोल

आसनसोल, पश्चिम बंगाल में हिंदू जागरण मंच ने बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हो रहे अत्याचार के खिलाफ एक विशाल रैली का आयोजन किया। हिंदू जागरण मंच के आसनसोल के सह संयोजक अमित सरकार ने बताया कि बांग्लादेश में पिछले कई दिनों से छात्र यूनियन कोटा आंदोलन के दौरान जिहादी कट्टरपंथियों ने हिंदुओं का नरसंहार किया है, लगभग पांच सौ से अधिक हिंदुओं को मौत के घाट उतार दिया गया है। उन्होंने कहा कि हिंदू जागरण मंच के बैनर तले आसनसोल के करीब पांच हजार से अधिक जनता सड़क पर उतरी है, बांग्लादेश के जिहादी कट्टरपंथियों को यह समझाने के लिए कि वे बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं के ऊपर अत्याचार बंद करें, नहीं तो वे अपने इस आंदोलन को बड़े स्तर पर ले जाएंगे। भाजपा के राज्य स्तरीय नेता कृष्णेंदु मुखर्जी ने बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हो रहे अत्याचार की निंदा करते हुए कहा कि यह काफी शर्मनाक बात है, उन्हें अपने पड़ोसी देश बांग्लादेश से यह उम्मीद नहीं थी कि वे इस तरह हिंसात्मक घटना को अंजाम देंगे और हिंदुओं को अपना निशाना बनाएंगे। कृष्णेंदु मुखर्जी ने भी बांग्लादेश के जिहादी कट्टरपंथियों के खिलाफ बड़े स्तर पर मोर्चा खोलने की खुली चेतावनी दी। इस रैली में हिंदू जागरण मंच के आसनसोल सह संयोजक अमित सरकार के अलावा भाजपा के राज्य स्तरीय नेता कृष्णेंदु मुखर्जी, प्रदीप सिंह, देवतानु मैखर्जी, इंद्रनिल घोष, आशा शर्मा सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कृष्णेंदु मुखर्जी ने बड़े स्तर पर मोर्चा खोलने की चेतावनी दी

23 दिनों के भीतर 560 लोगों की मौत

शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद हुए प्रदर्शन में 232 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी. वहीं, 16 जुलाई से 4अगस्त के बीच आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन में हुई झड़पों में 328 लोगों की मौत हो गई थी. इन दोनों घटनाक्रमों के बीच पिछले 23 दिनों में कुल 560 के करीब लोगों की मौत की खबर है. इनमें ज्यादातर लोगों की मौत मंगलवार को हुई है.

ब्रीफ खबरें

कांग्रेस का 65-वां स्थापना दिवस मना

बराकर। बराकर में यूथ कांग्रेस की ओर से विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से यूथ कांग्रेस का 65वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर यूथ कांग्रेस के सदस्यों ने बराकर शहर के बलतोडिया मैदान में झंडा तोलन किया और छोटे-छोटे बच्चों के हाथों से पौधारोपण करवाया। यूथ कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष रवि यादव ने बताया कि आज ही के दिन भारत छोड़ो आंदोलन का शुभारंभ हुआ था, इसलिए हम सभी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को नमन किया और बच्चों के हाथों से पौधारोपण किया गया और बच्चों को पर्यावरण संबंधी संदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण दिन पर हम सभी को एकजुट होकर देश और समाज की भलाई के लिए कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए।

ईसीएल निदेशक विनोद ने किया दौरा

कुनुस्तोड़िया। ईसीएल के कुनुस्तोड़िया क्षेत्र में खान सुरक्षा महानिदेशालय के निदेशक विनोद रजक ने शुक्रवार को पड़सिया-बेलबाद री-ओर्गेनाइज़ेशन एमडीओ परियोजना का दौरा किया। यह परियोजना आगामी दिनों में एक विशिष्ट परियोजना होने जा रही है, इसलिए इस दौरे की अपनी प्रासंगिकता और महत्ता है। कुनुस्तोड़िया क्षेत्रीय महाप्रबंधक श्री एस. सी. मित्रा ने निदेशक महोदय का स्वागत किया और कहा कि निदेशक महोदय के आगमन से हम काफ़ी उत्साहित और प्रेरित हैं। खान सुरक्षा निदेशक श्री रजक ने पड़सिया-बेलबाद री-ओर्गेनाइज़ेशन एमडीओ परियोजना का परिदर्शन कर इसके सुरक्षा मानकों का विधिवत और विस्तृत जायज़ा लिया और आवश्यक सुझाव भी दिये।

दुखा माझी बने जंगल के संरक्षक

पुरुलिया। दुखा माझी ने पुरुलिया की कठोर मिट्टी पर हरियाली का घनत्व बढ़ाया है, जो उनकी अथक परिश्रम का परिणाम है। उनके जीवन के संघर्षों ने उन्हें पौधों की आवश्यकता सिखाई। उनका जन्म सिंदरी गांव में हुआ था, जहां उनके पिता मोहन शाह के घर नौकरी करते थे। 12 साल की उम्र से ही उनमें पेड़-पौधे लगाने का विशेष शौक विकसित हो गया। उन्होंने आर्थिक लाभ वाले पेड़ कुल, कुसुम, पलाश लगाए, जिनकी खेती मुख्य रूप से लाख के लिए की जाती है। दुखू माझी की देखभाल से उगाए गए पेड़ आज शानदार हो गए हैं। वह पौधे लगाने के बाद बाड़ लगाने का तरीका अपनाते हैं, जिसमें वह लोगों के फेंके हुए कपड़े, लकड़ी का उपयोग करते हैं। उन्होंने श्मशान घाट पर लोगों द्वारा छोड़ी गई धोती, साड़ी, विभिन्न कपड़े, लकड़ी का उपयोग किया है।

रानीगंज में फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन

रानीगंज । रानीगंज में रानीगंज ब्लॉक टीएमसी कांग्रेस ओबीसी, एससी सेल के तत्वावधान में महिला फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन शिशु बागान मैदान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधायक तापस बनर्जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जबकि ईसीएल कुनुसतोरिया एरिया के महाप्रबंधक एस के मित्रा विशिष्ट अतिथि थे। इस मौके पर रानीगंज टीएमसी ब्लॉक के अध्यक्ष रूपेश यादव, संदीप भालोटीया, अजय कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। आयोजक सुभाष बनर्जी ने बताया कि तीन दिवसीय महिला फुटबॉल खेल प्रतियोगिता में प्रथम दिन रानीगंज की महिला टीम एवं पारसकॉल की महिला टीम के बीच मैच खेला गया। ईसीएल के महाप्रबंधक ने कहा कि वर्तमान समय में महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चल रही हैं।

बाहरी लोगों को रोजगार दिया, स्थानीय लोगों को बीमारी : जितेंद्र तिवारी

नदी बचाने के लिए भाजपा का धरना

खास बातें

- जामुड़िया के कुछ उद्योगपति नदी की हत्या कर रहे : तिवारी

हाई कोर्ट के ग्रीन ट्राब्यूनल में मामला दायर किया जाएगा

संवाददाता। जामुड़िया

भाजपा नेता जितेंद्र तिवारी ने कहा कि सिंघारन नदी को बचाने के लिए जनता ने खुद आंदोलन शुरू कर दिया है, क्योंकि प्रशासनिक अधिकारियों ने नदी को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए कोई कारवाई नहीं की है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर प्रशासन ने कारवाई नहीं की, तो आगामी दिनों में वृहद आंदोलन किया जाएगा। तिवारी ने आरोप लगाया कि जामुड़िया के कुछ उद्योगपति नदी की हत्या कर रहे हैं और अपनी आर्थिक लाभ के लिए नदी को खा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों को रोजगार न देकर बाहरी लोगों को रोजगार दिया जा रहा है और लोगों को फैक्ट्री मालिक केवल बीमारी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि 10 दिनों के अंदर प्रशासन द्वारा नदी को बचाने के लिए प्रयाप्त प्रयास नहीं किया गया तो पर्यावरणविद के द्वारा फिर से नदी का दौरा किया जाएगा और हाई कोर्ट के ग्रीन ट्राब्यूनल में मामला दायर किया जाएगा। इस धरना प्रदर्शन में भाजपा के मंडल सभापति बृजमोहन पासवान, रमेश घोष, ओबीसी मोर्चा के अमिताभ गोराई, गौतम मंडल आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे।

सिंघारन नदी

आदिवासी दिवस: रघुनाथपुर में जुलूस, सभा का आयोजन

खास बातें

- रघुनाथपुर नगर पालिका सामुदायिक भवन में समाप्त हुआ जुलूस

संवाददाता। रघुनाथपुर

रघुनाथपुर में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर भारत जकात माझी परगना और जुआन महल की ओर से एक जुलूस निकाला गया, जो रघुनाथपुर न्यू बस स्टैंड से शुरू होकर रघुनाथपुर शहर की परिक्रमा करते हुए रघुनाथपुर नगर पालिका सामुदायिक भवन में समाप्त हुआ। इसके बाद एक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें जुआन महल के जिला अध्यक्ष राजेन टुडू ने विभिन्न मांगें रखीं। राजेन टुडू ने कहा कि सरकार ने विश्व आदिवासी दिवस पर करोड़ों रुपए खर्च किए, लेकिन आदिवासियों के विकास के लिए जो कुछ नहीं किया गया, वह आदिवासियों को वन अधिकारों की आजादी से वंचित कर रहा है।

वन अधिकार अधिनियम 2006 को सख्ती से लागू करे : राजेन

अदिवासियों की विभिन्न मांगें

- बीरभूम के देवचा पचामी में खुला मुख कोयला खनन परियोजना को रद्द करना।
- प्रस्तावित वन संरक्षण अधिनियम 2022 को निरस्त करना।
- एससी/एसटी पहचान संशोधन वापस लेना।
- सांउताल शिक्षा बोर्ड का तत्काल गठन करना।
- सांउताली माध्यमिक विद्यालयों में स्थायी शिक्षकों एवं स्वयंसेवी शिक्षकों को सहायक शिक्षकों के रूप में शीघ्र भर्ती करना।
- फर्जी एसटी प्रमाणपत्रों को रोकना और जारी किए गए फर्जी प्रमाणपत्रों को तुरंत रद्द करना।

नियामतपुर में नवनिर्मित लक्ष्मी मंदिर का उद्घाटन

संवाददाता। बराकर

बराकर के नियामतपुर चितरंजन रोड स्थित भूतहा ग्राम में नवनिर्मित लक्ष्मी मंदिर का उद्घाटन आसनसोल नगर निगम के मेयर विधान उपाध्याय ने किया। यह ग्राम पिछले 30 वर्षों से सुनसान पड़ा हुआ था, क्योंकि यहां बिजली, पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं थीं। लोगों ने पलायन कर दिया था और आसपास के गांवों में बस गए थे। लेकिन हर साल एक बार वे अपनी कुल देवी लक्ष्मी की पूजा करने के लिए यहां आते थे। यहां स्थित लक्ष्मी मंदिर पुराना और जर्जर हो गया था, इसलिए स्थानीय लोगों की मांग पर मेयर विधान उपाध्याय ने इसका जीर्णोद्धार करवाया और फिर से निर्माण करवाया। मेयर विधान उपाध्याय ने कहा कि नगर निगम की ओर से बेनाग्राम में बिजली और पानी सहित सभी प्रकार की बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने इस ग्राम से पलायन कर चुके लोगों से पुनः बेनाग्राम में आने की अपील की। इस अवसर पर बोरो चेयरमैन चैतन्य मांझी और पार्षद बादल पुतन्डी सहित काफी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

नितुरिया में सड़क हादसे के बाद भाजपा का सड़क जाम

वाहन की चपेट में आने से दो लोग घायल

संवाददाता। नितुरिया

नितुरिया के सरबड़ी इलाके में नो इंट्री के दौरान एक भारी वाहन की चपेट में आने से टेम्पो चालक सहित दो लोग घायल हो गए। इस घटना के विरोध में भाजपा ने शुक्रवार सुबह सुभाष सेतु स्थित पारबेलिया घाट के पास सड़क जाम कर दी। भाजपा नेता मुकेश सिंह और डब्लू सिंह ने कहा कि नो एंट्री के समय भारी वाहनों का सड़कों पर चलना खतरनाक है और इससे पहले भी कई सड़क हादसों में लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने मांग की कि पारबेलिया घाट से सरबड़ी तक स्पीड ब्रेकर लगाई जाए ताकि भारी वाहनों की गति में कमी आए। पुलिस ने आश्वासन दिया कि घायलों को इलाज के लिए उचित खर्च दिया जाएगा। घायलों में टेम्पो चालक और एक आदिवासी महिला है, जिसे हरमाडी अस्पताल में ले जाया गया। बाद में पुलिस के आश्वासन पर सड़क जाम हटा लिया गया।

लाउदोहा में विश्व स्वदेशी जन दिवस कार्यक्रम का आयोजन

मंत्री प्रदीप ने दीप जलाकर की कार्यक्रम की शुरुआत

खास बातें

- आदिवासी समुदायों के 47 मोरलों को विशेष रूप से सम्मानित किया

संवाददाता। दुर्गापुर

पश्चिम बर्दवान जिला प्रशासन की पहल पर सांबर के दुर्गापुर फरीदपुर (लावदोआ) ब्लॉक में विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुक्रवार को कार्यक्रम लाउडोहा हाई स्कूल के निकट ₹क्रिएशन₹ थिएटर में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत विधायक व राज्य मंत्री प्रदीप मजूमदार ने दीप जलाकर व फीता काटकर की। जिला मजिस्ट्रेट एस. पेन्नाबलम, उप मंडल मजिस्ट्रेट (दुर्गापुर) सौरभ चक्रवर्ती, दुर्गापुर फरीदपुर ब्लॉक बीडीओ अर्घ्य मुखोपाध्याय, आसनसोल दुर्गापुर पुलिस आयुक्तालय आयुक्त सुनील चौधरी, जमुरिया विधायक हरेराम सिंह, आसनसोल दुर्गापुर विकास परिषद के अध्यक्ष कबी दत्ता, जिला परिषद सदस्य कृष्णा बंद्योपाध्याय और अन्य उपस्थित थे। इस दिन आदिवासी नृत्य, गीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते थे और साथ ही आदिवासी लोगों को भूमि अनुदान और जाति प्रमाण पत्र दिये जाते थे। इस दिन के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा पंडाबेश्वर और दुर्गापुर फरीदपुर ब्लॉक के आदिवासी समुदायों के 47 मोरलों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

न्यूज अपडेट

कांग्रेस ने मनाई भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ

दुर्गापुर। दुर्गापुर में कांग्रेस सेवादल द्वारा भारत छोड़ो आंदोलन की 82वीं वर्षगांठ मनाई गई। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य तरुण रॉय मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में दुर्गापुर डिवीजन कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष अमल हलदर, इंटक नेता राणा सरकार, पूर्णेंदु पांडा, संगठन के युवा नेता सुब्रत घोष, तुषार घोष और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे। तरुण रॉय ने अपने भाषण में कहा कि कांग्रेस अहिंसा के सिद्धांत में विश्वास करती है और महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारत छोड़ो आंदोलन इसका एक आदर्श उदाहरण है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राजनीतिक संदर्भ में चार दशक पहले का भारत छोड़ो आंदोलन विशेष महत्व रखता है और कांग्रेस देश का नेतृत्व कर सकती है यह बात आज भी प्रासंगिक है।

ओडीएम इंटरनेशनल स्कूल में जिज्ञासा से पूर्ण नॉलेज क्रॉल कार्यक्रम का आयोजन

दुर्गापुर । दुर्गापुर के ओ.डी.एम इंटरनेशनल विद्यालय में 9 अगस्त 2024 को छात्रों में कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए नॉलेज क्रॉल कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों ने ऐतिहासिक नाट्य रूपांतरण के द्वारा भारत छोड़ो आंदोलन और ताजमहल से संबंधित ऐतिहासिक तथ्यों को प्रदर्शित किया। मुख्य अतिथि श्री अचिंत्य हलदर ने भवन निर्माण में वास्तुदोष को ध्यान में रखने की सलाह दी। विज्ञान और गणित के शिक्षकों ने वैज्ञानिक अवधारणाओं और गणितीय पहेलियों को व्यावहारिक तरीके से प्रदर्शित किया। छात्रों ने नवाचार उत्सव में अभिनव परियोजनाओं को डिज़ाइन करके अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में डॉक्यूमेंट्री दिखाई गईं, जिससे छात्रों की अंतरिक्ष और विज्ञान की समझ को नई दिशा मिली। कार्यक्रम का समापन आभार और तालियों की गूंज से हुई।

कोयला खदानों के निजीकरण के विरोध में प्रदर्शन

प्रदर्शन में कोलियरी मजदूरों, स्थानीय लोगों ने भाग लिया

खास बातें

- कोयला खदानों के निजीकरण की योजना को रद्द करने की मांग

कोयला खदानों का निजीकरण करने से देश की अर्थव्यवस्था पर भी बुरा प्रभाव पड़ेगा : गुरुदास

संवाददाता। तुरिया

नितुरिया में परवलिया कोलियरी में आज कोयला खदानों के निजीकरण के विरोध में विक्षोभ प्रदर्शन किया गया। एटक से संबद्ध कोलियरी मजदूर सभा द्वारा आयोजित इस प्रदर्शन में कोलियरी मजदूरों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। प्रदर्शन के दौरान, सीएमएस के महासचिव गुरुदास चक्रवर्ती ने कहा कि केंद्र सरकार कोयला खदानों को निजी हाथों में देने की कोशिश कर रही है, जो कि मजदूरों और देश के हितों के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि निजीकरण से मजदूरों का शोषण होगा और सार्वजनिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर कम होंगे। उन्होंने आगे कहा कि कोयला खदानों का निजीकरण करने से देश की अर्थव्यवस्था पर भी बुरा प्रभाव पड़ेगा और यह देश के लिए हानिकारक होगा। उन्होंने सरकार से मांग की कि वह कोयला खदानों के निजीकरण की योजना को रद्द करे और मजदूरों के हितों की रक्षा करे। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने ₹कोलियरियों का निजीकरण नहीं चलेगा₹ के नारे लगाए और सरकार से मांग की कि वह कोयला खदानों के निजीकरण की योजना को रद्द करे। उन्होंने कहा कि वे अपने हितों की रक्षा के लिए संघर्ष करेंगे और सरकार को मजबूर करेंगे कि वह उनकी मांगों को माने। इस प्रदर्शन में स्थानीय विधायक, मजदूर नेता और अन्य संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए और उन्होंने सरकार से मांग की कि वह कोयला खदानों के निजीकरण की योजना को रद्द करे।

ब्रीफ खबरें

तेज बारिश में मकान हुआ क्षतिग्रस्त

जमुआ (गिरिडीह)। जमुआ प्रखण्ड क्षेत्र सियाटांड़ पंचायत के हारोडीह में तेज बारिश से मकान क्षतिग्रस्त हो गया. लगातार बारिश से खपड़ैल घर में मिट्टी का दिवाल पर ईंट का दिवाल दिया गया था वह गिर गया. हलाकि इसमें जान माल का नुकसान नहीं हुआ . लगातार बारिश की होने से मिट्टी का दीवाल गिरने से पूरा घर क्षति ग्रस्त हो जाएगा. इस बात पिंटू कुमार वर्मा ने बताया कि मिट्टी का दीवाल कमजोर हो चुका था बाद में मरम्मत कर ईंट से जुड़ाई किया था. वह भी मूसलाधार बारिश में ढह गया . प्रशासन से अबुआ आवास की उम्मीद है .ताकि पूरा परिवार को अबुआ आवास का लाभ मिले .

सुरेन्द्र महतो बने भाजपा के कसमार प्रखंड अध्यक्ष

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड के भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार महतो को भाजपा का प्रखंड अध्यक्ष मनोनीत किया गया है. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के निर्देशानुसार भाजपा बोकारो जिलाध्यक्ष जयदेव राय ने सुरेन्द्र के पिछले कार्यकाल में युवा मोर्चा में रहकर बेहतर संगठन के लिए अच्छा काम करने व मोर्चा के विस्तार में बेहतर काम करने के एवज में यह जिम्मेदारी सौंपी गई है. शुक्रवार को सुरेन्द्र महतो के भाजपा प्रखंड अध्यक्ष मनोनीत होने पर कसमार में भाजपाइयों में हर्ष व्याप्त है. कार्यकताओं ने खुशी जताते हुए कहा कि इनकी अगुवाई में भाजपा का संगठन मजबूती के साथ उभरेगा.

बच्चों ने मानसून मल्हार कार्यक्रम किए प्रस्तुत

बोकारो। डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-6 में बारिश के मौसम में मानसून फिस्ता मल्हार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसमें बालवाटिका- 1,2 एवं 3 तथा कक्षा पहली और दूसरी के नन्हें मुन्ने बच्चों ने भाग लिया. कार्यक्रम मानसून के चार प्रमुख बिंदुओं वर्षा ऋतु, इन्द्रधनुष, श्रावणी मेला, कृषि एवं किसानों पर केंद्रित था. कार्यक्रम में भाग लेने नन्हें मुन्हें बच्चों समेत शिक्षक-शिक्षिका नीले रंग के वस्त्र में आए थे. कक्षा प्रथम के बच्चों ने बोलबम के नारे लगाते हुए कांवर लेकर भगवान शिव की स्तुति की. कक्षा दूसरी के छात्रों ने किसाने के वेश में खेती करते हुए अपनी खुशियों का इजहार किया. शिक्षिका भावना घले व अराधना के निर्देशन में बाल वाटिका के छात्रों ने नीले आसमान, सतरंगी इंद्रधनुष, काले-काले बादल, तारें, सूर्य और चंद्रमा को दिखाया.

कांवरियों के लिए निःशुल्क सेवा शिविर का आयोजन

देवघर। आर.एस.वर्ल्ड.के द्वारा हर वर्ष कि भांति इस वर्ष भी बाबाधाम धाम देवघर में आए कांवरियां बंधुओं के लिए निःशुल्क सेवा शिविर का आयोजन खिजुरिया देवघर में किया गया है. जिसमें बाबाधाम आये सभी भक्तों के लिए मेडिकल,फलाहार एवं शुद्ध पेयजल की विशेष व्यवस्था की गई थी. जिसमें अनिता सेवा सदन एंड डेन्टल क्लिनिक का हर वर्ष विशेष सहयोग रहता है. बताते चलें कि हर वर्ष श्रावणी मेला के दौरान सैकड़ों की संख्या में सेवा शिविर विभिन्न संगठनों के द्वारा लगाया जाता है और निस्वार्थ भाव से लोग श्रद्धालुओं की सेवा करते हैं. इसी क्रम में आर.एस. वर्ल्ड के सदस्य भी प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी कांवरियों के लिए सेवा भाव से लगे हुए हैं. आयोजन को सफल बनाने में मुख्य रूप से डॉ. कुमार मोहन,आर.एस. वर्ल्ड के संस्थापक रामानुज कुमार साह,नितेश झा,विरेंद्र राय आदि का सहयोग सराहनीय रहा.

स्वास्थ्य विभाग किया डायरिया ग्रस्त गांव का दौरा

गावां (गिरिडीह)। गावां प्रखंड के बादीडीह में गुरुवार की रात डायरिया के प्रकोप फैल गया. करीब एक दर्जन लोग इसकी चपेट में आ गए. उल्टी व दस्त की शिकायत होने पर देर रात सभी को स्वास्थ्य केंद्र गावां लाकर इलाज किया गया. दो मरीजों की हालत गंभीर देखते हुए गिरिडीह रेफर किया गया. शुक्रवार की अहले सुबह स्वास्थ्य विभाग ने टीम भेजकर सभी लोगों की जांच और इलाज की. ग्रामीणों के अनुसार गांव में चापानल नहीं होने के कारण अधिकांश लोग कुएं के पानी पीते हैं. बारिश के मौसम में कुएं में गंदा पानी प्रवेश कर गया है, जिसे पीने से लोग बीमार पड़ गए हैं. इस मामले में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. महेश्वरम ने कहा कि रात में बादीडीह गांव में डायरिया फैलने की सूचना मिली थी. रात में ही एम्बुलेंस भेजकर सभी प्रभावित लोगों को केंद्र में लाकर इलाज किया गया. शुक्रवार की सुबह कैम्प लगाकर जांच और इलाज की गई. उन्होंने कहा कि डायरिया पर नियंत्रण पा लिया गया है.

स्कूली बच्चों ने परंपरागत नृत्य प्रस्तुत कर सामूहिक एकता, प्रेम का दिया संदेश

विश्व आदिवासी दिवस पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

संवाददाता ।बोकारो

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बोकारो इस्पात नगर स्थित संत ज़ेवियर्स स्कूल में शुक्रवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्कूल के प्राचार्य फादर अरुण ने कहा कि आदिवासी प्रकृति के करीब रहने वाला समाज है. पर्यावरण संरक्षण में इस समाज की भूमिका अहम है. विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने परंपरागत आदिवासी नृत्य जैसे कर्मा, झूमर और अन्य प्रस्तुत कर सामूहिक एकता, पर्यावरण संतुलन और प्रेम का संदेश दिया. कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत जानी शिकार नृत्य रहा. निर्णायक मंडली ने स्कूल प्रबंधन को सुंदर आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी. चंद्रिमा रे ने परिणाम घोषित किया. मिडिल स्कूल में लोयोला हाउस प्रथम, ब्रिटो हाउस द्वितीय और जेवियर्स हाउस एवं गोंजागा हाउस तृतीय स्थान पर रहे. हाई स्कूल और प्लस टू में भी लोयला हाउस का दबदबा रहा. लोयला हाउस के विद्यार्थियों ने बेहतर प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया. जेवियर द्वितीय और ब्रिटो तृतीय स्थान पर रहे. वहीं गोनजागा हाउस अंतिम स्थान पर रहा. छात्र परिषद् की सदस्या सानिया ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए विद्यालय प्रबंधन, सभी स्कूल के शिक्षकों, दर्शकों और कर्मचारियों के प्रति आभार प्रकट किया. कार्यकम का संचालन रीशॉन, शरबीन, स्वस्तिका, रुद्रांश, नितिन व वर्षिका ने किया. निर्णायक मंडली में सुनीता मिंज, एंजेलस, रजिता एक्का और सुप्रिया मनीषा होरो शामिल थीं.

155.29 एकड़ सामुदायिक वन पट्टा का वितरण

- बरमसिया पंचायत अंतर्गत रघुनाथपुर गांव को 18.50 एकड़

साहिबगंज। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर शुक्रवार को उप विकास आयुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में डीडीसी सतीश चंद्रा, वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग और जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद आनन्द ने संयुक्त रूप से सामुदायिक वन पट्टा का वितरण किया. बरहेट प्रखण्ड के बरमसिया पंचायत अंतर्गत रघुनाथपुर गांव को 18.50 एकड़, भोगनाडीह पंचायत के बड़ा दलदली ग्राम को 6.29 एकड़ और सिमड़ा पंचायत के सिमड़ा गांव को 31.32 एकड़ वन पट्टा का वितरण किया गया.
वहीं बरमसिया पंचायत अंतर्गत ग्राम करमटो पहाड़ में मुख्यमंत्री राज्य स्तरीय कार्यक्रम में वन पट्टा वितरित करेंगे.

कार्यक्रम का आयोजन

पीरटांड़। विश्व आदिवासी दिवस पर गिरिडीह के पीरटांड़ प्रखंड स्थित शहीद सिद्हो-कानू स्कूल मैदान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में आदिवासी और गैर आदिवासी समाज की भागीदारी रही. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गिरीडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू थे. कार्यक्रम में बीडीओ मनोज कुमार मरांडी, सीओ ऋषिकेश मरांडी, प्रमुख सविता टुडू समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित हुए. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि देश की सांस्कृतिक विविधता में आदिवासी समाज का महत्वपूर्ण योगदान है.

अवैध बैरल खदान के सुरंगों को वन विभाग ने किया ध्वस्त

गावां (गिरिडीह)। गावां वन क्षेत्र अंतर्गत असुरहड्डी के जंगलों में संचालित अवैध छोटे बड़े बैरल खदान के सुरंगों को वन विभाग की टीम द्वारा लोकाय थाना की पुलिस की मौजूदगी में जेसीबी मशीन द्वारा जमींदोज किया गया . इस संबंध में जानकारी देते हुए गावां वन क्षेत्र पदाधिकारी अनिल कुमार ने कहा कि गुप्त सूचना मिली थी कि उक्त जंगल में अवैध बैरल पत्थर का उत्खनन किया जा रहा है . जिसके बाद कार्रवाई करते हुए उक्त छोटे बड़े सुरंगों को जेसीबी मशीन के माध्यम से ध्वस्त किया गया है . साथ ही उन्होंने कहा कि वन भूमि पर किसी प्रकार का भी अवैध उत्खनन होने नहीं दिया जाएगा . वहीं वन अपराधियों के विरुद्ध वन अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी . इस कार्रवाई में लोकाई थाना के एसआई सतीश कुमार, वन परिसर पदाधिकारी पवन कुमार चौधरी, उप वन परिसर पदाधिकारी सुनील हेंब्रम, राजेंद्र प्रसाद आदि शामिल थे .

गुजरात के सूरत में उठा पेट दर्द, बिहार में हुई मौत

आर्थिक तंगी से चिता नसीब नहीं, शव को दफनाया गया

संवाददाता ।तिसरी (गिरिडीह)

गिरिडीह जिले के तिसरी प्रखंड निवासी एक प्रवासी मजदूर की मौत हो गई है. मृतक मजदूर का नाम गम्हारियाटांड़ निवासी किशुन तुरी का पुत्र राहुल कुमार (22) है. वह गुजरात के सूरत में काम कर रहा था. अपने परिवार की आर्थिक स्थिति खराब देख वह पिछले ही माह कमाने निकला था. इस परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी खराब है कि माता-पिता अपने पुत्र का दाह संस्कार नहीं कर शव को मिट्टी में दफना दिया. मृतक की मां गीता देवी के अनुसार एक माह पहले ही उसका लाड़ला रोजगार की तलाश में गुजरात के सूरत गया था, जहां वह अपने भाई छोटू कुमार के साथ एक केमिकल फैक्ट्री में काम करने लगा. काम के दौरान अचानक उसके पेट में दर्द हुआ. कंपनी के मैनेजर ने तत्काल पेट दर्द की दवाइयां दी, लेकिन तबीयत में सुधार नहीं हुआ. उसने अपने छोटे भाई को तबीयत खराब होने की बात बताकर घर लौटने की इच्छा जताई. फिर दोनों भाई सूरत से घर के लिए निकल पड़े. ट्रेन से उतरने के बाद दोनों घर आने के लिए बस पकड़ी. बिहार के औरंगाबाद में बस में ही राहुल ने दम तोड़ दिया. राहुल के भाई छोटू कुमार ने बताया कि औरंगाबाद में बस के ड्राइवर ने शव लाने से मना कर दिया. मेरे पास पैसे कम थे. उसने अपने माता-पिता को फोन कर भाई के मौत होने की जानकारी दी. आनन-फानन में माता ने कर्ज लेकर बेटे को ऑनलाइन पैसे भिजवाए. इसके बाद निजी एम्बुलेंस से शव उसके घर लाया गया. राहुल की मां गीता देवी के अनुसार उसके घर की आर्थिक स्थिति काफ़ी दयनीय है. उनके पति बुजूर्ग हो चुके हैं तथा अक्सर बीमार रहते हैं. पुत्र राहुल ही कमाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था. पैसे की कमी के कारण अपने पुत्र को अग्नि संस्कार नहीं कर मिट्टी में दफन कर दिया. बेटे के क्रिया कर्म के लिए पैसे नहीं हैं. पुत्र का शव मंगाने के लिए पहले ही कर्ज ले रखी हूं. ऐसे में अंतिम संस्कार कैसे करें? गीता देवी ने बेटे का क्रिया कर्म करने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन और आम व खास लोगों से मदद की गुहार लगाई है. बता दें कि यह गरीब दलित परिवार है. दलित परिवार होने के बावजूद अबतक सरकारी आवास का लाभ नहीं मिला है. पूरा परिवार मिट्टी के पुराने घर में ही रहने को मजबूर है.

रोजगार के अभाव में मजदूरों का होता है पलायन

बताते चलें कि तिसरी प्रखंड क्षेत्र में रोजगार की मुकम्मल व्यवस्था न रहने के कारण मजदूरों का पलायन जारी है. दो वक़्त की रोटी के लिए क्षेत्र से भारी संख्या में मजदूर रोजगार की तलाश में दिल्ली, मुंबई, गुजरात, हैदराबाद जैसे बड़े शहरों की ओर जाते हैं. इन शहरों में कभी हादसे में तो कभी तबीयत बिगड़ने पर उचित इलाज नहीं होने से मजदूरों की मौत हो जाती है. ऐसे में राज्य सरकार, सांसद और विधायक इस क्षेत्र में रोजगार की व्यवस्था करे, जिससे मजदूरों का पलायन रूके.

फंदे से लटकता विवाहिता का शव बरामद, आत्महत्या की आशंका

खास बातें

- इसी वर्ष मार्च में किया था प्रेम विवाह
- पति हैदराबाद में करता है मजदूरी

संवाददाता ।गावां (गिरिडीह)

गावां थाना क्षेत्र के नीमाडीह पंचायत स्थित कामता घोड़मारो गांव में कमरे के अंदर साड़ी के फंदे से झूलता विवाहिता करीना देवी (19) का शव बरामद किया गया. मृतका का मायके धनवार थाना क्षेत्र के डुमरडीहा है. बताया जाता है कि महिला ने इसी वर्ष मार्च में श्रवण दयाल से प्रेम विवाह किया था. श्रवण हैदराबाद में मजदूरी करता है. फिलहाल वह घर आया था. शुक्रवार को वह पुनः हैदराबाद के लिए निकला. पत्नी करीना देवी भी साथ ले जाने की जिद्द कर रही थी. श्रवण की मां मां मीना देवी अपने बेटे को गाड़ी पकड़वाने स्टेशन तक गई. पुत्र को गाड़ी मे चढ़ाकर जब वह घर लौटी तो अंदर से दरवाजा बंद था . दरवाजा खटखटाने पर अंदर से आवाज नहीं आई. खिड़की से झांकने पर साड़ी के फंदे से लटकता करीना के शव को देखा. उसके शोर मचाने पर आस-पास के लोग जमा हुए. तत्काल घटना की सूचना गावां थाना को दी गई. खबर पाते ही थाना प्रभारी के निर्देश पर एसआई पिंकू सिंह घटनास्थल पर पहुंचे तथा दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से नीचे उतारा. पुलिस ने शव के बगल में खाट पर रखा हुआ मोबाइल अपने कब्जे में ले लिया. समाचार लिखे जाने तक घटनास्थल पर पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही थी. आसपास के लोगों को आशंका है कि यह आत्महत्या का मामला है.

रोटरी क्लब मिडटाउन कपल्स ने अनाथ बच्चों को कराया भोजन

बोकारो। रोटरी क्लब ऑफ बोकारो मिडटाउन कपल्स ने अपने कार्यक्रम अन्नपूर्णा दिवस के अवसर पर तथा क्लब के पूर्व अध्यक्ष साजन कपूर के पिता सतनाम कपूर की 39 वीं पुण्यतिथि पर मानव सेवा आश्रम में अनाथ बच्चों को भोजन कराया. क्लब के अध्यक्ष रंजन गुप्ता ने कहा कि हम सभी को मिलकर जरूरतमंदों और दिव्यांगों को यथासंभव मदद करनी चाहिए. क्लब के सचिव पुनीत जोहर ने कहा कि रोटरी मिडटाउन कपल्स इस वर्ष 2024 को अन्नपूर्णा दिवस मनाने का संकल्प लिया है. साजन कपूर ने कहा कि रोटरी इंटरनेशनल गरीबों और बेसहारा लोगों के उत्थान के लिए दृढ़ संकल्पित है. मौके पर क्लब के अध्यक्ष रंजन गुप्ता, सचिव पुनीत जोहर, कोषाध्यक्ष राजा जैन, मोहित अग्रवाल समेत क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित थे.

जंगली हाथियों का उत्पात कई घरों को किया क्षतिग्रस्त

संवाददाता ।डुमरी (गिरिडीह)

डुमरी प्रखंड के मधगोपाली पंचायत अंतर्गत आदिवासी बहुल गांव बोरवापानी में जंगली हाथियों के झुंड ने गुरूवार की देर रात उत्पात मचाया. इस दौरान हाथियों ने कच्चे मकान को क्षतिग्रस्त कर दिया और घर में रखे अनाज चट कर गए. हाथियों के उपद्रव की खबर पाकर आजसू पार्टी के केन्द्रीय महासचिव यशोदा देवी, भाजपा नेता सुरेन्द्र कुमार, मुखिया जागेश्वर महतो, सामाजिक कार्यकर्ता शंकर महतो ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की तथा वन विभाग से मुआवजा देने की मांग की. इसके अलावा हाथियों ने बोरवापानी निवासी मखनलाल टुडू की गुमटी को भी क्षतिग्रस्त कर गुमटी में रखे लगभग 30 हजार रुपए का सामान बर्बाद कर दिया. हाथियों ने सवना सोरेन, नेमचंद सोरेन, रामलाल सोरेन और चरकू सोरेन के घर को भी नुकसान पहुंचाया है. वही घुटवाली गांव निवासी डेगलाल महतो, मुन्ना सिंह एवं मीना देवी के घर को भी हाथियों ने क्षतिग्रस्त किया है.

दो साइबर अपराधी गिरफ्तार

पिछले 9 महीने में 264 साइबर अपराधी भेजे गए जेल

खास बातें

- दोनो साइबर अपराधियों को पुलिस ने भेजा जेल

संवाददाता ।गिरिडीह

गिरिडीह पुलिस ने दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. इनके पास से दो मोबाइल और चार सिम कार्ड भी बरामद किया गया. गिरफ्तार साइबर अपराधियों के नाम नवडीहा ओपी क्षेत्र के बेहराडीह निवासी दीपक कुमार मंडल (21) और उमेश कुमार मंडल है. दोनों की गिरफ्तारी गिरिडीह एसपी दीपक कुमार शर्मा को मिली सूचना के आधार पर हुई. एसपी को जानकारी मिली थी कि दो युवक साइबर ठगी कर रहा है. गिरफ्तारी के लिए साइबर थाना प्रभारी अजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम गठित की गई. टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया.
पुलिस टीम में एसआई पुनीत कुमार गौतम,एएस आई गजेंद्र कुमार, आरक्षी दामोदर प्रसाद मेहता और अरुण कुमार शामिल थे . गिरिडीह पुलिस ने पिछले 9 महीनों में साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है . इस दौरान 264 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है . वहीं साइबर अपराधियों के पास से 621 मोबाइल, 811 सिम कार्ड, 277 एटीएम व पासबुक, 10 चेकबुक,41 पेनकार्ड,70 आधार कार्ड, 45 वाहन, 3 आई पैड, 4 लेपटॉप और 14 लाख 56 हजार 310 रुपए नगद बरामद किए जा चुके हैं.

बारिश में मकान की दीवार गिरी, दो बच्चियां जख्मी

बिरनी (गिरिडीह)। बीती रात हुई तेज बारिश में बिरनी प्रखंड के चोंगाखार पंचायत अंतर्गत ग्राम चरगो में रीतलाल कोड़ा के मकान का दीवार गिर पड़ा, जिससे घर में सोई उसकी दो बच्चियां फुलू कुमारी (14) एवं चांदनी कुमारी (10) दब गई. दीवार के नीचे दबने से दोनों को मामूली चोट आई है. आदिवासी परिवार से ताल्लुक रखने वाला रीतलाल कोड़ा अत्यंत गरीब है. वह मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है. उसके परिवार में कुल पांच सदस्य हैं, जिसमें तीन पुत्रियां हैं. पीएम आवास सूची में नाम नहीं रहने के कारण वह टूटे-फूटे मकान में रहने पर मजबूर था. उस मकान की भी दीवार गिर चुकी है. हालांकि आबुआ आवास योजना के तहत उसे मकान की स्वीकृति मिली है. आवास की दीवार करीब 5 फिट तैयार हो चुका है, लेकिन ढ़लाई होने में अभी देर है.

नए सिविल सर्जन ने पदभार किया ग्रहण

साहिबगंज। ज़िला के 41वें सिविल सर्जन के रूप में डॉ. प्रवीण कुमार संथालिया ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण किया. उन्होंने निवर्तमान सिविल सर्जन डॉ. अरविंद कुमार से पदभार लिया. इससे पहले डॉ. संथालिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहरवा में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के पद पर कार्यरत थे. पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाना है. मौके पर डीएस डॉ. रंजन कुमार, डॉ. किरण माला, डॉ. मोहन मुर्मू, डॉ. राजेश, डॉ. शिवम शर्मा, डॉ. रणविजय कुमार, डीपीएम हिना गौरव वर्णवाल, डीडीएम अमित कच्छप, आईडीएसपी डीडीएम मो. तौफ़ीस अहमद समेत सिविल सर्जन कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित थे.

भाजपा का 11 अगस्त से हर घर तिरंगा अभियान

गोड्डा। आजादी का जश्न मनाने और राष्ट्रवाद का अलख जगाने के उद्देश्य से भाजपा की गोड्डा जिला इकाई 11 से 14 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाएगी. पार्टी की ओर से जिले के तीन विधानसभा क्षेत्रों गोड्डा, महगामा और पौडेयाहाट में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव मिश्रा ने शुक्रवार को पार्टी कार्यालय में यह जानकारी दी. कहा कि हर घर तिरंगा अभियान की सफलता के लिए गोड्डा जिला भाजयुमो की चार सदस्यीय टीम बनाई गई है. भाजयुमो जिलाध्यक्ष सौरभ सुमन के सहयोगी के रूप में तिरंगा अभियान के संयोजक और सह संयोजक की एक कमेटी बनाई गई है. नीतीश सिंह अभियान के संयोजक तथा कुणाल वर्मा एवं संतोष भगत सह संयोजक बनाए गए हैं.

बोकारो में यात्रियों को मिली क्यूआर कोड की सुविधा

बोकारो। यात्रियों की सुविधा और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बोकारो सहित आद्रा रेल मंडल के सभी अनारक्षित टिकट काउंटरों पर अब क्यूआर कोड के माध्यम से भुगतान की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है. इस नई व्यवस्था के तहत यात्री अब क्यूआर कोड को स्कैन करके कैशलेस तरीके से अपने टिकट का भुगतान कर सकते है. इसको लेकर आद्रा रेल मंडल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी की है. इसमें बताया गया है कि यह पारदर्शी और सुरक्षित लेन-देन को प्रोत्साहित करने के लिए उठाया गया कदम है. क्यूआर कोड के माध्यम से भुगतान की यह सुविधा यात्रियों को आसानी से और तेजी से टिकट प्राप्त करने में मदद करेगी.

वन सुरक्षा समितियों को मिला सम्मान

कसमार (बोकारो)। वन सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए वन विभाग ने रांची में आयोजित 75वें वन महोत्सव के दौरान बोकारो जिले के कसमार, पेटरवार, जरीडीह व गोमिया आदि प्रखंडों की विभिन्न वन सुरक्षा समितियों के अध्यक्षों को सम्मानित किया है. इनामें पेटरवार प्रखंड अंतर्गत उतासारा वन सुरक्षा समिति के अध्यक्ष हुबलाल महतो को दस हजार रुपये का चेक तथा धोती देकर सम्मानित किया गया. इसके अलावा कसमार प्रखंड वन सुरक्षा समिति सह पाड़ी वन सुरक्षा समिति के अध्यक्ष गंगाधर महतो, डाभाडीह वन सुरक्षा समिति के अध्यक्ष नकुल मुंडा, जरीडीह प्रखंड स्थित रोरिया वन सुरक्षा समिति के अध्यक्ष नंदलाल महतो तथा गोमिया के विजय कुमार गुप्ता भी सम्मानित होने वालों में शामिल हैं. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के हाथों सभी सम्मानित हुए.

बिना बोरिंग किए जलमीनार का निर्माण

खास बातें

- बीस सूत्री अध्यक्ष ने की कार्रवाई की मांग
- दो महीने से बनी है शोभा की वस्तु

संवाददाता ।गावां (गिरिडीह)

गावां प्रखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्र हरदिया में दो माह पूर्व नल जल योजना के तहत निर्मित जलमीनार विभागीय और संवेदक के लापरवाही के कारण शोभा का वस्तु बन कर रह गई है. हैरानी की बात यह है कि इस जलमीनार का निर्माण बिना बोरिंग किए ही कर दिया गया. इस संबंध में गावां प्रखंड के बीस सूत्री अध्यक्ष अजय कुमार सिंह ने बताया कि पिछले दो माह पूर्व वह क्षेत्र भ्रमण के दरम्यान आदिवासी बहुल गांव हरदिया पहुंचे थे, जहां कैलू सोरेन के घर के समीप यह जलमीनार नजर आया. ग्रामीणों ने बिना बोरिंग कराए ही जलमीनार निर्माण कराने की शिकायत की. उन्होंने बीस सूत्री की बैठक में इस मामले को उठाया. पीएचईडी विभाग के जेई ने एक सप्ताह में बोरिंग कराकर जलमीनार चालू कराने का आश्वासन दिया. वहीं शुक्रवार को इस संबंध में जेई से पूछा गया तो उन्होंने जलमीनार चालू होने की बात कही. हकीकत जांचने हरदिया पहुंचे तो स्थिति जस की तस मिली. बीस सूत्री अध्यक्ष ने बताया कि प्रखंड में एक जलमीनार की जांच करने पर विभागीय और संवेदक की लापरवाही नजर आई तो पूरे प्रखंड का क्या हाल होगा? उन्होंने विभाग के वरीय अधिकारियों से पूरे प्रखंड में नल जल योजना के तहत निर्माण किए गए सभी जलमीनारों की जांच करने की मांग की है. वहीं इस संबंध में पूछे जाने पर पीएचईडी विभाग के जेई जितेंद्र कुशवाहा ने फोन पर बताया कि संबंधित संवेदक को पानी का कनेक्शन शुरू करने का निर्देश दिया जा चुका है. पानी की सप्लाई शुरू नहीं होने पर मामले की जांच की जाएगी. वहीं बिना बोरिंग किए जलमीनार निर्माण की बात पूछे जाने पर उन्होने कहा कि जलमीनार का निर्माण दो तरीके से किया जाता है. पहला बोरिंग कराकर तथा दूसरा आसपास के चापानल से पेयजल की आपूर्ति की जाती है. वहीं भुगतान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि संवेदक को राशि का भुगतान नहीं किया गया है. मौके पर बीस सूत्री सदस्य सोनू कुमार, जेएमएम कार्यकर्ता शिव नारायण राउत समेत कई ग्रामीण उपस्थित थे.

आरसीएमयू की बैठक 12 अगस्त को

कथारा। सीसीएल कथारा क्षेत्र के महाप्रबंधक शाखा कार्यालय में आरसीएमयू से जुड़े पदाधिकारी एवं सदस्यों की बैठक आगामी 12 अगस्त को होगी. बैठक के आयोजन को लेकर क्षेत्रीय स्तर के पदाधिकारी द्वारा शाखा समिति के लोगों के साथ विचार विमर्श हुआ. बैठक की अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष अजय कुमार सिंह की संचालन क्षेत्रीय सचिव विल्सन फ्रांसिस के द्वारा किया गया. कार्यक्रम में क्षेत्र के कार्यकारी अध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह ने कहा संगठन की मजबूती और श्रमिक समस्याओं का निराकरण संगठन के पदाधिकारी का दायित्व है पदाधिकारी अपने दायित्व का निर्वाह बहुत मजबूती के साथ करने का प्रयास करें. संगठन के पदाधिकारी के बदौलत श्रमिकों का विश्वास संगठन के प्रति इस बात को प्रमाणित करता है कि सबसे बड़े श्रमिक संगठन के रूप में संगठन के साथ मजदूरों का जुड़ाव है. जिसके कारण सबसे बड़े सदस्य संख्या वाला संगठन क्षेत्र में आरसीएमयू है.

वक्फ विधेयक और सियासत

संसद के जारी मानसून सत्र में केन्द्र सरकार ने वक्फ़ बोर्ड कानूनों में संशोधन करने के उद्देश्य से गुरुवार को विधेयक पेश किया, जिसका विपक्ष ने जबर्दस्त विरोध किया. इसके साथ ही सरकार में सहयोगी दल टीडीपी का रवैया भी खुलकर समर्थन देने वाला नहीं रहा. बल्कि टीडीपी सांसद जीएम हरीश बालयोगी ने विधेयक के लिए अपनी पार्टी का सशर्त समर्थन करते हुए कहा कि अगर वक्फ़ संशोधन विधेयक को आगे की जांच के लिए संसदीय समिति को भेजा जाता है तो वे इसका विरोध नहीं करेंगे. टीडीपी के इस हस्तक्षेप और इंडिया ब्लॉक के कड़े विरोध के बाद इस विधेयक को संसदीय समिति को भेजने का फैसला लिया गया. यह एक तरह से संसद में मोदी सरकार के लिए बड़ा झटका है. सरकार का कहना है कि संशोधन कानून के जरिये वक्फ़ बोर्ड को मिले असीमित अधिकारों को नियंत्रित किया जायेगा, उसके कामकाज को पारदर्शी बनाया जायेगा और उसमें सभी वर्गों, खासकर महिलाओं एवं कमजोर वर्ग के मुसलमानों की भागीदारी बढ़ाई जायेगी. दूसरी तरफ़ विपक्षी दलों का मानना है कि इसके पीछे सरकार की मंशा साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण करने की है और वक्फ़ बोर्ड की जमीनों को हथियाना है. इस पर चर्चा जारी है, लेकिन यदि संख्या बल के आधार पर सरकार इसे पास कराने में कामयाब होती है तो यह अल्पसंख्यकों में असंतोष और निराशा का एक और कारण बनेगा. मूलतः 1955 में लागू किये गये और साल 2013 में संशोधन के साथ जारी बोर्ड कानून में फिर से बदलाव के अनेक प्रस्ताव हैं. बेहतर कामकाज और संचालन के नाम से 44 संशोधन लाए जाने की सरकार की तैयारी है. सरकार के मुताबिक इस संशोधन द्वारा केंद्रीय पोर्टल और डेटाबेस के जरिये वक्फ़ के पंजीकरण को व्यवस्थित करना है. इसमें प्रस्ताव है कि किसी भी संपत्ति को वक्फ़ संपत्ति के रूप में दर्ज करने से पहले सभी संबंधितों को नोटिस देना होगा और इसमें राजस्व कानूनों के अनुसार कार्रवाई होगी. सरकार का तो कहना है कि संशोधन विधेयक का उद्देश्य बोर्डों के कामकाज में जवाबदेही और पारदर्शिता लाना तथा महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना है. सरकार का दावा है कि यह संशोधन मुस्लिम समुदाय की मांग पर किया जा रहा है, जबकि विरोधी दल मानते हैं कि रजिस्ट्रेशन की नयी प्रणाली बोर्डों को परेशान करेगी एवं उनमें शासकीय दखलंदाजी बढ़ाएगी. उनकी शक्तियों में कटौती होगी, जो धार्मिक कामकाज में सरकार के हस्तक्षेप जैसा होगा. वक्फ़ बोर्ड कानून 2013 के संशोधन में वक्फ़ बोर्डों को व्यापक शक्तियां देता है. इसलिए भाजपा को इससे तकलीफ़ है. वक्फ़ अधिनियम, 1995 (2013 में संशोधित) की धारा 3 के तहत 'वकीफ़' (जो मुस्लिम कानून द्वारा धार्मिक या धर्मार्थ के रूप में मान्यता प्राप्त किसी भी उद्देश्य के लिए संपत्ति समर्पित करता है) द्वारा 'औकाफ़' (दान की गई और वक्फ़ के रूप में अधिसूचित संपत्ति) को नियमित करने के लिए बना था. 1954 का अधिनियम पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान वक्फ़ के कामकाज हेतु प्रशासनिक संरचना देने के उद्देश्य से बना था. तब वक्फ़ बोर्डों के पास शक्तियां थीं, जिनमें ट्रस्टियों और मुतवल्लियों (प्रबंधकों) की भूमिकाएं भी शामिल थीं.

> सरकार का दावा है कि यह संशोधन मुस्लिम समुदाय की मांग पर किया जा रहा है, जबकि विरोधी दल मानते हैं कि रजिस्ट्रेशन की नयी प्रणाली बोर्डों को परेशान करेगी एवं उनमें शासकीय दखलंदाजी बढ़ाएगी.

सुभाषित

परवाच्येषु निपुणः सर्वो भवति सर्वदा।
आत्मवाच्यं न जानीते जानन्नपि च मुह्मति।।

हर एक मनुष्य दूसरे के दोष दिखाने में प्रवीण होता है. अपने खुद के दोष या तो उसे नजर नहीं आते या फिर वह उन दोषों को अनदेखी करता है. यदि मनुष्य अपने दोषों को स्वयं देखकर मूल्यांकन करे और उसके अनुरूप आचरण करे तो सबका कल्याण हो.

झारखंड, असम और बांग्लादेश

छह अगस्त को खबर आयी कि पूर्वी और पश्चिमी कार्बी आंगलोंग जिलों में 'अवैध रूप से बसे लोगों'को बेदखल करने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों की सुरक्षाबलों से झड़प हुई. झड़प इस हद तक हुई कि हवा में ही सही, सुरक्षा बलों को गोलियां दागनी पड़ी. नौ सुरक्षाबलों सहित 44 लोग घायल हुए. 'अवैध रूप से बसे लोग' हैं कौन आखिर? बांग्लादेश से असम की 263 किमी सीमा मिलती है.

• देश-काल

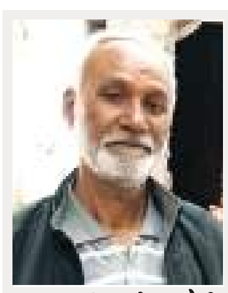

श्याम किशोर चौबे

आषाढ़ तपने के बाद सावन ने हिमालय से लेकर किष्किंधा तक, केदारनाथ से लेकर दिल्ली, रांची, वायनाड तक ऐसा पानी-पानी कर दिया कि 'विकास' को बाल्टियों से उलीचना पड़ा. इसी दौर में विश्वपटल पर एक प्रलयंकारी घटना बांग्लादेश में तख्तापलट के रूप में सामने आयी. पिछली जनवरी में चौथी बार वहां की वजीरेआजम बनीं शेख हसीना वाजेद को बहुत हड़बड़ी में पांच अगस्त की दोपहर महज दो सूटकेस लेकर भारत भागना पड़ा. उनकी कई कहानियां हैं. आयरन लेडी बनने से लेकर तंगहाल बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था ऊंचाइयों पर ले जाने तक, विपक्षी नेताओं को जेलबंद कर चुनाव जीतने तक और काफी हद तक तानाशाह बन जाने तक, पाकिस्तान, चीन, श्रीलंका, नेपाल और म्यांमार जैसे अमित्र देशों से घिरे भारत से मित्रता निभाने तक. अवामी लीग लीडर हसीना को सत्ता से बेदखल करने का प्रत्यक्ष तौर पर युवाओं का आरक्षण विरोधी प्रचंड आंदोलन बांग्लादेश में चल रहा था, जिसे उनके द्वारा दुश्मनी की हद तक विरोधी बनाये जा चुके बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के अलावा 2007 में नागरिक शक्ति नामक राजनीतिक दल के संस्थापक नोबेल प्राइज विजेता मशहूर अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस का परोक्ष समर्थन प्राप्त था. उन्हीं यूनुस को फिलहाल अंतरिम सरकार चलाने की जवाबदेही सौंपी गई है, जबकि हसीना के इस्तीफे और देश छोड़ने के साथ उनकी प्रबल प्रतिद्वंद्वी पूर्व प्रधानमंत्री बीएनपी चीफ खालिदा जिया की जेल से रिहाई कर दी गई. ये वही हसीना वाजेद हैं, जिनके देश से बंगाल, झारखंड, बिहार, असम आदि में व्यापक पैमाने पर घुसपैठियों के घुस आने की खबरें सियासी माहौल में सालोंसाल से तैरती रही हैं. झारखंड में अगले कुछ ही महीनों में विधानसभा का चुनाव होनेवाला है और देश की सत्ता पर लगातार तीसरी मर्तबा काबिज किंतु झारखंड में विपक्ष की भूमिका अदा कर रही भाजपा बांग्लादेशी घुसपैठ को बड़ा एजेंडा बनाये हुए है. मुख्तसर सी चर्चा असम की. छह अगस्त को खबर आयी कि पूर्वी और पश्चिमी कार्बी आंगलोंग जिलों में 'अवैध रूप से बसे लोगों'को बेदखल करने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों की सुरक्षाबलों से झड़प हुई. झड़प इस हद तक हुई कि हवा में ही सही, सुरक्षा बलों को गोलियां दागनी पड़ी. नौ सुरक्षाबलों सहित 44 लोग घायल हुए. 'अवैध रूप से बसे लोग' हैं कौन आखिर? बांग्लादेश से असम की 263 किमी सीमा मिलती है. उसी असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा झारखंड में भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हैं और संतालपरगना में घुसपैठ तथा मतांतरण मामला वे जोरदारी से उठाते हैं. यह कहना ठीक नहीं होगा कि पहले असम को संभालें, लेकिन घुसपैठ गंभीर समस्या है, जिससे सभी को मिलजुलकर निपटना होगा. केंद्र सरकार को विशेष ध्यान देना होगा, क्योंकि बांग्लादेश से अपनी तकरीबन 4,096 किमी सीमा लगी हुई है, जबकि सभी पड़ोसियों संग हमारी 15 हजार किलोमीटर से अधिक तक की सीमाएं जुड़ी हुई हैं. इतनी बड़ी सीमाओं की निगरानी कतई आसान नहीं है, लेकिन करनी तो पड़ेगी.

झारखंड में बांग्लादेशी नहीं हैं, यह नहीं कहा जा सकता. 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान जब पाकिस्तान को हराकर भारत ने बांग्लादेश की स्थापना कराई थी, उस दौर में तकरीबन एक करोड़ शरणार्थी भारत आए थे. बाद के दिनों में भी काम की तलाश में अनेक बांग्लादेशी आते रहे. बिलाशक इनमें से अनेक संताल परगना में भी आते रहे होंगे, क्योंकि इस परगने की सीमाएं बरास्ता बंगाल बांग्लादेश के करीब हैं. बंगाल की 2,216 किमी सीमा बांग्लादेश से जुड़ती है. ऐसे ही, एक अनुमान के अनुसार साढ़े चार लाख झारखंडी बांग्लादेश में दशकों से रह रहे हैं. अवैध तरीके से सीमा पार कर आ बसने या बस जाने का जुगाड़ करनेवालों की शिनाख्त तो की ही जानी चाहिए. झारखंड में हर राजनीतिक गुण-धर्म की सरकारें रही हैं. इसलिए घुसपैठ का दोष किसी एक पर मढ़ना कतई जायज नहीं होगा. सियासी फायदे के लिए ऐसा किया जाता है तो लोकशाही का तकाजा है कि कल के गये यह अगले का भी सिरदर्द साबित होगा. बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट के न्याय निर्णय के बावजूद '71 के संग्रामियों के वारिसों के नाम पर शेख हसीना ने आरक्षण का विष वृक्ष पुराने ढर्रे पर पोषित करते रहने का जो दुस्साहस किया, उसका परिणाम जगजाहिर है. अपने पिता और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान, मां और तीन भाइयों की 1975 में विरोधियों द्वारा हत्या के बाद छह वर्षों तक भारत में निर्वासित सा जीवन बितानेवाली हसीना का 1981 में ढाका में अपार भीड़ ने खैरमकदम किया था. प्रायः 43 वर्षों बाद ठीक विपरीत गुस्सैल मजमों के डर से 76 की उम्र में उनको घर-बार, शान-ओ-शौकत छोड़कर निकल भागने की मोहलत मिल गई, यही क्या कम है?

... और अंत मेंः सरयू राय चार अगस्त को जदयू के हो गये. भाजपा त्यागकर 2019 में उन्होंने बतौर निर्दलीय उम्मीदवार भाजपा के स्टॉलवार्ट नेता, तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास को हराया था. बदले सियासी हालात में उन्होंने आजसू, एनसीपी और एक निर्दलीय विधायक संग मिलकर पांच विधायकों का भारतीय लोकतांत्रिक मोर्चा बनाया, लेकिन उसका अस्तित्व नजर नहीं आया. फिर उनकी पहचान भारतीय जनतंत्र मोर्चा नामक राजनीतिक संगठन के संयोजक के तौर पर बनी. इसी के बैनर तले वे हालिया लोकसभा चुनाव धनबाद से लड़ना चाहते थे, लेकिन विधानसभा चुनाव आते-आते वे तीर छापी हो गये. झारखंड में जदयू अस्तित्व का संकट झेल रहा है. जदयू के प्रतीक पुरुष और सरयू के घनिष्ठ मित्र नीतीश कुमार ने दिल से साथ दिया तो बहुत संभव है कि इस बार के भी विधानसभा चुनाव में सरयू का तीर जमशेदपुर में चल जाए, राज्य में जदयू का जो होना होगा सो होगा.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

कार्य और कारण

एक व्यक्ति ने अपने बगीचे में आम का वृक्ष उगाया,जब उस पर आम लग गये तो, अपने पांच मित्रो को मीठे स्वादिष्ट फ़ल खाने के लिये आमंत्रित किया. सभी फलों का रसास्वादन करते हुए चर्चा करने लगे. वे पांचो अलग अलग मतवादी थे. चर्चा करते हुए प्रथम कालवादी ने कहा, आज जो हम इन मीठे फ़लों का आनंद ले रहे है वह समय के कारण ही सम्भव हुआ. जब समय हुआ पेड बना, काल पर ही आम लगे और पके, समय ही कारण है, हमे परिपक्व आम उपलब्ध हुए. तभी स्वभाववादी बोला, काल इसका कारण नहीं है, जो भी हुआ स्वभाव से हुआ. गुठली का गुणधर्म था आम का पेड बनना, पेड का स्वभाव था उस पर आम लगना, स्वभाव से ही उसमें मधुर रस उत्पन्न हुआ. स्वभाव ही मात्र कारण है. नियतिवादी दोनों की बात काटते हुए बोला, न तो काल ही इसका कारण है न स्वभाव. कितना भी गुठली के उगने का स्वभाव हो और कितना भी काल व्यतीत हो जाय, अगर गुठली के प्रारब्ध में उगना नहीं होता तो वह न उगती, वह सड़ भी सकती थी, किस्मत न होती तो पेड़ अकाल खत्म भी हो सकता था. उसी समय कर्मवादी ने अपना मंतव्य रखते कहा, न काल, न स्वभाव, न नियति ही इसका कारण है, सभी कुछ कर्म-सत्ता के अधीन है. कर्मानुसार ही गुठली का उगना, पेड़ बनना व फ़ल में परिवर्तित होना सम्भव हुआ. हमारे कर्म थे, जिससे इन फ़लों का आहार हम कर रहे हैं, गुठली का वृक्ष रूप उत्पन्न होकर फ़ल देना कर्म-प्रबंध के कारण होते चले गये. अतः कर्म ही मात्र कारण है. अब पुरुषार्थवादी की बारी थी, उध्यमवादी ने कहा, भाइयो, हमारे इन बागानस्वामी ने सारी मेहनत की उसमें ये काल, स्वभाव, नियति और कर्म कहां से आ गये. इन्होंने श्रम से बोया, रखवाली की, खाद व सिंचाई की. सब इनके परिश्रम का ही फ़ल है. बिना श्रम के इन मीठे फ़लों का उत्पन्न होना सम्भव ही नहीं था. जो भी कार्य होता है वह पुरुषार्थ से ही होता है. पांचों ही अपनी अपनी बात खींच रहे थे. तभी बागानस्वामी ने कहा मित्रों आप सभी अपनी अपनी बात पकड कर गलत, मिथ्या सिद्ध हो रहे हो, यदपि आप पांचो का अलग स्वतंत्र अभिप्राय मिथ्या है तथापि आप पांचो के मंतव्य सम्मलित रूप से सही हैं , इन पाँचों कारणो का समन्वय ही सत्य है, कारणभूत है. कोई एक कारण प्रधान हो सकता है और अन्य चार गौण किन्तु पांचों का होना अनिवार्य है.

मध्यवर्ग, कॉरपोरेट सेक्टर और राजनीति

• बजट चर्चा

प्रो. अरुण कुमार

कॉरपोरेट सेक्टर और पिंक पेपर्स ने केंद्रीय बजट 2024-25 का बड़े पैमाने पर स्वागत किया है. कोई हमेशा और अधिक पाने या चाहने की कामना कर सकता है, लेकिन अगर कोई नुकसान नहीं होता है और कोई ठहराव नहीं होता है तो यह राहत की बात होगी. उम्मीद यह की गई थी कि हाल ही में हुए चुनाव नतीजों के बाद सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की अगुआई वाली सरकार बजट में ऐसे उपाय पेश करेगी, जिससे वह आबादी के असंतुष्ट तबके को अपने पाले में वापस ला पाए. इसके लिए बजट का जनता के पक्ष में होना ज़रूरी था- और हमेशा इस किस्म के बजट को भारतीय कॉरपोरेट सेक्टर व्यापार विरोधी बजट के रूप में पेश करता है. उन राज्यों के लिए भी बड़े पैकेज की उम्मीद की गई थी, जहां से सरकार में सत्तारूढ़ पार्टी को समर्थन देने वाले दो प्रमुख गठबंधन सहयोगी आते हैं, अर्थात आंध्र प्रदेश और बिहार. कॉरपोरेट सेक्टर को डर था कि उक्त कार्य करने के लिए अतिरिक्त टैक्स की आवश्यकता होगी, जिससे उनका मुनाफ़ा कम हो जाएगा. मध्यम वर्ग से कोई अतिरिक्त टैक्स नहीं जुटाया जा सका, क्योंकि मांग बढ़ाने और उन्हें सत्तारूढ़ पार्टी के पाले में लाने के लिए उनके करों में कटौती की बात चल रही थी. संक्षेप में, अतिरिक्त राजस्व संगठित क्षेत्र से मिलने की उम्मीद थी, जो वैसे भी अधिकांश करों का भुगतान करता है और सरकार को गैर-कर संसाधन उपलब्ध कराता है. इसके अलावा, महामारी के बाद संगठित क्षेत्र में वृद्धि हुई है, जैसा कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों से पता चलता है, इसलिए अर्थव्यवस्था में इसकी आय का हिस्सा बढ़ गया है और यह अधिक करों का भुगतान करने में सक्षम है. छिपे हुए इरादेइन सब बातों को देखते हुए, चुनाव के बाद का बजट चुनाव-पूर्व बजट से अलग होने की उम्मीद थी. 1 फरवरी, 2024 को पेश किए जाने वाले अंतरिम बजट का इस्तेमाल प्राथमिकताओं में आए बदलावों का आकलन करने के लिए किया जा सकता है. नई प्राथमिकताओं को समायोजित करने के लिए, यदि कोई प्राथमिकता हो भी तो बजट का समग्र आकार बहुत बड़ा होना चाहिए था. 47.66 लाख करोड़ से 48.20 लाख करोड़ तक की वृद्धि का मतलब केवल एक प्रतिशत की वृद्धि है – यह शायद ही कोई बदलाव कहलाएगा. मान लीजिए कि ऐसा इसलिए किया गया, ताकि वित्तीय घाटा न बढ़े. उस स्थिति में, फिर से पुनः प्राथमिकताओं को तय करने की जरूरत थी - प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए आवंटन में पर्याप्त वृद्धि और अन्य व्यय में कटौती करनी थी. लेकिन ऐसा शायद ही देखने को मिले. इस बदलाव की कमी को बड़े बदलावों का दिखावा करके छिपाया जाना था. इसके लिए एक मानक तकनीक यह है कि पांच साल के व्यय लक्ष्य की घोषणा की जाए, जबकि मौजूदा बजट में बहुत कम आवंटन किया जाए. उदाहरण के लिए, बहुत धूमधाम से यह घोषणा की गई है कि 500 सबसे बड़ी कंपनियां एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप प्रदान करेंगी. सुनने में तो बहुत बढ़िया लग रहा है. लेकिन पांच साल से भी ज़्यादा हो गए हैं. इसके अलावा, चूंकि इस योजना को अभी तक पूरी तरह से लागू नहीं किया गया है, इसलिए मौजूदा बजट से शायद ही किसी फंड की ज़रूरत होगी. इसलिए, 10,000 करोड़ रुपये के आवंटन की बिना पर रोज़गार पर काफ़ी चर्चा हुई है. दूसरी तकनीक ऐसी योजनाओं की घोषणा करना है, जिनके लिए बजट में कोई धनराशि नहीं दी जाती है. इन्हें वित्तीय एजेंसियों से ऋण लेकर वित्तपोषित किया जाता है. इसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण आंध्र प्रदेश की अमरावती राजधानी परियोजना के लिए घोषित 15,000 करोड़ रुपए की घोषणा है. यह केंद्र सरकार द्वारा सुविधा प्रदान की गई बहुपक्षीय एजेंसियों से ऋण लेना जैसा होगा. इसलिए बजट में कुछ भी आवंटित करने की जरूरत नहीं है. इसी तरह, बिहार और आंध्र प्रदेश में बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए बड़ी घोषणाओं के लिए अब ज्यादा धन की जरूरत नहीं है. उनके लिए काम शुरू करने के लिए योजनाएं बनानी होंगी और उन्हें पूरा होने में सालों लग सकते हैं. इसलिए, बाद में धन आवंटित करना पड़ सकता है. दरअसल, बताई गई कुछ योजनाएं पहले की हैं जो सुस्त पड़ी थीं और वे आगे भी सुस्त ही रहेंगी.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> कॉरपोरेट सेक्टर को डर था कि उक्त कार्य करने के लिए अतिरिक्त टैक्स की आवश्यकता होगी, जिससे उनका मुनाफ़ा कम हो जाएगा. मध्यम वर्ग से कोई अतिरिक्त टैक्स नहीं जुटाया जा सका, क्योंकि मांग बढ़ाने और उन्हें सत्तारूढ़ पार्टी के पाले में लाने के लिए उनके करों में कटौती की बात चल रही थी.

जब परेशान करे बच्चों की अति चंचलता

• मनोविज्ञान

रेनू गहलोत रॉय

बच्चों का स्वभाव कई तरह का होता है. कुछ बच्चे बहुत शांत प्रकृति के होते हैं तो कुछ बच्चे बहुत चंचल प्रवृत्ति के, किंतु बच्चों का चंचल स्वभाव अत्यधिक होना जब माता-पिता के लिए परेशानी का कारण बन जाता है तो ऐसी स्थिति में बच्चा एक मेडिकल कंडीशन में होता है जिसे हम अटेंशन डिफिसिट हाइपरएक्टिव डिसऑर्डर कहते हैं. इसे ध्यान अभाव सक्रियता विकार नाम से भी जाना जाता है. यह लंबे समय से चल रही ऐसी स्थिति है, जिसमें ध्यान केंद्रित करना मुश्किल होता है. साथ ही, इस स्थिति से ग्रस्त बच्चे बहुत ज़्यादा सक्रिय रहते हैं और बिना सोचे-समझे आवेग में काम करते हैं. एडीएचडी अक्सर बचपन में ही शुरू हो जाता है और वयस्क होने के बाद भी बना रह सकता है. एडीएचडी एक मानसिक स्वास्थ्य विकार है, जो व्यवहार में अति-सक्रियता पैदा कर सकता है. इससे ग्रस्त लोग एक कार्य पर अपना ध्यान केंद्रित करने या लंबे समय तक एक जगह बैठने में परेशानी का सामना कर सकते हैं. लड़कियों की तुलना में लड़को में एडीएचडी की समस्या आम होती है. एडीएचडी से पीड़ित कुछ बच्चों में बिहेवियरल प्रॉब्लम्स भी देखे जा सकते हैं. कई बार ऐसे बच्चों की देखभाल करना या उन्हें कुछ सिखाना अभिभावकों के लिए बेहद मुश्किल हो जाता है. ऐसे बच्चे स्कूल में भी दूसरे बच्चों के साथ जल्दी घुल मिल नहीं पाते हैं और कोई न कोई शरारत करते रहते हैं. एडीएचडी के लक्षण जैसे ध्यान न देना जरूरत से अधिक सक्रियता, असंतोष, चीजें याद रखने में परेशानी, अत्यधिक बातूनी होना, अक्सर दिन में सपने देखना इत्यादि हैं. एडीएचडी का कारण आनुवंशिकता, दिमाग में परिवर्तन, गर्भावस्था के दौरान खराब पोषण, मस्तिष्क की चोट और मिर्गी हो सकता है. एडीएचडी का उपचार मेडिसिन, साइकोथेरेपी, एजुकेशन या ट्रेनिंग से किया जा सकता है. एडीएचडी से पीड़ित बच्चों को ऐसे संभालें. अच्छे काम पर प्रशंसा करने या इनाम देने से बच्चों के व्यवहार को पॉजिटिव किया जा सकता है. यदि ऐसा दिखे कि बच्चा आपा खो रहा है, तो उस पर ध्यान दें और उसे किसी अन्य एक्टिविटी में बिजी कर दें. अन्य बच्चों के साथ खेलने दें. इससे बच्चे को मिलने-जुलने में आसानी होगी, लेकिन यह सुनिश्चित करें कि बच्चा स्वयं पर नियंत्रण न खोए. अपने बच्चे को अच्छी नींद सोने दें. ऐसे बच्चों को कभी-कभी ध्यान देने, सुनने और निर्देशों का पालन करने, शांत बैठने या अपनी बारी का इंतज़ार करने में संघर्ष करना पड़ता है, जो बच्चे असावधान (आसानी से विचलित) होते हैं, उन्हें अपना ध्यान केंद्रित करने, एकाग्रता करने और काम पर टिके रहने में परेशानी होती है. वे निर्देशों को ठीक से नहीं सुन सकते हैं, महत्वपूर्ण विवरणों को याद कर सकते हैं और जो शुरू करते हैं, उसे पूरा नहीं कर सकते हैं. वे दिवास्वप्न देख सकते हैं या बहुत अधिक आलस्य कर सकते हैं. वे विचलित या भुलक्कड़ लग सकते हैं और अपनी चीजों पर ध्यान नहीं दे सकते हैं. अति सक्रिय बच्चे आसानी से ऊब जाते हैं. उन्हें स्थिर बैठने या ज़रूरत पड़ने पर चुप रहने में परेशानी हो सकती है. वे जल्दबाजी में काम कर सकते हैं और लापरवाही से गलतियां कर सकते हैं. वे तब चढ़ सकते हैं, कूद सकते हैं या जब उन्हें नहीं करना चाहिए, तब भी शरारत कर सकते हैं. बिना सोचे-समझे, वे ऐसे काम कर सकते हैं, जिससे दूसरों को परेशानी हो. जो बच्चे आवेगशील होते हैं, वे सोचने से पहले ही बहुत जल्दी काम कर लेते हैं. वे अक्सर बीच में टोकते हैं, धक्का दे सकते हैं या पकड़ सकते हैं और उन्हें इंतज़ार करना मुश्किल लगता है. वे बिना अनुमति के काम कर सकते हैं. ऐसी चीज़ें ले सकते हैं, जो उनकी नहीं हैं या ऐसे तरीके अपना सकते हैं, जो जोखिम भरे हों. उनकी भावनात्मक प्रतिक्रियाएं ऐसी हो सकती हैं, जो स्थिति के लिए बहुत तीव्र लगती हैं. कभी-कभी माता-पिता और शिक्षक बच्चे में एडीएचडी के लक्षण तब देखते हैं, जब वह बहुत छोटा होता है, लेकिन छोटे बच्चों का विचलित, बेचैन, अधीर या आवेगी होना सामान्य बात है- इन बातों का हमेशा यह मतलब नहीं होता कि बच्चे को एडीएचडी है. जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, ध्यान, गतिविधि और आत्म-नियंत्रण धीरे-धीरे विकसित होते हैं. बच्चे माता-पिता और शिक्षकों की मदद से ये कौशल सीखते हैं, लेकिन कुछ बच्चे ध्यान देने, शांत रहने, सुनने या प्रतीक्षा करने में बहुत बेहतर नहीं होते हैं. जब ये चीजें जारी रहती हैं और स्कूल, घर और दोस्तों के साथ समस्याएं पैदा करने लगती हैं तो यह एडीएचडी हो सकता है. अगर आपको लगता है कि आपके बच्चे को एडीएचडी है तो डॉक्टर से मिलें.

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

> एडीएचडी से पीड़ित कुछ बच्चों में बिहेवियरल प्रॉब्लम्स भी देखे जा सकते हैं. कई बार ऐसे बच्चों की देखभाल करना या उन्हें कुछ सिखाना अभिभावकों के लिए बेहद मुश्किल हो जाता है. ऐसे बच्चे स्कूल में भी दूसरे बच्चों के साथ जल्दी घुल मिल नहीं पाते हैं और कोई न कोई शरारत करते रहते हैं.

मीडिया में अन्यत्र

जम्मू-कश्मीर में चुनावों की आहट

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों की तैयारियों के सिलसिले में मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार, आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधु ने श्रीनगर में राजनीतिक दलों के नेताओं से बातचीत शुरू कर दी है. अब यह तय है ि क जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव अगले महीने सितम्बर में होंगे. केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने जम्मू में आयोजित भाजपा के एकात्म महोत्सव रैली को सम्बोधित करते हुए जम्मू-कश्मीर में सितम्बर में चुनाव कराए जाने की बात कही है. चुनाव की तिथियां निर्वाचन आयोग ही तय करेगा. जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाए जाने के 6 वर्ष बाद चुनाव होने जा रहे हैं. पिछला विधानसभा चुनाव 2014 में हुआ था और 2018 में उसे भंग कर ि दया गया था. अनुच्छेद 370 हटाए जाते समय जम्मू-कश्मीर को केन्द्र शासित प्रदेश बना दिया गया था और जम्मू-कश्मीर से लद्दाख को अलग कर उसे भी केन्द्र शासित प्रदेश का दर्जा दे दिया गया था. सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल चुनाव आयोग को 30 सितम्बर 2024 तक जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का आदेश दिया था. निर्वाचन आयोग ने पहले ही स्पष्ट कर ि दया था कि राज्य विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के बाद ही कराए जाएंगे. जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम में 107 विधानसभा सीटों का प्रावधान था, जिसमें 24 सीटें पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) की खाली रखी जाती थी. बाद में डीलिमिटेशन में सीटों की संख्या बढ़ाकर पीओके की 24 सीटों के साथ 114 कर दी गई. जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दल चुनावों को लेकर अपनी-अपनी रणनीति बनाने में जुटे हैं लेकिन चुनावों को लेकर बहुत सारे सवाल भी उठ रहे हैं. चुनावी परिदृश्य अभी भी स्पष्ट होना बाकी है. क्योंकि अभी भी बहुत सारी दुविधाएं मौजूद हैं. भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनावों के तुरन्त बाद ही चुनावों की तैयारियां शुरू कर दी थीं. जम्मू-कश्मीर की 5 लोकसभा सीटों पर 35 वर्ष बाद 58 फीसदी से अधिक वोटिंग हुई जिससे यह स्पष्ट हो गया कि जम्मू-कश्मीर की आवाम की लोकतंत्र में गहरी आस्था है और वह राष्ट्र की मुख्य धारा से अलग नहीं रहना चाहते. जम्मू-कश्मीर की 5 में से सिर्फ 2 लोकसभा सीटें हिन्दू बाहुल्य सीट ऊधमपुर और जम्मू से ही अपने उम्मीदवार उतारे थे और दोनों पर ही उसे जीत हासिल हुई थी. भाजपा ने घाटी की 3 सीटों पर कोई उम्मीदवार खड़ा नहीं किया था. लोकसभा चुनावों में दो पूर्व मुख्यमंत्रियों उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती को बारामूला, अनंतनाग से करारी हार का सामना करना पड़ा था. इस बार लोकसभा चुनाव बीजेपी और एनसी ने एक समान दो-दो सीटों पर जीत हासिल की है. हालांकि वोटिंग शेयर के मामले में बीजेपी 24.32 फीसदी के साथ अव्वल रही है, इसके बाद अन्य उम्मीदवारों ने 23.89 फीसदी वोट शेयर किए जबकि नेशनल कांफ्रेंस ने 22.42 फीसदी वोट शेयर किया. **(पंजाब केसरी)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

झाड़/झाड़ी/झार/झारी

मैंने तो बात बदल कर पल्ला झाड़ लिया, लेकिन वहां जाने पर मुझे झाड़ सुननी पड़ेगी. प्रदूषण उस बाघ के समान है, जो घात लगाए झाड़ी में छिपा बैठा है और कभी भी हम पर हमला करके सब कुछ तहस-नहस कर सकता है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार झाड़ का स्त्रीलिंग के रूप में मतलब है झाड़ने की क्रिया या भाव, गलती हो जाने पर मिलनेवाली फटकार, डांट-डपट, प्रेतबाधा या सांप के जहर को उतारने के लिए मंत्र पढ़ते हुए झाड़ने-फूंकने की क्रिया. वहीं पुल्लिंग के रूप में झाड़ का मतलब है झाड़ी का एक रूप, वह वृक्ष जिसकी डालियां जमीन के पास चारों ओर फैलती हैं, कांटेदार क्षुप, गुंजान, उजाले के लिए प्रयोग किये जानेवाले कांटे से बना झाड़ की आकृति का फानूस, जो छत या शामियाने में लटका कर जलाया जाता है. उक्त आकार का रोशनी करने का शीशे का वह उपकरण जो छत पर सजावट के लिए लटकाया जाता है, आतिशबाजी. झाड़ी तो निश्चित रूप से संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द ही है. झाड़ी की लोकप्रियता झाड़ से अधिक है. कोई भी हिंदी भाषी झाड़ी को छोटे झाड़, झुरमुट, कूची, बलौंछी, एक प्रकार धने उगे हुए कंटीले छोटे वृक्षों या पौधों के समूह के रूप में जानता है. इससे बना शब्द झाड़ीदार विशेषण है. इसका सीधा मतलब है झाड़ीयुक्त, आकार, रूप आदि में छोटे झाड़ की तरह, कंटीला, कांटेदार, वह स्थान जहां झाड़ियां अधिक हों. झाड़ से मिलता जुलता शब्द है झार. झार का मतलब संज्ञा पुल्लिंग के रूप में झुंड, दल, समूह, रसोई का झरना या पौना नामक उपकरण, एक प्रकार का पेड़, संज्ञा स्त्रीलिंग के रूप में स्वाद में तीखे होने की अवस्था या भाव, आग की ज्वाला, लपट, ताप, जलन, मन-संताप और अव्यय के रूप में निपट, निरा, केवल, एक सिरे से, एकदम. इसी शब्द से बनता है झारी, जिसका मतलब है पानी रखनेवाला टोंटीदार बरतन, पानी में अमचूर, जीरा, नमक आदि मिलाकर बनाया जानेवाला स्वादिष्ट पेय.

सुर्खियों में काली स्याही का कमाल

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

ऐसा बहुत कम होता है कि काली स्याही सुर्ख़ियों में हो. लेकिन आजकल है. काली स्याही का सुर्ख़ियों में होना, बड़ी विरोधाभासी चीज़ है. जो स्याह रंग हो, वही तो स्याही है. एक तो स्याही के लिए काली स्याही कहना अपने आप में ही उसके काले होने को अनावश्यक तूल देना है और फिर स्याह को सुर्ख बना देना और भी अजीब लगता है! लाल रंग अपनी चमक से हमारा ध्यान तुरंत खींच लेता है, लेकिन काली स्याही कुछ ऐसा करतब कर बैठे कि हमारा ध्यान उसकी ओर जाए बिना न रहे, तभी काली स्याही का सुर्ख हो जाना समझ में आने वाली बात है –जैसे काली स्याही से लिखने की बजाय, किसी का मुंह काला कर दिया जाए! ऐसा हो सकता है. ऐसा किया जा रहा है. वैसे 'मुंह काला हो जाना', लेकिन यह तो प्रतीकात्मक बात हुई, कोई व्यक्ति जब कोई वर्जित काम, जिसकी स्वीकृति समाज नहीं देता, करता है, तो कहा जाता है कि उसने ऐसा करके अपना मुंह काला कर लिया. मुंह वास्तव में काला नहीं होता, जिस रंग का है –गोरा, भूरा. श्यामला- उसी रंग का बना रहता है. पर लोग हैं कि उन्हें इतने भर से चैन नहीं! वे मुंह काला होने के केवल प्रतीकात्मक अर्थ से संतुष्ट नहीं होते. वे कभी कभी, भले ही अपने मूल प्रतीकात्मक अर्थ में मुंह काला न हो पाए, काली स्याही पोतकर वास्तव में अपनी झल्लाहट के चलते किन्हीं लोगों के मुंह पर काली स्याही पोत देते हैं. गांधी जी ने सत्याग्रह करने के लिए विरोध करने के हमें कई अहिंसात्मक तरीके बताए थे. इन तरीकों में आजकल लगातार इजाफा हो रहा है. काली स्याही सुर्ख़ियों में है. लोगों ने विरोध का यह एक नया अंदाज़ अपना लिया है. कहा जा रहा है कि मुंह पर काली स्याही पोतना भी विरोध करने का एक अहिंसात्मक तरीका है. गोली-बारी से, मार-पीट से, जूतम-पैजार से, यहां तक कि गाली-गलौज से भी यह अधिक अहिंसात्मक है! अधिक प्रजातंत्रात्मक है. यह एक ऐसा तरीका है, जिससे व्यक्ति की काली करतूतें उसके चेहरे पर आ जाती हैं. आ जानी चाहिए. लेकिन अगर काली करतूतें हैं ही नहीं तो भला वे चेहरे पर आ ही कैसे सकती हैं? सोचने की बात है. 'गांधीगीरी' का सोच से कभी कोई लेना-देना नहीं रहा. हमारे देश में कुछ इसी प्रकार की गांधीगीरी इन दिनों चल रही है. खूब गालियां बको, उलटा-सीधा कहो, एक दूसरे को नीचा दिखाओ, नंगई पर उतर आओ, विरोध के ये सभी अहिंसात्मक तरीके मान लिए गए हैं. ईसा मसीह का अनुसरण करते हुए गांधी ने कहा था, अपने पड़ोसी से प्रेम करो. लेकिन उसका यदि विरोध करना हो तो? बहिष्कार कर दो उसका. भले ही फिर वह गुलाम अली जैसा गायक ही क्यों न हो. विरोध का यही अहिंसात्मक तरीका है. पाकिस्तानी लेखक की किताब का विमोचन हो. पूरी कोशिश करो कि वह न हो पाए. विमोचन करवाने वाले के मुंह पर कालिख पोत दो. विरोध का विनम्र तरीका है. ताज्जुब है, विरोध के इन तरीकों में विरोधाभास किसी को नज़र ही नहीं आ रहा है.

बायोस्कोप

हस्ताक्षर

विनोद अनुपम
वरिष्ठ फिल्म स्तंभकार

फिल्म समीक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखने वाले विनोद अनुपम को हाल ही बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम में परामर्शी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है. शुभम संदेश इनकी लेखनी से समृद्ध होता रहा है. इस विशेष उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं व बधाई.

देवरिया से फिल्मी दुनिया में पहुंचे मोती अपने साथ भोजपुरी की मिठास और माटी की महक की सौगात लेकर गए. उनके लिखे गीतों में भोजपुरी संस्कृति का सौन्दर्य खिलता-उभरता और इस नए आस्वादन से फिल्म जगत के श्रोता मुग्ध से हो गए. आठ साल में अस्सी फिल्मों के लिए गीत लिखा और फिर अपने गांव लौट कर आजीवन अपनी भाषा को समृद्ध करते रहे.

मोती के गीतों ने सिनेमा तक पहुंचायी माटी की महक

हिंदी सिनेमा के पुराने गीतों के प्रशंसकों की सूची में एक फिल्म का नाम आमतौर पर आज भी शामिल दिखता है, "नदिया के पार". यह "नदिया के पार" 1948 में रिलीज हुई थी, जब फिल्मिस्तान लोकप्रियता के शिखर पर था, किशोर साहू निर्देशित इस फिल्म में मुख्य भूमिका दिलीप कुमार और कामिनी कौशल ने निभायी थी. कहा जाता है यह फिल्म मोती बीए के कहने पर दिलीप साहब की पहल से बनी थी. सुदूर देवरिया से साहित्य की दुनिया छोड़ कर सिनेमा में गीत लिखने के उद्देश्य से मुंबई पहुंचे मोती बीए के गीतों को प्रतिष्ठित होने में देर नहीं लगी. दिलीप साहब उनकी बात टाल नहीं सके जब उन्होंने प्रस्ताव रखा कि वे ऐसी फिल्म में काम करें जिसके सभी गीत भोजपुरी में हों. दिलीप साहब ने हामी भरी, इस शर्त के साथ कि उस फिल्म के सारे गीत मोती बीए ही लिखेंगे. मोती ने उस फिल्म के लिए आठ गीत लिखे, शीर्षक गीत "मोहे राजा जी ले चल नदिया के पार" को रफी और ललिता ने आवाज दी थी. लोकशैली और पश्चिमी वाद्य के प्रयोग ने इन गीतों से हिंदी सिनेमा को एक नया आस्वाद दिया. उल्लेखनीय है कि "नदिया के पार" में संगीत दिया था, सी. रामचंद्र ने जो पाश्चात्य धुनों के लिए जाने जाते थे.

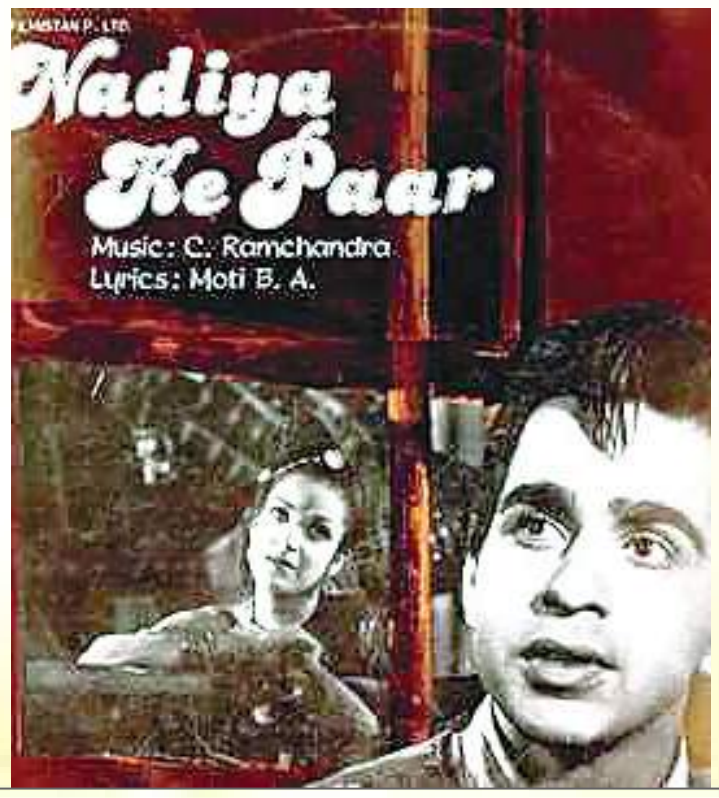

कवि सम्मेलन में मिली उपाधि

पढने लिखने में जहीन मोती का हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, संस्कृत पर समान अधिकार था. बनारस में पढ़ाई करते हुए ही मोती की साहित्यिक अभिरुचि विकसित हुई. इसी समय नागरी प्रचारिणी सभा में आयोजित कवि सम्मेलन में उन्होंने काव्य-पाठ किया और बच्चन जैसे कवियों द्वारा प्रशंसित हुए. यहीं इनके नाम के साथ बीए की उपाधि ऐसी जुड़ी कि,तमाम उपलब्धियां पीछे छूट गईं. मोती ने बनारस में ही पत्रकारिता और सम्पादन की दुनिया में कदम रखा. सन् बयालीस के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उन्हें नज़रबंद भी किया गया. इसी दौरान उनके गीतों की ख्याति सिनेमा तक पहुंची और फिल्मकार दलसुख एम पंचोली ने उन्हें अपनी अगली फिल्म "सुभद्रा" के गाने लिखने मुंबई बुला लिया. माटी की महक और साहित्य की पृष्ठभूमि ने उनके गीतों को एक अलग ही पहचान दी. बाद में वे फ़िल्मिस्तान से भी जुड़े और किशोर साहू के प्रिय गीतकारों में शामिल रहे.

अस्सी फिल्मों के लिए हिट गाने

मोती बीए ने हिंदी सिनेमा के लगभग आठ वर्षों की यात्रा में 80 फिल्मों के लिए गीत लिखे, जिनमें "राजपूत", "साजन", "सिंदूर", "रिमझिम", "राम विवाह", "निर्मल" जैसी फिल्म भी शामिल है. "निर्मल" के सभी आठ गीत मोती ने ही लिखे. शंकर थियेटर मुंबई से बनी इस फिल्म में संगीत बुलो सी रानी ने दिया था. फिल्म के सभी गाने हिट थे, जिसे शमशाद बेगम, गीता दत्त जैसे गायिकाओं ने आवाज दी थी. "रामविवाह" में संगीतकार शंकर राव व्यास ने राजकुमारी से उनके सर्वाधिक हिट गीतों में एक गवाया, जिसे लिखा था मोती ने- हे चंद्रवदन, चंदा की किरण, तुम किसका चित्र बनाती हो....दरबारी पर आधारित यह गीत इतना मेलोडी प्रधान है कि आज भी सुनने वाले ठहर जाते हैं. किशोर साहू की ही फिल्म "साजन" से चार गीतकार जुड़े थे, लेकिन सबसे लोकप्रिय मोती रचित रागविहाग में यह प्रस्तुति थी, "तुम हमारे हो न हो, हमको तुम्हारा ही आसरा..."

और घर लौट आए मोती

लेकिन मोती तो मोती ठहरे, ऐसा लगा जैसे हिंदी सिनेमा को भोजपुरी से परिचित कराने के बाद उन्होंने अपनी जवाबदेही पूरी मान ली, इन शब्दों के साथ वे गांव लौट आए, "बीज बनकर मैं भी बम्बई में तपा, गला, और खपा. अंकुरित भी हुआ, विकसित भी; पर फला-फूला नहीं, मैं घर छोड़कर फलना-फलना नहीं चाहता. घर का नहीं हुआ तो मैं किसी का कैसे हो सकता हूं?" देवरिया लौटकर उन्होंने स्कूल शिक्षक की नौकरी की और जीवनपर्यंत भोजपुरी को समृद्ध बनाने की अनथक कोशिशों में लगे रहे. अद्भुत थी अपनी भाषा को पहचान दिलाने की यह जिद.

बायोग्राफिकल स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म चंदू चैंपियन को अब घर बैठे ओटीटी पर भी देखा जा सकता है. शुक्रवार को यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है. कबीर खान लिखित और निर्देशित चंदू चैंपियन 14 जून 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और दर्शकों ने इसे खूब पसंद भी किया था.

अब आपके घर पहुंचा "चंदू चैंपियन"

शुक्रवार को 'चंदू चैंपियन' ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुका है. इस फिल्म में कार्तिक आर्यन ने भारत के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की भूमिका निभाई है. मुरलीकांत पेटकर साल 1965 में भारत-पाक के युद्ध के दौरान एक सैनिक थे और इस दौरान वह घायल हो गए थे. हालांकि, कई बड़ी चुनौतियों का सामना करने के बाद भी पेटकर ने कई स्पोर्ट्स में चैंपियन बन कर 1972 में भारत का पहला पैरालंपिक गोल्ड मेडल अपने नाम किया था.

'चंदू चैंपियन' में मुरलीकांत पेटकर के किरदार को निभाने को लेकर कार्तिक आर्यन ने ,एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि "मुरलीकांत पेटकर का रोल निभामा मेरे लिए एक बड़ा सम्मान और मेरे जीवन में बड़ा बदलाव वाला रहा है. इस किरदार के लिए कुछ समय तक मैंने चीनी बिल्कुल बंद कर दी थी और एक स्ट्रिक्ट डाइट फॉलो करी थी. यह मेरे फिल्मी करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण फिल्म है, जिसमें मैंने एक आठ-मिनट का वॉर सीन का टेक दिया है, इसके साथ ही रेसलिंग, स्विमिंग और बहुत कुछ किया है.

वहीं निर्देशक कबीर खान ने कहा, "मैं बेहद लकी हूं कि ये कहानी मुझे मिली. यह एक ऐसे इंस्पायरिंग इंसान की कहानी है, जो कभी हार नहीं मानता. हम इसे सेलिब्रेट करना चाहते थे और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचना चाहते थे. प्राइम वीडियो की बड़ी पहुंच के साथ, हम उत्साहित हैं कि चंदू चैंपियन को दुनिया भर के दर्शकों के साथ साझा करने के लिए."

सारा अली खान 12 अगस्त को अपना जन्मदिन सेलिब्रेट करेंगी. आइए, इस मौके पर जाने सारा की जिंदगी के कुछ इंटरेस्टिंग फैक्ट...

दिन में कई बार नेलपेंट चेंज करती हैं सारा अली खान

स्कूल टाइम से एक्टिंग में मास्टर

सारा अली खान ने भले ही केदारनाथ (2018) से बॉलीवुड में डेब्यू करने से पहले कोलंबिया यूनिवर्सिटी से लॉ, हिस्ट्री और पॉलिटिकल साइंस की स्टूडेंट के रूप में ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त की हो, लेकिन एक्टिंग हमेशा स्टार के लिए एक जुनून था. फिल्म समीक्षक अनुपमा चोपड़ा ने एक बार वोग इंडिया को बताया, "मैंने पहली बार उन्हें एक अभिनेता के रूप में तब देखा था जब वह मेरे बच्चों के साथ धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल में थीं." मैं बिना किसी गलती के उसे इन लंबे मोनोलॉग्स को गाते हुए देखता था और यह इतना प्रभावशाली था कि मैं खुद से सोचता था, "वाह! मुझे आश्चर्य है कि क्या वह अभिनेता बनेगी?' और देखो, इतने वर्षों के बाद, वह यहां है."

स्कूल से जब हुईं सस्पेंड

एक वीडियो साक्षात्कार के दौरान सारा अली खान ने अपने बचपन की यादें साझा करते हुए इस घटना का जिक्र किया था और कहा था कि इस कारण उन्हें स्कूल से लगभग निलंबित कर दिया गया था! बहुत मुश्किल से उनकी कैंपस में वापसी हो पाई थी. आखिर क्यों भला, इस पर सारा ने हंसते हुए कहा कि "मैंने एक बार पंखे पर फेविकोल फेंक दिया और बोतल टूट गई, और हर जगह फेविकोल फैल गया.

मेकअप से वह पहला प्यार

मेकअप की दीवानगी के लिए सारा अली खान का पहला अनुभव प्रीति जिंटा से जुड़ा है. उन्हें प्रीति जिंटा के मेकअप के साथ खेलना याद है जब उनके पिता सैफ अली खान के साथ 2000 में वह क्या कहना के लिए शूटिंग कर रही थीं. सारा कहती हैं कि "मुझे याद है कि मैं उस दिन सेट पर गई तो सीधे प्रीति जिंटा के मेकअप रूम में गई और उसकी मेकअप टीम के साथ खूब मस्ती की. हर लिपस्टिक को आज़मा रही थी. यह बहुत मज़ेदार था."

और आज का मेकअप एडिक्शन

अच्छा मैनीक्योर किसे पसंद नहीं है? खान का मेकअप एडिक्शन आप नेलपेंट को कह सकते हैं. वह इसी प्रतिदिन और कभी कभी दिन में कई बार चेंज कर देती हैं. एक इंटरव्यू में उन्होंने खुद कहा था कि "मुझे नेल पेंट का शौक है. मैंने केदारनाथ में गाने के हर शॉट में इसे बदल दिया है."

ब्यूटी के लिए घरेलू नुस्खे

सारा अपनी ब्यूटी के लिए पार्लर जाने की बजाय किचन में झांकना अधिक पसंद करती हैं. सारा का मानना है कि हमारी रसोई में सहजता से उपलब्ध चीजें हमारी स्किन केयर के लिए बेस्ट ऑप्शन है. ऐसा ही एक आसान तरीका है नाश्ते के बचे हुए फलों को फेस मास्क के रूप में उपयोग करना. बकौल सारा- "मैं ब्यूटी के लिए घरेलू नुस्खे की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं, इसलिए मैं अक्सर घरेलू उपचार अपनाती हूं. मलाई और शहद मेरे पसंदीदा हैं. मैं अपने चेहरे पर फल भी लगाती हूं, मां के ऐसे ही ब्यूटी टिप्स मेरे लिए भरोसेमंद हैं."

इंस्टाग्राम पर है सीक्रेट अकाउंट?

इंस्टाग्राम पर सारा अली खान खूब एक्टिव हैं और उनके फैंस को यह अच्छी तरह पता है. लेकिन कम ही लोगों को पता है कि सारा अली खान एक दूसरे गुप्त इंस्टाग्राम एकाउंट के माध्यम से अप्रतिबंधित ऑनलाइन स्टॉकिंग का भी आनंद लेती हैं, जैसा कि वोग इंडिया के साथ एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया. इंटरनेट का आनंद लेने का यह तरीका बेशक आसान है. सारा का फंडा है- "दुनिया में कोई भी चीज़ उतनी ही गंभीर है जितना आप उसे रहने देते हैं. मैं ऐसे कमेंट नहीं पढ़ती जो मुझे परेशान करती हों."

चूड़ियों की दीवानी

यह बात आपने भी नोटिस की होगी कि सारा के हाथों में अक्सर चूड़ियां खनकती रहती हैं. एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने खुद कहा कि "मैं अपने देश के जिस भी राज्य में जाती हूं वहां से जुनूनी तौर पर चूड़ियां खरीदती हूं. "

आध्यात्मिक यात्रा

सारा अली खान ने एक बार एक साक्षात्कार में साझा किया था, "मुझे अपने देश में आध्यात्मिक स्थानों पर जाना बहुत पसंद है." असम के गुवाहाटी के कामाख्या मंदिर और राजस्थान के अजमेर में अजमेर शरीफ दरगाह की उनकी हालिया यात्रा सारा की इस पसंदगी को ही बयां करती हैं.

राकेश रमण

हालांकि देश के कई बड़े फिल्मकारों ने भी आदिवासी जन जीवन को आधार बनाकर कुछ फीचर फिल्म बनाई लेकिन आदिवासी जीवन और संस्कृति के मूल्यवान और उल्लेखनीय पक्ष अभी भी फिल्मों की पकड़ से दूर हैं. आदिवासी संस्कृति में देश दुनिया को देने के लिए बहुत कुछ है, जिसका अब तक सही संप्रेषण नहीं हो पाया है. बेशक झारखंड में बनी कुछ फिल्में आदिवासी जनजीवन की सार्थक प्रस्तुति करने में सफल रही हैं, लेकिन ये नाकाफी हैं.

फिल्मों में आदिवासी जनजीवन - एक अवलोकन

वैसे तो मुख्य धारा की जो भारतीय फीचर फिल्में हैं, उनमें आदिवासी जनजीवन को बहुत स्थान या कहें यथेष्ठ नहीं मिल पाया है परंतु यदि बात करें झारखंड की तो झारखंड की डॉ विनोद कुमार द्वारा निर्देशित और निर्मित पहली हिंदी फीचर फिल्म 'आक्रांत' हो या फिर स्थानीय भाषा नागपुरी की डी एन तिवारी द्वारा निर्मित पहली पिक्चर फिल्म 'सोना कर नागपुर' हो - दोनों की पृष्ठभूमि में आदिवासी जनजीवन का समावेश हुआ है और उनके किरदार के साथ-साथ उनके दृश्य भी आदिवासी पृष्ठभूमि को सफलतापूर्वक प्रस्तुत करते हैं.

मिथुन चक्रवर्ती अभिनित 'मृगया'

देश के कई बड़े फिल्मकारों ने भी आदिवासी जन जीवन को आधार बनाकर कुछ फीचर फिल्म बनाए. मिथुन चक्रवर्ती अभिनित 'मृगया' भी उनमें एक रही है. लेकिन आदिवासी जीवन और संस्कृति के मूल्यवान और उल्लेखनीय पक्ष अभी भी फिल्मों की पकड़ से दूर हैं.

कहां दिखता झारखंड!

झारखण्ड की फीचर फिल्म 'आक्रांत' की पीड़ा आदिवासी पृष्ठभूमि में ही गढ़ी गई है. लेकिन इसके बाद यदि भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर अशोक शरण द्वारा बनाई गई फिल्म 'उलगुलान' और फिर अन्य कुछ निर्देशकों द्वारा भी भगवान बिरसा मुंडा पर ही बनाए गए फिल्मों को छोड़ दें, तो आदिवासी पृष्ठभूमि पर फीचर फिल्मों की स्थिति झारखंड में न के बराबर ही दिखाई देती है. हां, अलबत्ता शॉर्ट फिल्में यहां काफी मात्रा में बनाई गई हैं. न सिर्फ हिन्दी बल्कि नागपुरी, संथाली, मुण्डारी, हो तथा खोरठा भाषा में भी बनने वाली लघु फिल्मों और वृत्त चित्रों में आदिवासी समाज, उनके विश्वास तथा उनके जीवन को दर्शाने का भरपूर प्रयास किया गया है. विशेषकर, स्वतंत्रता संग्राम के आदिवासी नायकों पर लघु फिल्में खूब बनी हैं. सराही गयी हैं और पुरस्कृत भी हुई हैं. कतिपय आदिवासी संस्कृतिकर्मियों के जीवन वृत्त को केन्द्र में रखकर भी फिल्में बनी हैं. कुछ जनजातीय तथा आदिम जनजाति के जीवन वृत्त को दर्शाती फिल्में भी बनायी गयी हैं.

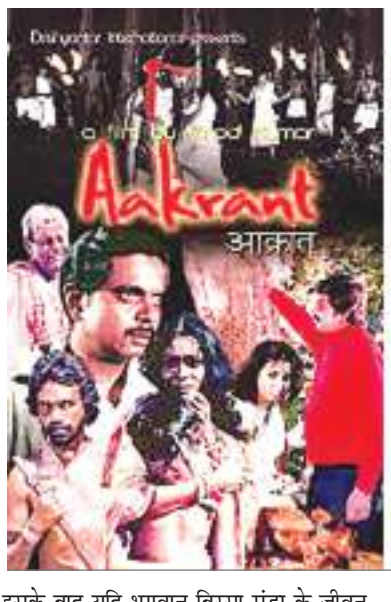

ये आदिवासी फिल्मकार सक्रिय

अब यदि झारखण्ड के आदिवासी फिल्मकारों की बात करें तो एक ओर बीजू टोप्पो, श्री लाल मुर्मू, दशरथ हांसदा, अनुराग लुगुन, सतीश मुण्डा जैसे आदिवासी पृष्ठभूमि के फिल्मकार कई लघु फिल्मों का निर्माण कर राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार पा चुके हैं तो अब सामान्य विषयों पर फीचर फिल्म लेकर दीपक लोहार, विनोद महली, अनमोल खलखो जैसे युवक भी सामने आये हैं.

बहरहाल चूंकि झारखण्डी जन जीवन में आदिवासी संस्कृति रची बसी है, अत: झारखण्ड में बनने वाली स्थानीय फिल्मों से आदिवासी पृष्ठभूमि के चित्रण को पृथक् नहीं किया जा सकता, तथापि देश दुनिया के लिए आदिवासी समाज के पास देने को अभी बहुत कुछ है. आवश्यकता है कि फिल्म जैसे सशक्त माध्यम से उनको पकड़ा, सहेजा और समेटा जाय.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ओलंपिक की तैयारी के कारण काफी समय से सर्जरी टाल रहा था, अब फैसला लेना होगा : नीरज चोपड़ा

पीएम ने नीरज को दी बधाई, कहा- आप तो स्वयं गोल्ड हैं

भाषा। पेरिस

भारत के भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद अपनी चोट का खुलासा करते हुए कहा कि उन्हें यहां प्रतिस्पर्धा करने के लिए कड़ी मेहनत करने के बाद जल्द ही सर्जरी करानी पड़ सकती है. नीरज पेरिस खेलों से पहले जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में (एडक्टर) परेशानी से जूझते आये हैं. पीएम मोदी ने नीरज चोपड़ा को फोन कर सिल्वर मेडल के लिए बधाई दी. साथ ही उनके चोट के बारे में पूछा. साथ ही कहा कि मन से गोल्ड निकाल दीजिए, आप तो स्वयं गोल्ड हैं.

नीरज ने हालांकि गुरुवार को सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास 89.45 मीटर के साथ रजत पदक हासिल किया. नीरज ने कहा, मेरे दिमाग में काफी कुछ चल रहा था. जब मैं थ्रो कर रहा होता हूं तो मेरा 60-70 प्रतिशत ध्यान चोट पर होता है. मैं चोटिल नहीं होना चाहता था. जब भी मैं थ्रो करने जा रहा था तो आपने देखा होगा कि मेरी गति कम थी. उन्होंने 2023 विश्व चैम्पियनशिप का जिक्र करते हुए कहा, डॉक्टर ने मुझे पहले ही सर्जरी करने के लिए कहा था लेकिन मेरे पास विश्व चैंपियनशिप से पहले या बाद में इतना समय नहीं था. ओलंपिक की तैयारी में बहुत समय लगता है. अपनी सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं होने के बाद भी नीरज लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले तीसरे भारतीय बने. उनसे पहले सुशील कुमार (कुश्ती) और पीवी सिंधू (बैडमिंटन) ने यह कारनामा किया है. नीरज ने निराशा भरे लहजे में कहा, मैंने अब भी इसे जारी रखा है. खेल में यह अच्छी स्थिति नहीं होती है. आप अगर लंबा करियर चाहते हैं तो आपको फिट और स्वस्थ रहना होगा. इस स्तर की प्रतियोगिताओं के कारण कई बार आप निर्णय नहीं ले सकते. अब हम इस पर काम करेंगे और तकनीक में भी सुधार करेंगे.

सिल्वर मेडल जीतने के बाद पेरिस में पीटी उषा से मिलते नीरज चोपड़ा.

ओलंपिक में फिर से मेडल जीतने पर राष्ट्रपति, पीएम ने कहा

उत्कृष्टता का साकार रूप हैं नीरज चोपड़ा

भाषा। नयी दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश के विभिन्न वर्गों के लोगों ने नीरज चोपड़ा को पेरिस ओलंपिक खेलों में रजत पदक जीतने पर बधाई देते हुए भाला फेंक के इस स्टार एथलीट को उत्कृष्टता का साकार रूप बताया. टोक्यो ओलंपिक के चैंपियन चोपड़ा ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक में रजत पदक जीता. वह लगातार दो ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाले ट्रैक एवं फील्ड के पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं. राष्ट्रपति मुर्मू ने उम्मीद व्यक्त की कि चोपड़ा आगे भी देश के लिए पदक जीतेंगे. राष्ट्रपति ने कहा, नीरज चोपड़ा को पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने और इतिहास रचने पर हार्दिक बधाई. वह लगातार दो ओलंपिक खेलों में एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट हैं.

पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीत कर इतिहास रचने वाली निशानेबाज मनु भाकर ने कहा, आगे और आगे. उन्होंने एक बार फिर से कर दिखाया और इस बार पेरिस में. नीरज चोपड़ा आप वास्तव में लाखों में एक हैं. ओलंपिक में एक और पदक के लिए बधाई. लंदन ओलंपिक 2012 के कांस्य पदक विजेता निशानेबाज और पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल के प्रमुख गगन नारंग ने कहा, हार्ट ऑफ गोल्ड ने आज हमें उम्मीद की किरण दी. नीरज चोपड़ा आपकी कड़ी मेहनत, समर्पण, दृढ़ता और सबसे ऊपर विनम्रता एक ऐसी चीज है जिसका सभी खिलाड़ियों को अनुकरण करने की जरूरत है.

लोकसभा अध्यक्ष और राहुल गांधी ने भी बधाई दी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में प्रश्नकाल आरंभ होने से पहले पेरिस ओलंपिक में शुक्रवार को भारत को मिले इन दो पदकों को उल्लेख किया. उन्होंने कहा, आठ अगस्त को पेरिस ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीतकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है. इससे युवाओं को प्रेरणा मिलेगी. बिरला ने कहा, हम खिलाड़ियों को उनकी भावी सफलता के लिए शुभकामना देते हैं. इसके बाद सदस्यों ने मेज थपथापाकर भारतीय खिलाड़ियों की सराहना की .कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, आप हमेशा ही चैंपियन हैं. नीरज चोपड़ा, आपकी अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए बहुत-बहुत बधाई. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी चोपड़ा की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी. गांधी ने एक्स'पर कहा, पेरिस ओलंपिक 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतने पर बधाई. उन्होंने कहा, आपने एक बार फिर भारत को बेहद गौरवान्वित किया है. कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने एक्स पर कहा, नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर से ओलंपिक में भारत का झंडा बुलंद करते हुए रजत पदक हासिल किया. देश के लिए अत्यंत खुशी और गौरव का क्षण है.

रजत पदक से भी बहुत खुश हैं नीरज चोपड़ा की मां, कहा-

नीरज के लिए खुश हूं, नदीम भी हमारा ही बच्चा है

भाषा। नयी दिल्ली

अपने बेटे के रजत पदक से खुश नीरज चोपड़ा की मां सरोज देवी ने पेरिस में गत चैंपियन भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी को हराकर ओलंपिक रिकॉर्ड तोड़ने वाले पाकिस्तान के अरशद नदीम के लिए भी खुशी व्यक्त की और कहा कि वह भी उनके 'बच्चा' जैसा है. नदीम ने गुरुवार की रात 92.97 मीटर के रिकॉर्ड ओलंपिक प्रयास से स्वर्ण पदक अपने नाम किया जबकि नीरज ने सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो 89.45 मीटर के साथ रजत पदक जीता. नीरज लगातार दो ओलंपिक व्यक्तिगत स्पर्धा का पदक जीतने वाले तीसरे और ट्रैक एवं फील्ड के पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए. सरोज ने पानीपत के खंडरा गांव में 'पीटीआई वीडियो' को दिये इंटरव्यू में कहा, हम रजत पदक से बहुत खुश हैं, जिसने स्वर्ण पदक जीता वह भी हमारा बच्चा है और जिसने रजत पदक प्राप्त किया वह भी हमारा बच्चा है... सभी एथलीट हैं, सभी कड़ी मेहनत करते हैं. उन्होंने गुरुवार देर रात को दिये इस इंटरव्यू में कहा, नदीम भी अच्छा है, वह अच्छा खेलता है, नीरज और नदीम में कोई अंतर नहीं है. हमें स्वर्ण और रजत पदक मिला, हमारे लिए कोई अंतर नहीं है. नीरज और नदीम दोनों प्रतिद्वंद्वी होने के बावजूद मैदान के बाहर अच्छे दोस्त हैं. नीरज का 'देशी खाने' के प्रति लगाव जगजाहिर है.

सरोज ने कहा, उसने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया. हम उसका स्वागत 'चूरमा' से करेंगे जो उसका पसंदीदा है. मुझे खुशी है, लोग पटाखे जला रहे हैं, हम लड्डू बना रहे हैं.

नीरज भी मेरे बेटे की तरह : उधर, अरशद नदीम की मां ने नीरज के लिए कहा, वो भी मेरे बेट जैसें हैं. वो नदीम के दोस्त भी हैं और भाई भी. हार और जीत किस्मत की बात है. वो भी मेरे बेटे हैं. अल्लाह मियां उन्हें भी खुशियां दें. वो दोनों भाई हैं और दोनों के लिए दुआ करती हूं.

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. अमेरिका	30	38	35	103
2. चीन	30	25	19	74
3. ऑस्ट्रेलिया	18	14	14	46
4. फ्रांस	14	19	22	55
5. ब्रिटेन	14	17	21	52
6. जापान	13	8	13	34
7. द. कोरिया	13	8	7	28
8. नीदरलैंड	11	6	8	25
9. इटली	10	11	9	30
10. जर्मनी	10	9	6	25
64. भारत	0	1	4	5

पेरिस ओलंपिक समापन के पहले आ सकता है विनेश पर फैसला

पेरिस। विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक्स में डिसक्वालीफिकेशन के मामले पर अपील की थी. उनके मामले को लेकर 'कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स' (सीएएस) ने अहम अपडेट दिया है. सीएएस ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट के जरिए बताया है कि विनेश के मामले को लेकर ओलंपिक खत्म होने से पहले फैसला आ जाएगा. सीएएस ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, इस मामले पर सुनवाई होगी और ओलंपिक्स गेम्स खत्म होने से पहले फैसला आने की उम्मीद है. यह ऐसा मामला है कि इस पर एक घंटे के अंदर फैसला नहीं लिया जा सकता है.

11 मुकाबलों में पहला अवसर है जब अरशद नदीम ने नीरज चोपड़ा को पीछे छोड़ा

नीरज से प्रतिद्वंद्विता अच्छी है, युवा प्रेरित होते हैं : नदीम

भाषा। पेरिस

पेरिस ओलंपिक की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत पर इतिहास रचने वाले पाकिस्तान के एथलीट अरशद नदीम इस बात से खुश हैं कि भारतीय स्टार नीरज चोपड़ा के साथ उनकी प्रतिद्वंद्विता चर्चा का विषय बनी हुई है क्योंकि उनका मानना है कि इससे दोनों देशों के युवा प्रेरित होते हैं. नदीम ने गुरुवार की रात 92.97 मीटर भाला फेंक कर ओलंपिक का नया रिकार्ड बनाने के साथ स्वर्ण पदक जीता. चोपड़ा ने भी इस सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 89.45 मीटर की दूरी नापकर रजत पदक हासिल किया. यह 11 मुकाबलों में पहला अवसर है जबकि नदीम ने चोपड़ा को पीछे छोड़ा. व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाला पहला पाकिस्तानी खिलाड़ी बनने के बाद 27 वर्षीय नदीम ने पत्रकारों से कहा, जब क्रिकेट मैच या अन्य खेलों की बात होती है तो निश्चित तौर पर उसमें प्रतिद्वंद्विता शामिल होती है, लेकिन यह दोनों देशों के लिए अच्छी बात है जो हमारा और खेल के अपने आदर्श खिलाड़ियों का अनुसरण करके खेलों से जुड़ना चाहते हैं और अपने देश का नाम रोशन करना चाहते हैं. वह 1988 के सियोल ओलंपिक में मुक्केबाज हुसैन शाह के मिडिल-वेट में कांस्य पदक जीतने के बाद पाकिस्तान के पहले व्यक्तिगत पदक विजेता भी हैं.

नदीम और चोपड़ा मैदान पर कड़े प्रतिस्पर्धी होने के बावजूद मैदान के बाहर अच्छे दोस्त हैं. कुछ महीने पहले जब नदीम ने एक अच्छा भाला खरीदने के लिए सोशल मीडिया पर धन राशि जुटाने की अपील की तो चोपड़ा ने भी उनका समर्थन किया था. नदीम ने कहा, मैं अपने देश का आभारी हूं. हर किसी ने मेरे लिए दुआ की और मुझे अच्छा प्रदर्शन करने की पूरी उम्मीद थी. पिछले कुछ समय से मैं घुटने की चोट से परेशान था लेकिन इससे उबरने के बाद मैंने अपनी फिटनेस पर काम किया. मैं कड़ी मेहनत जारी रखूंगा. मेरा लक्ष्य इससे भी दूर भाला फेंकना है.

नदीम ने कहा कि पहले वह क्रिकेटर बनना चाहते थे और उन्होंने टेबल टेनिस में भी हाथ आजमाया था. मैं पहले क्रिकेटर था और मैंने टेबल टेनिस भी खेली है और मैं एथलेटिक्स की अन्य प्रतियोगिताओं में भी भाग लेता था, लेकिन मेरे कोच ने कहा कि जिस तरह की मेरी शारीरिक बनावट है उससे मैं भाला फेंक का अच्छा एथलीट बन सकता हूं. इसके बाद 2016 से मैंने अपना पूरा ध्यान भाला फेंक पर लगाया. मैं एक किसान परिवार से आता हूं और जब भी मैं पदक जीतता हूं तो अपने अतीत को याद करता हूं.

संकल्प और समर्पण की मिसाल हैं अरशद नदीम

भाषा। कराची

पाकिस्तान का राष्ट्रीय खेल बोर्ड जब यह तय कर रहा था कि पेरिस ओलंपिक के लिए जाने वाले सात खिलाड़ियों में से किसका खर्च वहन करना है तो उसे केवल अरशद नदीम और उनके कोच ही इस लायक लगे. नदीम और उनके कोच सलमान फैयाज बट भाग्यशाली थे, जिनके हवाई टिकटों का खर्च पीएसबी (पाकिस्तान स्पोर्ट्स बोर्ड) ने वहन किया. पंजाब क्षेत्र के खानेवाल गांव के इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने गुरुवार को भाला फेंक में नए ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीत कर उन पर दिखाए गए भरोसे को सही ठहराया. छह फुट तीन इंच लंबे नदीम ने ऐसा समय भी देखा था जब उनके पास अपने लिए भाला खरीदने के लिए भी पैसे नहीं थे. नदीम के पिता मोहम्मद अशरफ ने पीटीआई से कहा, लोग नहीं जानते हैं कि अरशद इस मुकाम तक कैसे पहुंचा. उसके दोस्त, गांव के लोग और रिश्तेदार उसके लिए चंदा जुटाते थे, ताकि वह अभ्यास और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए दूसरे शहरों की यात्रा कर सके. पाकिस्तान ने कुल सात

खिलाड़ियों को पेरिस भेजा और उनमें से छह अपनी-अपनी स्पर्धाओं के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहे. नदीम के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के बाद से ही उनके घर में जश्न मनाया जाने लगा था व उनके माता-पिता गांव वालों में मिठाई बांटने लग गए थे. नदीम पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. उन्होंने पिछले साल विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक और राष्ट्रमंडल खेल 2022 में 90.18 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था. अपने करियर में कोहनी, घुटने और पीठ की समस्याओं से जूझने और दूसरे देश के खिलाड़ियों की तरह सुविधाएं नहीं होने के बावजूद नदीम ने यह कारनामा किया.

पेरिस ओलंपिक समापन समारोह

मनु भाकर के साथ भारत के ध्वजवाहक होंगे श्रीजेश

भाषा। पेरिस

मशहूर हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश रविवार को यहां होने वाले ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में स्टार निशानेबाज मनु भाकर के साथ भारतीय दल के ध्वजवाहक होंगे. भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की. आईओए ने बयान में कहा, भारतीय ओलंपिक संघ को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि पेरिस ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर के साथ हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश संयुक्त ध्वजवाहक होंगे. आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि श्रीजेश आईओए नेतृत्व की भावनात्मक और लोकप्रिय पसंद थे. श्रीजेश ने भारतीय हॉकी टीम को ओलंपिक खेलों में लगातार दूसरा कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी. वह पहले ही घोषणा कर चुके थे कि पेरिस ओलंपिक के बाद वह संन्यास ले लेंगे.

हॉकी खिलाड़ी प्रसाद को एक करोड़ का इनाम मिलेगा

भाषा। भोपाल

मध्यप्रदेश सरकार ने शुक्रवार को हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर प्रसाद को एक करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की. प्रसाद ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम के सदस्य हैं. भारत ने गुरुवार को 52 साल में पहली बार स्पेन को 2-1 से हराकर ओलंपिक में अपना लगातार दूसरा कांस्य पदक जीता. मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के निवासी प्रसाद को बधाई दी. प्रसाद से टेलीफोन पर बातचीत में यादव ने कहा, यह एक अच्छा प्रदर्शन था. पूरा देश आप सभी से खुश है. इस सफलता के लिए आपको और पूरी टीम को बधाई. मध्यप्रदेश सरकार इनाम के तौर पर आपके खाते में एक करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित करेगी.

जीत की खुशी ओलंपिक में ब्रॉन्ज जीत के बाद श्रीजेश ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास लिया

श्रीजेश के लिए केरल का पारंपरिक खाना बनाऊंगी : अनीश्या

भाषा। नयी दिल्ली

लाखों भारतीयों की तरह पीआर श्रीजेश की प्रशंसक अनीश्या को मैदान पर भारतीय हॉकी की इस दीवार की कमी खलेगी लेकिन पत्नी होने के नाते उन्हें खुशी है कि हमेशा घर से दूर रहने वाले पति का अधिक समय उन्हें अब मिल सकेगा. पेरिस ओलंपिक में स्पेन को 2-1 से हराकर लगातार दूसरी बार ओलंपिक कांस्य पदक जीतने के साथ ही महान गोलकीपर श्रीजेश ने हॉकी को अलविदा कह दिया. उनकी पत्नी डॉक्टर अनीश्या ने केरल से भाषा से बातचीत में कहा, मैं उनकी पत्नी ही नहीं बल्कि प्रशंसक भी हूं. प्रशंसक होने के नाते दुखी हूं कि मैदान पर उन्हें नहीं देख सकूंगी लेकिन पत्नी को खुशी है कि अब पति का अधिक समय मिल सकेगा, तो खुशी और गम दोनों एक साथ हैं. यह पूछने पर कि भारत के लिये दो ओलंपिक पदक जीतने में सूत्रधार रहे श्रीजेश का स्वागत वह कैसे करेंगी, उन्होंने कहा कि वह उनके लिये केरल का पारंपरिक खाना बनायेंगी. उसे केरल का पारंपरिक खाना बहुत पसंद है. शाकाहारी और मांसाहारी दोनों. उसे बहुत याद आ रहा होगा और यहां आते ही

मैं सबसे पहले वही पकाऊंगी. हमने जश्न के बारे में अभी सोचा नहीं है लेकिन उनके भाई कनाडा से सपरिवार यहां आये हैं और पूरा परिवार एकत्र है. हमारे लिये यह बड़ा पल है और अब उनका इंतजार है. अनीश्या ने कहा, कांस्य पदक का मैच देखने पूरा घर भरा हुआ था. बहुत लोगों को पता नहीं है कि पेरिस ओलंपिक के लिये श्रीजेश तीन खास स्टिक लेकर गए थे जिनमें से दो पर उनके बच्चों अनुश्री और श्रियांश का और एक पर पत्नी का नाम लिखा था. उन्होंने पेरिस ओलंपिक के लिये ये तीन स्टिक रखी थी. एक पेनल्टी शूटआउट के लिए जिस पर मेरा पसंदीदा रंग और नाम था और दो बाकी मैचों के लिए जिस पर बच्चों के नाम थेय ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में शूटआउट में उन्होंने मेरे नाम वाली स्टिक का इस्तेमाल किया था. भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, अभी तक फोकस पेरिस ओलंपिक पर ही था लेकिन अब आगे के बारे में फैसला लेंगे. भारतीय हॉकी की युवा ब्रिगेड के रोलमॉडल श्रीजेश से उन्होंने क्या सीखा, यह पूछने पर उन्होंने कहा, मैंने उनसे सकारात्मकता सीखी है. वह हमेशा कहते हैं कि खेल में जीत हार और जिंदगी में उतार चढाव आते रहते हैं लेकिन अतीत को भूलकर आगे बढ़ना ही समझदारी है और शायद यही उनकी सफलता का राज भी है.

निशानेबाजी टीम स्पर्द्धा में ब्रॉन्ज जीतने वाले मनु भाकर-सरबजोत ने हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी से मुलाकात की.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष दिन खुशनुमा और शाम सामान्य होगा. जीवनसाथी से अनबन हो सकती है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. जीवन सुखमय व्यतीत होगा. प्रसन्नता तथा उत्साह से ओत-प्रोत रहेंगे. पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा. चोट-रोग व चोरी-विवाद से बचें.

वृषभ समय सामान्य है. मौसमी रोग से बचें. असमंजस की स्थिति बनेगी. लेन-देन में जल्दबाजी व लापरवाही न करें. भावनाओं को वश में रखें. मन की बात किसी को न बतलाएं. प्रतिष्ठा में कमी हो सकती है. गायत्री मंत्र का जाप करें.

मिथुन संतान के प्रति जिम्मेवारी पूर्ण होगी. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. प्रमाद न करें. बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी. समय का उपयोग होगा और लाभ का वातावरण बनेगा.

कर्क मानसिक शांति की आवश्यकता है. घर में अतिथियों का आगमन होगा. व्यय बढ़ेगा. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. कोई बड़ा काम करने तथा यात्रा पर जाने का मन बनेगा. आपके कार्य के प्रभाव से आय बनी रहेगी.

सिंह कार्य में गति मिलेगी, पर बेकार की बहस से बचें. कोई बड़ा कार्य होगा. पराक्रम का लाभ मिलेगा. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. कारोबारी कामकाज चलते रहेंगे. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. सुख के साधन जुटेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी.

कन्या समय बहुत ही अच्छा है. धन के आगमन से मन खुश रहेगा. साथ ही व्यय होगा. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी. शत्रु पीठ पीछे षड्यंत्र रच सकते हैं. प्रियजनों के साथ रिश्तों में खटास आ सकती है.

तुला मन प्रसन्न होगा. बाहर की यात्रा बन सकती है. सृजनशीलता का विकास होगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. व्यापार-व्यवसाय सुखद रहेगा. जल्दबाजी न करें. शारीरिक कष्ट संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. इत्र दान करें.

वृश्चिक अधिक खर्च से मन खिन्न होगा. निद्रा में दिक्कत होगी. पार्टनरों तथा मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं. हनुमानजी का पूजा ध्यान करें.

धनु परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. शत्रुभय रहेगा. नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी.

मकर पिता का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. जीवनसाथी की चिंता रहेगी. घर में सुख-शांति बनी रहेगी. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. विवेक से कार्य करें, लाभ होगा. किसी धार्मिक स्थल के दर्शन का कार्यक्रम बन सकता है.

कुंभ शनि को प्रसन्न करें. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है. थकान व कमजोरी रह सकती है. विरोधी सक्रिय रहेंगे. ऐश्वर्यादि पर खर्च होगा. यश बढ़ेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नए काम मिल सकते हैं.

मीन चोट-मोच से बचना चाहिए. साथ ही बेकार के बहस से बचें. दूसरों के मामलों में हाथ न डालें. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. किसी व्यक्ति के व्यवहार से क्लेश होगा. आय होगी. नए कार्य को लेकर जोखिम न उठाएं. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें.

बांग्लादेश में हिंदु पर अत्याचार पर अधिवक्ता संघ ने विरोध जताया

लातेहार। भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार का अधिवक्ता संघ, लातेहार ने विरोध किया है और इस मामले मे पीएम से हस्तक्षेप करने की मांग की है.लातेहार जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजमणि प्रसाद ने कहा कि बांग्लादेश में हिंसा की आड़ में हिन्दुओं पर चुन चुन कर हमले हो रहे हैं. हिंदु मंदिर, दुकान व घरों को निशाना बनाया जा रहा है. इस मामले में प्रधानमंत्री को हस्तक्षेप करना चाहिए. अधिवक्ता राजीव रंजन पांडेय ने कहा कि संघ के माध्यम से ह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग करते है कि तत्काल वह पड़ोसी देश बांग्लादेश पर कोई एक्शन ले, ताकि हिन्दुओं की रक्षा की जा सके. इस दौरान कई अधिवक्ता शामिल थे.

सूर्या सिंह ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का किया विरोध

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद के युवा नेता सूर्या सिंह ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की है. अपने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से उन्होंने बताया कि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार मानवीयता के खिलाफ हैं, और इसके बावजूद दुनिया इस मुद्दे पर मौन है. उन्होंने भारत के विपक्ष पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जहां वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की जा रही है, वहीं बांग्लादेशी हिंदुओं के प्रति हो रहे धार्मिक उत्पीड़न पर किसी ने अब तक एक शब्द तक नहीं कहा उनके इस बयान के बाद, हुसैनाबाद क्षेत्र के लोगों में भी इस मुद्दे को लेकर जागरूकता बढ़ी है.

स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पूर्व 14 अगस्त को मनेगा विभाजन विभीषिका दिवस

11 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम : भाजपा

- 11, 12 व 13 अगस्त को विधानसभा स्तर पर तिरंगा यात्रा होगी

ब्यूरो। रांची

भारतीय जनता पार्टी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम आयोजित करेगी. भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान हर घर तिरंगा कार्यक्रम के क्षेत्रीय प्रभारी डॉ गुरु प्रकाश पासवान ने कहा, यह कार्यक्रम अब हर भारत वासी का कार्यक्रम बन चुका है. यह राष्ट्रीय भाव को जागृत करने का कार्यक्रम है. उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत तीन प्रकार के कार्यक्रम आयोजित होंगे. इसके लिए प्रदेश से लेकर मंडल स्तर तक की टोली का गठन किया गया है. प्रदेश टीम के संयोजक प्रदेश महामंत्री व सांसद प्रदीप वर्मा है, जबकि विनय जायसवाल, शशांक राज, रघुराज पांडे, बबन गुप्ता व लक्ष्मी कुमारी को सह संयोजक बनाया गया है.

भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते भाजपाई.

डॉ पासवान ने कार्यक्रम से संबंधित विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि युवा मोर्चा के नेतृत्व में 11, 12 व 13 अगस्त को विधानसभा स्तर पर तिरंगा यात्रा आयोजित की जाएगी, जिसमे हजारों युवा तिरंगा ध्वज के साथ शामिल होंगे.आजादी की वर्षगांठ के अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा राज्यभर में स्थित युद्ध स्मारक एवम शहीदों की प्रतिमाओं की सफाई करते हुए प्रतिमाओं पर श्रद्धांजलि भी अर्पित की जाएगी.

पासवान ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पूर्व 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस आयोजित होंगे. देश की वर्तमान पीढ़ी को जानना यह आवश्यक है कि भारत के विभाजन के कारण कैसे 20 लाख लोगों की हत्याएं हुई और दो करोड़ से ज्यादा लोगो को अपना घर बार छोड़कर रिफ्यूजी बनने को विवश होना पड़ा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर आयोजित चौथा कार्यक्रम है, जिसमें भाजपा कार्यकर्ता गांव-गांव, घर-घर तक हर घर तिरंगा लगाने को प्रेरित करेंगे. प्रेसवार्ता में प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, अविनेश कुमार सिंह, बबन गुप्ता एवम विनय जायसवाल भी उपस्थित रहे.

जादूगोड़ा : बाबूलाल ने शुभम संदेश अखबार की प्रशंसा की

अखबार पढ़ते झामुमो के केंद्रीय महासचिव बाबूलाल सोरेन.

संवाददाता। जादूगोड़ा

झामुमो के केंद्रीय महासचिव बाबूलाल सोरेन ने जादूगोड़ा अस्पताल चौक पर स्थित पार्टी कार्यालय में फुर्सत के वक्त लोकप्रिय अखबार शुभम संदेश पढ़ा व पूरे प्रदेश की खबर को एक ही अखबार में समेटने व पूरे घाटशिला विधानसभा की खबर को जगह देने पर खबरों की प्रशंसा की.

उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में यह अखबार आदिवासियों की पीड़ा को मजबूती से उठाएगी. जिले में अव्वल जगह बनाएगी.

मंत्री ने किया 51 सामुदायिक वन अधिकार पट्टा का वितरण

वन अधिकार पट्टा वितरण में नंबर वन बना गढ़वा : मंत्री

संवाददाता। गढ़वा

वन अधिकार पट्टा वितरण में गढ़वा पूरे राज्य में नंबर वन गया है. शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने समाहरणालय के सभागार में अबुआ बीर अबुआ दिशोम वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत सामुदायिक वन पट्टा का वितरण किया गया. इस दौरान मंत्री ने 39 हजार एकड़ से अधिक 51 सामुदायिक वन अधिकार पट्टा का वितरण किया. इससे पूर्व मंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. मौके पर मंत्री ने सभी को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि दिशोम गुरू शिबु सोरेन ने जिस सोच के साथ झारखंड राज्य को अलग कराया था, उनका सपना अब हेमंत सोरेन पूरा कर रहे हैं. उन्हांने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस 1994 से मनाया जा रहा है. लेकिन झारखंड में वर्ष 2013-14 में हेमंत सोरेन ने इसकी शुरूआत की. मंत्री ने कहा कि वन अधिकार अधिनियम के तहत परंपरागत रूप से वनों पर आश्रित रहने वाले अनुसूचित जनजाति तथा अन्य समुदाय के लोगों के जीवन यापन तथा दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए वन भूमि पर साग सब्जी, तेंदूपत्ता, सेरोई, सुखी लकड़ियां, मछली, लघु वन उपज के संग्रहण के साथ-साथ खेल का मैदान, शमशान, कब्रिस्तान, सरना अथवा पूजा स्थल आदि के अति अनिवार्य आवश्यकता को विधिक मान्यता प्रदान करने के लिए झारखंड सरकार ने अबुआ बीर अबुआ दिशोम अभियान की शुरुआत पिछले वर्ष नवंबर 2023 में की गई थी. इसके तहत वर्ष 2024 में पूरे राज्य में वन पर परंपरागत रूप से निर्भर अनुसूचित जनजाति एवं अन्य समुदायों को उनके हक और अधिकार को मान्यता प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य के सभी 24 जिलों में प्रथम चरण में अधिक से अधिक संख्या में सामुदायिक वन अधिकार पट्टा को वितरित करने का आदेश मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दिया था. मंत्री ने कहा कि वन अधिकार अधिनियम के तहत गढ़वा जिले में वर्ष 2009 से दिसंबर 2023 तक 1224 व्यक्तिगत पट्टा एवं 320 सामुदायिक वन अधिकार पट्टा 18286.21 एकड़ का वितरण किया गया था. जबकि आज विश्व आदिवासी दिवस पर वर्ष 2024-25 में कुल 51 सामुदायिक वन अधिकार पट्टा कुल 39 हजार एकड़ से अधिक का वितरण किया गया. वनों पर परंपरागत रूप से आश्रित रहने वाले अनुसूचित जनजाति तथा अन्य समुदायों को उनके वनअधिकार को मान्यता देने का यह अब तक का सबसे बड़ा कदम है. जिसमें गढ़वा जिले ने पूरे राज्य में प्रथम स्थान हासिल किया है. मौके पर डीसी शेखर जमुआर ने भी विचार व्यक्त किया. मौके पर एसपी दीपक पांडेय, डीडीसी पशुपति नाथ मिश्रा, डीएफओ दक्षिणी, जिला कल्याण पदाधिकारी, विभिन्न क्षेत्रों से आये लाभुक सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

लाभुकों को वन पट्टा वितरित करते मंत्री मिथिलेश ठाकुर.

रिवॉल्वर के साथ युवक गिरफ्तार

संवाददाता। केतार

केतार पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अवैध रिवॉल्वर के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. गिरफ्तार युवक केतार थाना क्षेत्र के पचाडुमर निवासी विश्वनाथ मेहता का 24 वर्षीय पुत्र रामलाल मेहता है.

इसकी जानकारी डीएसपी सतेंद्र सिंह, पुलिस इंस्पेक्टर रतन कुमार सिंह व थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी ने संयुक्त रूप से प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर कही. उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बीती रात्रि पुलिस गश्ती के दौरान परती रोड में बतो गांव के समीप सूर्य मंदिर के समीप बाइक से परती की ओर जा रहे रामलाल मेहता को रोक कर तलाशी ली गई. तलाशी के दौरान उसके पास एक अवैध रिवॉल्वर बिना कागजात के मिला. हालांकि पुलिस को देखकर सकपकाते हुए वो पीछे भागने का प्रयास किया, लेकिन उसे शस्त्र बल ने धर दबोचा. पूछताछ के दौरान रामलाल मेहता ने बताया कि हम अपने पास रखते है और कभी कभार इसे लेकर चलते है. थाना प्रभारी ने बताया कि अनुसंधान अभी जारी है, इसमें और कितने लोग संलिप्त है बहुत जल्द उजागर किया जाएगा. ऐसा लग रहा है कि ये अपराधी अवैध हथियार का सप्लाई करता है. जिसे आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज कर धारा न्यायिक हिरासत गढ़वा भेज दिया गया है. मौके पर रोशन तिग्गा, सअनि अमरेंद्र सहित थाना के पुलिस बल मौजूद थे.थाना प्रभारी ने बताया कि अनुसंधान अभी जारी है, इसमें और कितने लोग संलिप्त है बहुत जल्द उजागर किया जाएगा. ऐसा लग रहा है कि ये अपराधी अवैध हथियार का सप्लाई करता है. जिसे आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज कर धारा न्यायिक हिरासत गढ़वा भेज दिया गया है. मौके पर रोशन तिग्गा, सअनि अमरेंद्र सहित थाना के पुलिस बल मौजूद थे.थाना प्रभारी ने बताया कि अनुसंधान अभी जारी है, इसमें और कितने लोग संलिप्त है बहुत जल्द उजागर किया जाएगा. ऐसा लग रहा है कि ये अपराधी अवैध हथियार का सप्लाई करता है. जिसे आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज कर धारा न्यायिक हिरासत गढ़वा भेज दिया गया है. मौके पर रोशन तिग्गा, सअनि अमरेंद्र सहित थाना के पुलिस बल मौजूद थे.

10 अगस्त से खेलो इंडिया वुमेन लीग का आयोजन रांची में

रांची । रांची के खेलगांव के साइक्लिंग वेलोडर्म में 10 अगस्त से दो दिवसीय खेलो इंडिया वुमेन लीग (ईस्ट जोन) का आयोजन किया जा रहा है. कार्यक्रम कि जानकारी देते हुए झारखंड साइक्लिंग संघ के महासचिव शैलेंद्र पाठक ने बताया कि इस लीग का उद्घाटन शनिवार को भारत सरकार के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ करेंगे. कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि कांके विधायक समरी लाल, इंडियन बैंक के निदेशक बालमुकुंद सहाय मौजूद रहेंगे. इस दौरान रांची साई के सभी पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे.

पेज एक का शेष

सभापति जगदीप धनखड़ से आर-पार...

क्यों नेम कर देंगे सर : सभापति ने कहा कि कोई इश्यू है, तो आप लिखित में दीजिए. भड़के सभापति ने जयराम रमेश को नेम करने की चेतावनी दी. इस पर अजय माकन ने कहा कि क्यों नेम कर देंगे सर, एक बात जो विपक्ष के नेता के साथ हुई वह बताने के लिए नेम कर देंगे. आप कहते हैं- हंस क्यों रहे हैं, मुस्कुरा क्यों रहे हैं, बैठे क्यों हैं. हाथ जोड़ कर कह रहे हैं प्लीज ऐसे मत कीजिए.

आप सेलिब्रिटी होंगी लेकिन डेकोरम मानना पड़ेगा : विपक्ष की तरफ से जया बच्चन ने कहा, मैं एक एक्टर हूं और बॉडी लैंग्वेज, एक्सप्रेशन समझती हूं. मुझे माफ करिएगा सर, आपकी जो टोन है, ठीक नहीं है. हम लोग कलीग हैं, आप वहां हैं. आपकी टोन अस्वीकार्य है. इस पर भड़के सभापति ने कहा कि जया जी आपने महान उपलब्धि हासिल की है. आप जानती हैं कि एक एक्टर, डायरेक्टर का विषय है. उन्होंने कहा कि मैं हर रोज दोहराना नहीं चाहता. सभापति ने कहा कि हर दिन आपकी स्कूलिंग करना नहीं चाहता. आप मेरी टोन को लेकर बात कर रही हैं? बहुत अधिक है. मैं बर्दाश्त नहीं करूंगा. उन्होंने कहा कि आप कोई भी हों, आपको डेकोरम मानना पड़ेगा. आप सेलिब्रिटी होंगी, लेकिन डेकोरम मानना पड़ेगा.

वक्फ बिल पर जेपीसी गठित

राज्यसभा से ये सदस्य नामित : राज्यसभा से इस समिति में बृजलाल, मेधा विश्राम कुलकर्णी, गुलाम अली, राधामोहन दास अग्रवाल (सभी भाजपा), सैयद नासिर हुसैन (कांग्रेस), मोहम्मद नदीमुल हक (टीएमसी), वी विजय साई रेड्डी (वाईएसआर कांग्रेस), एम मोहम्मद अब्दुल्ला (द्रमुक), संजय सिंह (आप) और डी वीरेंद्र हेगड़े (मनोनीत) को शामिल किया गया है.

मनीष सिसोदिया को सशर्त मिली जमानत...

साथ ही ये भी कहा कि इस मामले में ज्यादातर सबूत भी जुटाए जा चुके हैं, इसलिए उनके साथ छेड़छाड़ करने की कोई संभावना नहीं है. हालांकि, गवाहों को प्रभावित करने या डराने के मामले में उनपर शर्तें लगाई जा सकती हैं. सुप्रीम कोर्ट ने मनीष सिसोदिया को 10 लाख के मुचलके पर जमानत दी है. साथ ही दो बड़ी शर्तें भी लगाई हैं. पहली शर्त ये है कि उन्हें अपना पासपोर्ट जमा करना होगा. और दूसरी शर्त ये कि उन्हें हर सोमवार और गुरुवार को थाने में जाकर हाजिरी लगानी होगी.

सीबीआई-ईडी की अपील खारिज : फैसला सुनाए जाने के बाद सीबीआई और ईडी की तरफ से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल मामले की तरह ही शर्तें लगाने का अनुरोध किया था. एएसजी राजू ने कोर्ट से अपील की थी कि केजरीवाल की तरह ही सिसोदिया पर सचिवालय जाने पर रोक लगाई जाए. हालांकि, कोर्ट ने इस अपील को खारिज कर दिया.

हिजाब पर ही बैन क्यों?

अब इस मामले की अगली सुनवाई नवंबर में होगी. बता दें, इससे पहले हाईकोर्ट ने 26 जून को चेंबूर ट्रॉम्बे एजुकेशन सोसाइटी के एनजी आचार्य और डीके मराठे कॉलेज के प्रतिबंध वाले फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था. साथ ही कहा था कि ऐसे नियम छात्रों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं करते हैं.

18 नवंबर तक मांगा जवाब : पीठ ने चेंबूर ट्रॉम्बे एजुकेशन सोसाइटी को नोटिस जारी किया और 18 नवंबर तक जवाब मांगा. उन्होंने कहा, छात्राओं को यह आजादी होनी चाहिए कि वे क्या पहनें और कॉलेज उन पर दबाव नहीं डाल सकता. मुस्लिम छात्रों के लिए ड्रेस कोड को लेकर उठे नए विवाद के केंद्र में कॉलेज प्रशासन से पीठ ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आप अचानक यह जानकर जाग जाते हैं कि देश में कई धर्म हैं. अगर कॉलेज का इरादा छात्रों की धार्मिक आस्था को उजागर नहीं करने का है, तो कॉलेज ने ''तिलक'' और ''बिंदी'' पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया. पीठ ने शैक्षणिक संस्था की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता माधवी दीवान से पूछा, क्या छात्रों के नाम उनकी धार्मिक पहचान का खुलासा नहीं करेंगे? अदालत ने हालांकि कहा कि कक्षा के अंदर लड़कियों द्वारा बुर्का पहनने की अनुमति नहीं दी जा सकती है और परिसर में किसी भी धार्मिक गतिविधि की अनुमति नहीं दी जा सकती है. अदालत ने आगे कहा कि बुर्का, हिजाब पर उसके अंतरिम आदेश का दुरूपयोग नहीं किया जाना चाहिए. मुंबई कॉलेज को दुरूपयोग के मामले में अदालत का दरवाजा खटखटाने की स्वतंत्रता दी गई है. जैनब अब्दुल कय्यूम सहित याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंजाल्विस और वकील अबीहा जैदी ने कहा कि प्रतिबंध के कारण छात्राएं कक्षाएं नहीं ले पा रही हैं.

शाह ने बनाई कमेटी

हिंदू और अल्पसंख्यक डर के साए में जी रहे : बांग्लादेश में शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद उपद्रवी हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों को निशाना बना रहे हैं. इन बिगडे हालातों से निपटने के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने ये साफ कर दिया है कि मोदी सरकार हरसंभव कोशिश करेगी, जिससे बांग्लादेश में भारतीय और हिंदू समुदायों के हितों की रक्षा की जा सके. इस समिति को खासतौर से भारत-बांग्लादेश बार्डर पर सुरक्षा और स्थिति पर नजर बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है. यह कदम हाल ही में बांग्लादेश में मची उथल-पुथल के बीच उठाया गया है.

खबरें बिहार की

ट्रेन के आगे कूदी पत्नी, बचाते वक्त पति की मौत, अस्पताल में महिला ने भी दम तोड़ा

संवाददाता। जमुई

जमुई में घरेलू विवाद को लेकर एक महिला चलती ट्रेन के आगे कूद गई, जिसे बचाने के दौरान पति की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई. परिजनों द्वारा महिला को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया, जहां उसने भी दम तोड़ दिया. मामला किऊल-जसीडीह रेलखंड के टेलवा बाजार हॉल्ट का है. मृतकों की पहचान झाझा थानाक्षेत्र के बलियाडीह गांव निवासी कृष्णा कुमार (24) और उसकी पत्नी सोनी कुमारी (20) के रूप में हुई है.

जानकारी के मुताबिक, पति-पत्नी के बीच घरेलू विवाद चल रहा था, जिससे नाराज सोनी कुमारी एक सप्ताह पूर्व अपने मायके बांका जिले के कठहन बगांव गई हुई थी. उसे मनाने के लिए उसका पति दो दिन पूर्व अपने ससुराल कठहन गया था. तभी पति को देख पत्नी आग बबूला हो गई. फिर अपने छह महीने के बच्चे को लेकर गुरुवार की शाम वह जमुई जिले के सिमुलतला थानाक्षेत्र के सियांचक गांव में रिश्तेदार के यहां आ गई थी. उसके पीछे-पीछे उसका पति भी सियांचक आ गया था.

घटनास्थल पर लगी भीड़.

वहीं, शुक्रवार की सुबह सोनी अपने बच्चे को लेकर बलियाडीह जाने की बात कह कर टेलवा हॉल्ट ट्रेन पकड़ने के लिए पहुंची थी. तभी वह बच्चे को प्लेटफॉर्म पर बैठाकर हावड़ा रक्सौल ट्रेन के आगे कूद गई. इस दौरान उसे बचाने के दौरान उसके पति कृष्णा कुमार की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि उसकी पत्नी सोनी कुमारी का एक पैर और एक हाथ कट गया. उसके बाद स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से उसे इलाज के लिए झाझा रेफरल अस्पताल ले जाया गया. जहां इलाज के दौरान सोनी की भी मौत हो गई. इधर, घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है.

दोस्त ने फोन पर बुलाया और पीट-पीटकर मार डाला

नालंदा । नालंदा से एक सनसनीखेज मामला शुक्रवार की सुबह सामने आया, जहां बिंद थाना इलाके के नौरंगा गांव में एक युवक की हत्या कर शव को गांव से एक किलोमीटर दूर फेंक दिया गया. शुक्रवार सुबह शव को बरामद किया गया है. मृतक की पहचान राजेश केवट के 18 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार के रूप में हुई है. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. इधर, घटना के बाद परिवार वालों में कोहराम मचा है. पुलिस ने मृतक के एक दोस्त को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, घटना के संबंध में बताया जाता है कि दीपक रात में खाना खाने के बाद सोने गया मगर अचानक उसे किसी ने फोन कर बुलाया फिर दीपक अंधेरे में चला गया, मगर फिर वो वापस नहीं आया. देर रात तक खोजबीन की गई लेकिन पता नहीं चला. उसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई पुलिस भी रात भर खोजबीन में जुटी रही, लेकिन सुबह युवक का शव मिला. शव पर जख्म के निशान हैं. परिवार वालों ने कहा कि दोस्त ने बुलाकर पीट-पीटकर हत्या कर शव को फेंक दिया है.

खड्डे में पलटी बस, 13 बच्चे घायल, चालक गिरफ्तार

नवादा । नवादा जिले के धमौल थाना के रेवार मोड़ के निकट शुक्रवार को बच्चों से भरी स्कूल बस सड़क के किनारे गड्ढे में पलट गई. जिससे 13 बच्चे घायल हो गए हैं. घायलों का इलाज स्थानीय अस्पताल में कराया जा रहा है. धमाल के थाना प्रभारी हिमांशु कुमार पप्पू ने बताया कि बस निकटवर्ती जमुई जिले के केरला इंग्लिश स्कूल का था, जो बच्चों को लेने नवादा जिले के धमाल थाना क्षेत्र के रेवार मोड़ के पास पहुंची थी. संतुलन खो जाने के बाद बस गड्ढे में पलट गई. जिसमें 13 बच्चे घायल हो गए हैं.

निरीक्षण अभियान सीसीएल के कमांड क्षेत्रों में 171 तौल पुलों का निरीक्षण किया जाएगा

वेटब्रिज जागरूकता सप्ताह : निरीक्षण अभियान का शुभारंभ

संवाददाता। रांची

कोयला मंत्रालय और कोल इंडिया के मार्गदर्शन में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के सतर्कता विभाग ने सभी कमांड क्षेत्रों में वेटब्रिज जागरूकता सप्ताह नामक एक व्यापक निरीक्षण अभियान शुरू किया. आठ अगस्त से 14 अगस्त तक चलने वाली इस पहल का उद्देश्य सड़क के तौल पुलों के उचित संचालन और रखरखाव के बारे में अधिकारियों, कर्मचारियों और हितधारकों को जागरूक करना है. पूरे सप्ताह के दौरान, परिचालन मानकों और रखरखाव प्रोटोकॉल के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए सीसीएल के कमांड क्षेत्रों में 171 तौल पुलों का निरीक्षण किया जाएगा.

सीसीएल के सतर्कता विभाग ने चलाया जागरुकता अभियान

जागरूकता अभियान में तौल पुलों के संचालन और रखरखाव के सभी पहलुओं को शामिल किया जाएगा, जिसका उद्देश्य निष्पक्ष और पारदर्शी संचालन के लिए अपनाई जाने वाली प्रथाओं के बारे में ज्ञान पैदा करना है. गौरतलब है कि कोयला कंपनियों में वे ब्रिज एक महत्वपूर्ण उपकरण है जिसका उपयोग कोयला ले जाने वाले लोडेड और खाली वाहनों के वजन को मापने के लिए किया जाता है. यह प्रणाली परिवहन किए गए कोयले का सटीक माप सुनिश्चित करने में मदद करती है और परिवहन नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सकता है और इन्वेंट्री को प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा सकता है. सीसीएल न केवल देश की ऊर्जा जरूरतों को सुनिश्चित कर रहा है, बल्कि कोयले के उचित संचालन, परिचालन मानक और रखरखाव प्रोटोकॉल के अनुपालन को सुनिश्चित करते हुए सतत विकास को बढ़ावा दे रहा है.

खास बातें

- आठ अगस्त से 14 अगस्त तक चलेगी यह अभियान
- संचालन और रखरखाव के सभी पहलुओं को शामिल किया

पलामू बाल गृह के एक बच्चे की मौत

मेदिनीनगर। पलामू बाल गृह के एक बीमार बच्चे की शुक्रवार को मौत हो गई. वह कई दिनों से बीमार था और कुछ महीने पहले उसे इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था. यहां से डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उसे रिम्स रेफर कर दिया था. रिम्स से इलाज के बाद उस बच्चे को वापस बाल गृह लाया गया था. बच्चे की शुक्रवार को अचानक तबीयत खराब हुई, जिसके बाद उसे इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल लाया गया था. जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. शव का दंडाधिकारी की मौजूदगी में पंचनामा और मेडिकल बोर्ड गठित कर शव का पोस्टमार्टम किया गया है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने की 'चाय पर चर्चा'

दोनों नेताओं ने एक-दूसरे का गर्मजोशी से अभिवादन किया, सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा में संसद सत्र स्थगित होने के बाद शुक्रवार को अनौपचारिक चाय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने एक दूसरे का अभिवादन किया. इस दौरान दोनों ही नेताओं ने गर्मजोशी से नमस्ते किया. इस दौरान राहुल गांधी ने केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह से यूक्रेन की हालातों के बारे में पूछा, जिस पर रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत इस पर कड़ी नजर रख रहा है. लोकसभा सदन की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है. पिछले महीने 22 जुलाई से शुरू हुए इस सत्र की कार्यवाही को 12 अगस्त तक चलना था. मगर, इसका समापन शुक्रवार को ही कर दिया गया. इस दौरान लोकसभा स्पीकर ने सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही के सुचारू संचालन में सहयोग करने के लिए प्रधानमंत्री, संसदीय कार्य मंत्रियों, नेता प्रतिपक्ष, विभिन्न दलों के नेताओं और सांसदों के प्रति आभार भी व्यक्त किया.

18 वीं लोकसभा के दूसरे सत्र में 15 बैठकें हुईं जो 115 घंटे तक चलीं : ओम बिरला

18 वीं लोकसभा के दूसरे सत्र की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी, जिसमें केंद्रीय बजट 2024-25 को मंजूरी देने की प्रक्रिया संपन्न हुई. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा से पहले बताया कि इस सत्र में 15 बैठकें हुईं जो 115 घंटे तक चलीं और सदन के काम की उत्पादकता 136 प्रतिशत रही.

बजट पर चर्चा में 181 सदस्य हुए शामिल

अठारहवीं लोकसभा के दूसरे सत्र की शुरुआत 22 जुलाई को हुई थी. जिसमें 23 जुलाई को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन में केंद्रीय बजट 2024-25 पेश किया. अध्यक्ष बिरला ने बताया कि सदन में बजट पर सामान्य चर्चा 27 घंटे 19 मिनट तक चली, जिसमें 181 सदस्यों ने भाग लिया.

चाय पर चर्चा में कौन कौन सदस्य रहे शामिल?

संसद सत्र स्थगित होने के बाद अनौपचारिक चाय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के साथ कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ कई बड़े नेता मौजूद रहे. जिसमें रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू, पियूष गोयल, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू, लोजपा नेता चिराग पासवान, शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे, समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे.

ब्रीफ खबरें

विनेश को न्याय दिलाने खाप पंचायतें एकजुट

भिवानी। पेरिस ओलंपिक में महिला कुश्ती के 50 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में डिसक्वालीफाई होने वाली पहलवान विनेश फोगाट को न्याय दिलाने की मांग के साथ यहां शहीद स्मारक में शुक्रवार को नौगामा खाप की पंचायत हुई. इसमें विनेश को डिसक्वालीफाई किये जाने को साजिश बताया गया. नौगामा खाप प्रवक्ता उमेद सिंह जागलान ने कहा कि पंचायत में इस मामले पर खेल मंत्री से उचित जांच करने की मांग की गई. मामले में जो भी दोषी है उसके खिलाफ कार्रवाई कर सजा दिलाई जाए ताकि विनेश को न्याय मिल सके. विनेश को न्याय नहीं मिला तो नौगामा खाप आंदोलन करने से भी पीछे नहीं रहेगी और जींद की सभी खापें विनेश को न्याय दिलाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी.

पूजा खेडकर के पिता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

पुणे। पुलिस ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की पूर्व प्रशिक्षु अधिकारी पूजा खेडकर के पिता दिलीप खेडकर के खिलाफ पुणे जिले में एक लोक सेवक को धमकाने और उनके काम में बाधा डालने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है. पुणे जिलाधिकारी कार्यालय के एक तहसीलदार स्तर के अधिकारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर बंडगार्डन पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है. सहायक जिलाधिकारी के रूप में पूजा खेडकर की तैनाती के दौरान सेवानिवृत्त अधिकारी दिलीप खेडकर ने कथित तौर पर तहसीलदार दीपक अकाडे के खिलाफ धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल किया था और उनसे अपनी बेटी के लिए एक केबिन आवंटित करने को कहा था.

जंगली हाथी के हमले में दो महिलाओं की मौत

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में जंगली हाथी के हमले में एक ही परिवार की दो महिलाओं की मौत हो गई. जंगली हाथी ने बृहस्पतिवार सुबह एक अन्य महिला की जान ली थी. अधिकारियों ने बताया कि जिले के कटघोरा वन मंडल के अंतर्गत खैरभवना गांव में जंगली हाथी के हमले में दो महिलाओं तीजकुंवर (63) और सूरुजा (43) की मौत हो गई. कोरबा वनमंडल के करतला वन परिक्षेत्र में तीन दिन पहले आठ हाथियों का दल विचरण कर रहा था. इसमें से एक हाथी अपने झुंड से अलग हो गया. अधिकारियों ने बताया कि बुधवार रात वह हाथी रलिया गांव पहुंचा और उसने बृहस्पतिवार सुबह सैर पर निकली गायत्री राठौर (55) को कुचल दिया.

सेना कमांडर लद्दाख में अग्रिम क्षेत्र पहुंचे

जम्मू। सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एम वी सुचिंद्र कुमार ने लद्दाख में अग्रिम इलाकों का दौरा किया और भविष्य की चुनौतियों के लिए उच्च मनोबल एवं पेशेवर रुख बनाये रखने के लिए सैनिकों की सराहना की. उत्तरी कमान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एम वी सुचिंद्र कुमार ने अग्रिम क्षेत्रों का दौरा किया और उन्हें अत्याधुनिक तकनीकी एकीकरण और परिचालन तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई.' इसमें कहा गया है कि सेना के कमांडर ने सैनिकों की सराहना की तथा सभी रैंक के कर्मियों से भविष्य की चुनौतियों के लिए उच्च मनोबल और पेशवर रुख बनाए रखने का आह्वान किया.

बांग्लादेश : लोगों को उम्मीद- यह सरकार व्यवस्था बहाल करेगी

सामान्य स्थिति की उम्मीद के साथ नयी सरकार का स्वागत

- देशवासियों की अपेक्षा, दमन को समाप्त करेगी और सत्ता के लोकतांत्रिक हस्तांतरण के लिए निष्पक्ष चुनाव कराएगी सरकार

एजेंसी। ढाका/संयुक्त राष्ट्र

बांग्लादेश में लोगों ने नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली नयी अंतरिम सरकार का स्वागत किया है. लोगों ने उम्मीद जताई है कि यह सरकार व्यवस्था बहाल करेगी, दमन को समाप्त करेगी और सत्ता के लोकतांत्रिक हस्तांतरण के लिए निष्पक्ष चुनाव कराएगी. इसी बीच, ने कहा कि वह नस्ली आधार पर होने वाले किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं. यूनुस (84) ने बृहस्पतिवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली थी. उन्होंने शेख हसीना का स्थान लिया है. शेख हसीना ने विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद अचानक इस्तीफा दे दिया था और भारत चली गई थीं. यूनुस ने प्रधानमंत्री के समकक्ष पद मुख्य सलाहकार के रूप में शपथ ली. महिला अधिकार कार्यकर्ता फरीदा अख्तर, दक्षिणपंथी पार्टी हिफाजत-ए-इस्लाम के उप प्रमुख एएफएम खालिद हुसैन, ग्रामीण दूरसंचार ट्रस्टी नूरजहां बेगम, स्वतंत्रता सेनानी शर्मीन मुर्शिद, चटगांव हिल ट्रैक्ट्स डेवलपमेंट बोर्ड के अध्यक्ष सुप्रदीप चकमा, प्रोफेसर बिधान रंजन रॉय और पूर्व विदेश सचिव तौहीद हुसैन सलाहकार परिषद के सदस्यों में शामिल हैं. ढाका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सेराजुल इस्लाम चौधरी ने कहा कि अंतरिम सरकार का एक कर्तव्य व्यवस्था बहाल करना होगा, जो हसीना के पतन के बाद पिछले कुछ दिनों से चरमरा गई है. डेली स्टार समाचार पत्र ने अंतरिम सरकार के शपथ ग्रहण के बाद चौधरी के हवाले से कहा, 'दूसरा काम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है.' प्रख्यात विधिवेत्ता कमाल हुसैन ने कहा, 'जो परिवर्तन हुआ है उसका सभी ने स्वागत किया है.'

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सलाहकार परिषद के सदस्यों के विभागों की घोषणा की

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने शुक्रवार को नवनियुक्त सलाहकार परिषद के विभागों की घोषणा की और रक्षा सहित 27 मंत्रालयों का प्रभार अपने पास रखा तथा अनुभवी राजनयिक मोहम्मद तौहीद हुसैन को विदेश मंत्रालय का प्रमुख नियुक्त किया. अन्य सलाहकारों का चयन छात्र नेताओं, सेना और नागरिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के परामर्श से किया गया. एक आधिकारिक घोषणा के अनुसार, सेना के सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर जनरल एम सखावत हुसैन को गृह मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया है. हुसैन 2001 से 2005 तक कोलकाता में बांग्लादेश के उप उच्चायुक्त थे और 2006 से 2009 तक बांग्लादेश के विदेश सचिव रहे.

बांग्लादेश बैंक के पूर्व गवर्नर सलाहुद्दीन अहमद वित्त और योजना मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभालेंगे, जबकि पूर्व अटॉर्नी जनरल ए एफ हसन आरिफ स्थानीय सरकार मंत्रालय का प्रभार संभालेंगे. अंतरिम मंत्रिमंडल में शामिल किए गए 'स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन' के दो समन्वयकों एम नाहिद इस्लाम और आसिफ महमूद को क्रमशः दूरसंचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा युवा एवं खेल मंत्रालयों का प्रभार दिया गया. समूह ने पिछले महीने सरकारी नौकरियों के लिए आरक्षण प्रणाली में सुधार के लिए सबसे पहले सड़क पर आंदोलन चलाया, जो बाद में एक सार्वजनिक विद्रोह में तब्दील हो गया और हसीना के 15 साल के शासन का अंत कर अंतरिम सरकार स्थापित की, जिसे सेना का स्पष्ट समर्थन प्राप्त था. सलाहकार परिषद के तीन सदस्य बृहस्पतिवार रात राष्ट्रपति भवन 'बंगभवन' में शपथ नहीं ले सके, क्योंकि वे राजधानी से बाहर थे और अधिकारियों ने अनुमान लगाया कि यूनुस उन्हें 27 विभागों में से कुछ दे सकते हैं. इन तीनों में ज्यादातर नागरिक संस्थाओं के लोग हैं.

अनुराग का राहुल पर हमला

गाजा की चिंता है, लेकिन बांग्लादेशी हिंदुओं पर क्यों नहीं निकल रही है आवाज

नयी दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बांग्लादेश के मुद्दे पर घेरने की कोशिश की. उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी को बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा की चिंता नहीं है. अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी गाजा की बात करते हैं, लेकिन बांग्लादेश की नहीं. उन्होंने कहा, "हमारे पड़ोसी देश बांग्लादेश में जो कुछ हुआ, उससे हम सभी चिंतित हैं. सभी दलों ने एक स्वर में वहां के हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई. लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के नेता को बधाई देते हुए हिंदुओं पर हो रहे हमलों के बारे में बात नहीं की. आखिर उन्हें बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के बारे में क्यों कुछ नहीं कहा? उन्हें कौन रोक रहा है? आप गाजा की बात करते हैं, लेकिन बांग्लादेश की नहीं." शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद पड़ोसी मुल्क में सत्ता परिवर्तन हुआ.

हम नस्ली आधार पर हमले और हिंसा के खिलाफ : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हमलों की घटनाओं के बीच, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि वह नस्ली आधार पर होने वाले किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं.

महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने कहा, 'यह स्पष्ट है कि हम सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हाल के सप्ताह में बांग्लादेश में जो हिंसा हो रही है उस पर नियंत्रण पाया जाए. निश्चित रूप से हम नस्ल आधार पर किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं.' वह बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे हमलों के संबंध में महासचिव की प्रतिक्रिया से जुड़े सवालों के जवाब दे रहे थे. सोमवार को प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से इस्तीफा देने और देश छोड़कर भारत आ जाने के बाद से जारी हिंसा में कई हिंदू मंदिरों, घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की गई है और अवामी लीग से जुड़े कम से कम दो हिंदू नेताओं की हत्या कर दी गई. मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ दिलाए जाने पर हक ने संयुक्त राष्ट्र की 'सरकार बनाने की एक समावेशी प्रक्रिया' की आशाओं का उल्लेख किया और कहा, 'हम उम्मीद बरकरार रखे हुए हैं. शांति बहाली का कोई भी संकेत एक अच्छी चीज है.'

हरियाणा के स्कूलों में 15 अगस्त से 'गुड मॉर्निंग' की जगह 'जय हिंद'

एजेंसी। चंडीगढ़

हरियाणा में इस स्वतंत्रता दिवस से सभी स्कूलों में 'गुड मॉर्निंग' के स्थान पर अब 'जय हिंद' का प्रयोग किया जाएगा. एक सरकारी परिपत्र में इसकी जानकारी दी गयी है.

प्रदेश सरकार के स्कूल शिक्षा निदेशालय की ओर से बृहस्पतिवार को जारी परिपत्र में कहा गया है कि हरियाणा सरकार द्वारा शुरू किए गए इस कदम का उद्देश्य छात्रों में 'देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की गहरी भावना उत्पन्न करना' है. परिपत्र में कहा गया है कि 'जय हिंद' का नारा सुभाष चंद्र बोस ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान दिया था और स्वतंत्रता के बाद सशस्त्र बलों द्वारा इसे सलामी के रूप में स्वीकार किया गया था. स्कूल शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारियों, जिला खंड शिक्षा अधिकारियों, खंड प्राथमिक शिक्षा अधिकारियों, प्रधानाचार्यों और प्रधानाध्यापकों को यह परिपत्र भेजा है. परिपत्र के अनुसार, स्कूलों में अब 'गुड मॉर्निंग' की जगह 'जय हिंद' का उपयोग किया जाएगा, ताकि हर दिन छात्रों को 'राष्ट्रीय एकता की भावना से प्रेरित किया जा सके' और देश के 'समृद्ध इतिहास के प्रति सम्मान' व्यक्त किया जा सके. इसमें कहा गया है कि देशभक्तिपूर्ण अभिवादन 'जय हिंद' छात्रों को देश की आजादी के लिए किए गए बलिदानों की सराहना करने के लिए प्रोत्साहित करेगा. इसमें कहा गया है कि 'जय हिंद' क्षेत्रीय, भाषाई और सांस्कृतिक मतभेदों से परे है और विविध पृष्ठभूमि के छात्रों के बीच एकता को बढ़ावा देता है.

स्कूल ने 'मांसाहारी भोजन नहीं' देने का संदेश भेजा

नोएडा। नोएडा के एक नामी स्कूल ने दोपहर के भोजन में बच्चों को 'मांसाहारी खाद्य पदार्थ नहीं देने' के लिए अभिभावकों को संदेश भेजा, लेकिन इस पर बहस छिड़ने के बाद स्कूल प्रबंधन ने बचाव करते हुए कहा कि यह सिर्फ अनुरोध है. नोएडा के सेक्टर-132 स्थित 'दिल्ली पब्लिक स्कूल' ने बुधवार को अभिभावकों को व्हॉट्सऐप के जरिए संदेश भेजा जिसमें कहा गया कि वे बच्चों को दोपहर के भोजन में मांसाहारी खाना न भेजें. संदेश में कहा गया है, 'जब दोपहर के भोजन के लिए सुबह मांसाहारी भोजन पकाया जाता है तो उसके खराब होने की संभावना रहती है. यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है.' इसमें यह भी कहा गया है, 'स्कूल, छात्रों की विविधता और समावेशिता को महत्व देता है. ऐसे में सभी छात्र अपने भोजन की प्राथमिकथाओं की परवाह किए बिना एक साथ बैठकर भोजन कर सकें, इसके लिए हम शाकाहारी वातावरण मुहैया कराने पर ध्यान केंद्रित करते हैं ताकि सभी सहज महसूस कर सकें.' इस मुद्दे पर बहस छिड़ने के बाद स्कूल की प्रधानाचार्य सुप्रीति चौहान ने कहा, 'यह सिर्फ अनुरोध है.'

पांचवीं मंजिल से बच्ची पर गिरा पालतू कुत्ता, लड़की की मौत, मालिक गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक इमारत की पांचवीं मंजिल से एक पालतू कुत्ता चार साल की बच्ची पर गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई. इस घटना के बाद पुलिस ने कुत्ते के मालिक को गिरफ्तार कर लिया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि ठाणे शहर के मुंब्रा इलाके में मंगलवार शाम करीब साढ़े चार बजे यह घटना हुई थी.

पुलिस ने बृहस्पतिवार की रात कुत्ते के मालिक को गिरफ्तार किया. इस घटना के संबंध में तीन अन्य लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है. मुंब्रा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया, 'छह अगस्त को एक इमारत की पांचवीं मंजिल से पालतू कुत्ता नीचे सड़क पर टहल रही बच्ची पर गिर गया. इस घटना में बच्ची को गंभीर चोटें आईं. उसे अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने पालतू कुत्ते के मालिक को गिरफ्तार कर लिया.'

उन्होंने बताया कि कुत्ते के मालिक और तीन अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने शुरू में दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया था. सोशल मीडिया पर इस घटना का एक वीडियो भी आया है.

बुद्धदेव को सैकड़ों लोगों ने नम आंखों से दी अंतिम विदाई

एजेंसी। कोलकाता

- बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री भट्टाचार्य को साम्यवादी विचारधारा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और राज्य के औद्योगिकीकरण के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण के लिए हमेशा याद किया जाएगा

पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य को यहां मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के राज्य मुख्यालय में शुक्रवार को अंतिम विदाई देने के लिए सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंचे. मार्क्सवादी नेता का बृहस्पतिवार को यहां उनके निवास पर 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया था. भट्टाचार्य को साम्यवादी विचारधारा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और राज्य के औद्योगिकीकरण के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण के लिए याद किया जाएगा. शोक संतप्त लोगों में से कुछ ने नम आंखों से जबकि कइयों ने मुट्ठी बांधकर लाल सलामी के जरिये भट्टाचार्य को श्रद्धांजलि दी. इनमें कई लोग भट्टाचार्य की तस्वीरें भी लिए हुए थे. माकपा के राज्य मुख्यालय में अंतिम दर्शनों के लिए रखा गया भट्टाचार्य का पार्थिव शरीर लाल झंडे में लिपटा और फूलों से ढका हुआ था. पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों के साथ-साथ अनुभवी नेताओं से लेकर युवा राजनेताओं ने भट्टाचार्य को श्रद्धांजलि दी. भीड़ में ऐसे लोग भी शामिल थे, जो उनकी उद्योग समर्थक नीतियों से प्रभावित थे. पार्टी मुख्यालय पर मौजूद लोगों ने भट्टाचार्य को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और औद्योगिक विकास में सुधार के दिशा में उनके प्रयासों को याद किया और बताया कि कैसे उनके दृष्टिकोण ने भविष्य की प्रगति के लिए आधार तैयार किया था. माकपा के दिग्गज नेता ने राज्य के राजनीतिक परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी है. उन्हें राज्य के औद्योगिकीकरण के प्रयासों के लिए जाना जाता था. हालांकि भट्टाचार्य के नेक प्रयासों और इरादों के बावजूद, पश्चिम बंगाल में 34 वर्षों के निर्बाध शासन के बाद अंततः वाम मोर्चा सरकार का पतन हो गया.

ऐलान किसी भी आंतरिक या बाहरी शक्ति को चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी

जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने को प्रतिबद्ध : सीईसी

एजेंसी। जम्मू

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने शुक्रवार को कहा कि निर्वाचन आयोग जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी आंतरिक या बाहरी शक्ति को चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी. कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में सभी दल विधानसभा चुनाव कराने का "पुरजोर समर्थन" कर रहे हैं.

उन्होंने कहा, "हम जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं और किसी भी आंतरिक या बाहरी शक्ति को चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी." कुमार के नेतृत्व में निर्वाचन आयोग का एक प्रतिनिधिमंडल चुनाव के लिए प्रशासनिक व सुरक्षा एजेंसियों की तैयारियों की समीक्षा के सिलसिले में तीन दिन की जम्मू-कश्मीर यात्रा पर है. प्रतिनिधिमंडल में निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एस.एस संधू भी शामिल हैं. अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को यात्रा के दूसरे दिन प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव अटल डुल्लो और केंद्र शासित प्रदेश के पुलिस प्रमुख आरआर स्वैन से मुलाकात की. जम्मू-कश्मीर में 2014 से विधानसभा चुनाव नहीं हुए हैं. साल 2018 में पूर्ववर्ती राज्य की विधानसभा भंग होने के बाद 2019 की शुरुआत में चुनाव होने थे.

आतंकी हमले के खतरे से नहीं रोक सकते प्रक्रिया

मुख्य चुनाव आयुक्त ने जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुए आतंकी हमलों के बावजूद चुनाव कराने की तैयारियों पर जोर देते हुए कहा, "जब अच्छे परिणाम आते हैं, तो कुछ शरारती तत्वों को तकलीफ होती है, लेकिन हम चुनाव कराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. किसी भी आतंकी हमले या खतरे से चुनाव प्रक्रिया को नहीं रोका जा सकता." जम्मू-कश्मीर में 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव होने हैं, और 20 अगस्त को मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा. चुनाव आयोग ने सभी दलों की मांगों को ध्यान में रखते हुए चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने का आश्वासन दिया है.

ओडिशा में महानदी का जलस्तर बढ़ने पर 10 जिलों के लिए अलर्ट जारी

एजेंसी। भुवनेश्वर

ओडिशा के विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) सत्यब्रत साहू ने शुक्रवार को हीराकुंड बांध से पानी छोड़े जाने पर महानदी के जलस्तर में बढ़ोतरी के कारण 10 जिलों के जिला अधिकारियों को एहतियाती तौर पर सतर्क रहने के लिए कहा है. जिन जिलों के लिए अलर्ट जारी किया गया है उनमें संबलपुर, सोनेपुर, नयागढ़, अंगुल, बौध, पुरी, कटक, जगतसिंहपुर और केंद्रपाड़ा शामिल हैं. एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार सुबह आठ बजे मुंडाली के पास महानदी में कुल 5.78 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया और वर्तमान में बांध के 14 द्वार खोल दिए गए हैं. जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता भक्त रंजन मोहंती ने बताया कि कुछ नदियां का जलस्तर बढ़ने के बाद भी किसी क्षेत्र में बाढ़ की आशंका नहीं है, लेकिन कई खबरों में कहा गया है कि कटक और खुर्दा जिले के कुछ निचले इलाकों में बाढ़ का पानी पहले ही प्रवेश कर चुका है.

श्रद्धालुओं की जीप नाले में बही, नाबालिग लड़की की मौत

चंपावत। उत्तराखंड के चंपावत जिले में स्थित पूर्णागिरी धाम की ओर जा रहे श्रद्धालुओं की एक जीप के शुक्रवार को बारिश से उफनाए एक नाले में बह जाने से एक नाबालिग लड़की की मौत हो गयी और पांच अन्य लोग घायल हो गए. घटनास्थल पर पहुंचे चंपावत के जिलाधिकारी नवनीत पांडे ने बताया कि किरौड़ा नाले के तेज बहाव में बही जीप में सवार दो अन्य श्रद्धालु लापता हैं, जिन्हें ढूंढने के प्रयास किए जा रहे हैं. हादसे के समय वाहन में नौ लोग सवार थे. पांचों घायलों का टनकपुर उप जिलाचिकित्सालय में उपचार किया जा रहा है. दुर्घटना का शिकार हुए श्रद्धालु ऊधमसिंहनगर जिले के खटीमा के रहने वाले थे. मृतका की पहचान 14 वर्षीय बलविंदर कौर के रूप में हुई है जबकि घायलों में मृतका की छोटी बहन सीमा (पांच) के अलावा दो सगी बहनें पवनदीप कौर और अमनदीप कौर, 12 वर्षीय गीता कठैत और जीप चालक उवैश (20) शामिल हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)